सड़क सुरक्षा संकेतावली और चिन्ह पुस्तिका

Book on Road Safety Signage & Signs

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार

Ministry of Road Transport & Highways, Government of India

पंचम संस्करण : 2015
शीर्षक : यातायात चिन्ह जो सुरक्षा दें : सड़क सुरक्षा संकेतावली और चिन्ह पुस्तिका
बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं, केवल वितरण हेतु

Fifth Edition : 2015
Title: TRAFFIC SIGNS ENSURE SAFETY : Book on Road Safety Signage & Signs
NOT FOR SALE, ONLY FOR FREE DISTRIBUTION

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
सड़क सुरक्षा विभाग, परिवहन भवन, 1, संसद मार्ग, नई दिल्ली – 110001

Ministry of Road Transport & Highways, Government of India
Road Safety Cell, Transport Bhawan, 1, Parliament Street, New Delhi-110001

भूमिका

आर्थिक विकास, तकनीकी उन्नति, और आवागमन की बढ़ती ज़रूरतों के कारण सड़कों पर यातायात बढ़ा है। सड़कों पर यह बढ़ा हुआ यातायात, सड़क उपयोक्ताओं की सुरक्षा के लिए चुनौती प्रस्तुत करता है और इसके परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनों में बड़ी संख्या में लोग घायल होते और मरते हैं। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि इससे पूरी तरह से बचा जा सकता है। सड़कों पर होने वाली ऐसी हानियों के अनेक कारण पहचाने गए हैं। अनुचित और अत्यधिक गति, सीट बेल्टों और चाइल्ड रेस्ट्रेंट्स का इस्तेमाल न करना, शराब पीकर वाहन चलाना, दुपहिया सवारों द्वारा हेलमेट का इस्तेमाल न किया जाना, सड़कों की संरचना की खराब डिजाइन या अपर्याप्त रखरखाव, और ऐसे वाहनों का चलना जो पुराने हैं, सही रख–रखाव वाले नहीं हैं, या जिनमें सुरक्षा विशेषताओं का अभाव है, यातायात का कमजोर नियमन और प्रवर्तन, ये ऐसे ही कुछ कारण हैं। इस संदर्भ में मंत्रालय ने सभी राज्यों में सड़क सुरक्षा सुधारने के लिए बहु–आयामी रणनीति लागू करने हेतु एक कार्ययोजना का प्रारूप वितरित किया है। यह पुस्तक, सड़क सुरक्षा से संबंधित मसलों के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु मंत्रालय के प्रयास का एक अंग है।

यातायात के नियमन में सड़क संकेत एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे सड़क सुरक्षा सुरक्षित करने के लिए आधारभूत आवश्यक तत्व हैं। सड़क संकेत, किसी राजमार्ग, सड़कमार्ग, पथमार्ग, या अन्य रास्तों के साथ, किनारे या उनके ऊपर लगे उपकरण होते हैं जो उन पर चलते सड़क यातायात, जिनमें मोटर वाहन, साइकिलें, पैदल, तथा अन्य सड़क उपयोक्ता शामिल हैं, का मार्गदर्शन करने, सचेत करने और नियमित करने के लिए होते हैं। प्रत्येक सड़क उपयोक्ता को सड़क के चिन्हों और संकेतों को जानना और उनका अर्थ समझना चाहिए। सड़कों पर अनेक विभिन्न प्रकार के यातायात संकेत दिखाई देते हैं। वे आगे की सड़क की दशाओं के बारे में पहले से सूचित करते हैं। सड़क संकेत और चिन्ह, चालकों को आदेश, चेतावनी या मार्गदर्शन भी देते हैं। इन संकेतों और चिन्हों का अर्थ समझें तथा सड़क पर चलते समय उनका ध्यान रखें। विषय में योगदान के लिए इस संकलन को विभिन्न सड़क संकेत वर्णित करने के लिए डिजाइन किया गया है जो आदेशात्मक, सचेतक, और

Preface

Economic development, technological advancement and growing need for mobility have resulted in increased traffic on roads. The increased traffic on roads has challenged the safety of road users and has resulted in increase in fatalities and losses in road crashes. However, this is not inevitable; it is entirely avoidable. A number of factors have been identified for such losses on road. Inappropriate and excess speed, non-use of seat belts and child restraints, drinking and driving, non-use of helmets by riders of motorized two-wheelers, poorly designed or insufficiently maintained road infrastructure and vehicles that are old, not well maintained or that lack safety features, poor traffic regulation and enforcement, are some of the reasons. In this context, the Ministry has circulated a draft action plan for the implementation of the multi-pronged strategy for improving road safety, to all states. This book is a part of the Ministry's effort to spread awareness on issues related to road safety.

Road Signs play an important role in the regulation of traffic and are the building blocks for ensuring Road Safety. Road signs are devices placed along, beside, or above a highway, roadway, pathway, or other route to guide, warn, and regulate the flow road traffic, including Motor vehicles, bicycles, pedestrians and other road users. Every road user should know the marking and signs on the road and the meaning thereof. Many different traffic signs are to be seen on the roads. They give advance information about road conditions ahead. Road signs and markings also give orders, warning or guidance to drivers. Learn the meaning of these signs and markings and look out for them when on the road. In order to contribute to the subject, this compendium has been designed to depict various

सूचनात्मक चिन्हों में वर्गीकृत हैं। इन चिन्हों को लगाने से संबंधित मसलों को भी कवर किया गया है।

सड़क संकेतों के अलावा, कुछ पृष्ठों में विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा पर बात की गई है जिनमें स्कूल बसों, साइकिलों व पैदल चलने वालों से संबंधित मसलों को उपयुक्त चित्रों सहित समझाया गया है। लाइसेंस बनवाने वालों की सुविधा के लिए, 'ड्राइविंग लाइसेंस कैसे प्राप्त करें' के बारे में भी एक अध्याय दिया गया है। 'वाहन और सारथी' योजना के अंतर्गत आरटीओ को आपस में जोड़ने से संबंधित भारत सरकार की नीति को भी संक्षेप में शामिल किया गया है।

यह पुस्तक, समाज को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार के संकल्प का परिणाम है। वर्ष 2015 के लिए सड़क सुरक्षा थीम **'सुरक्षा ना केवल एक नारा, बल्कि है यह जीवन की एक धारा'**। यह पुस्तक भावी चालकों, युवाओं के लिए, जो अभी सड़क का उपयोग करने के शुरूआती दौर में हैं, और इसके अलावा वर्तमान सड़क उपयोक्ताओं के लिए भी उपयोगी साबित होगी। आशा है कि यह पुस्तक हमारे सड़क उपयोक्ताओं की जागरूकता बढ़ाने तथा सड़क पर उन्हें अधिक जिम्मेदार बनने में मदद करेगी। यदि हम सुरक्षित यातायात के लिए अपनी जिम्मेदारी समझें, तो हमारे समाज को सड़क दुर्घटनाओं के कारण कम हादसों का सामना करना पड़ेगा। आइए हमारी सड़कों को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए मिलकर काम करें।

road signs categorized into Mandatory, Cautionary and Informatory signs. Issues related to the installation of these signs have also been covered.

In addition to the road signs, a few pages have been dedicated to the safety of children wherein issues related to school buses, bicycles and pedestrians have been explained with suitable illustrations. A chapter on 'How to obtain Driving License' has been incorporated for the benefit of license seekers. The Government of India policy relating to interlinking RTOs under 'Vahan and Sarathi' Scheme has also been included in brief.

The genesis of this book stems from the resolve of the Government of India to achieve a safer Society. The road safety theme for the year 2015 is **'Safety is not just a Slogan, It's a way of life'**. This book will be useful for potential drivers, young people who are beginning to use road on their own and also to existing road users. It is hoped that this book will help our road users improve their awareness and to be more responsible while on the road. If we understand our responsibility towards safe traffic, our society will suffer lesser trauma from road accidents. Let us join hands to make our roads safer!

विषय सूची / INDEX

अध्याय / Chapter — पृष्ठ संख्या / Page No.

भाग–क / Part-A (सड़क चिन्ह / Road Signs)

1. यातायात चिन्हों को जानें / Know all about Traffic Signs 7
 1.1 आदेशात्मक सड़क चिन्ह / Mandatory Road Signs 11
 1.2 सचेतक सड़क चिन्ह / Cautionary Road Signs 21
 1.3 सूचनात्मक सड़क चिन्ह / Informatory Road Signs 31
 1.4 सड़क संकेत / Road Signs 38
 1.5 सड़क मार्किंग / Road Marking 42

भाग–ख / Part-B (सड़क सुरक्षा जानकारी / Road Safety Information)

2. ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की जानकारी / Information to get Driving License 46
3. सड़क दुर्घटनाओं के सामान्य कारण / Common Causes of Road Crashes 49
4. सड़क दुर्घटना पीड़ित की मदद कैसे करें ? How to help Road Crash Victim? 55
5. सामान्य गलतियों को जानकर ड्राइविंग सुधारें / Know Common Mistakes & Improve your Driving 59
6. पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षा सुझाव / Safety Tips for Pedestrian 61
7. साइकिल चालक के लिए सुरक्षा सुझाव / Safety Tips for the Cyclist 63
8. स्कूल बस के लिए सुरक्षा सुझाव / Safety Tips for School Bus 64
9. पार्किंग करने के सही तरीकों को जानें / Know the Correct Ways of Parking 65
10. वाहन का सही रखरखाव / Vehicle Maintenance 66
11. कठिन परिस्थितियों में ड्राइविंग / Driving under Difficult Conditions 68
12. शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचें / Avoid Drinking & Driving 72
13. लेन ड्राइविंग सुझाव / Lane Driving Tips 73
14. एक अच्छे वाहन चालक के गुण / Skill of a good Driver 74
15. खेल–खेल में सीखें हम सड़क सुरक्षा नियम / Learn Road Safety Rules with Fun 76
16. दृश्यता / Visibility 78
17. सड़क सुरक्षा के विषय में सरकारी नीतियां / Government Policies on Road Safety 80
18. कॉर्पोरेट जगत से सड़क सुरक्षा के लिए अपेक्षित योगदान / Contribution Solicited from Corporate World for Road Safety 85
19. सड़क सुरक्षा के दस तथ्य / Ten Road Safety Facts 87
20. भ्रम तोड़े और तथ्यों को जाने / Myth Breaker & Facts Finder 88
21. क्या आप जानते हैं...? / Do You Know...? 89

भाग - क
सड़क चिन्ह
आदेशात्मक सड़क चिन्ह
सचेतक सड़क चिन्ह
सूचनात्मक सड़क चिन्ह
PART - A
Road Signs
Mandatory Road Signs
Cautionary Road Signs
Informatory Road Signs

अध्याय/Chapter – 1

यातायात चिन्हों को जानें
Know all about Traffic Signs

कोई भी व्यक्ति जो पहली बार सड़क पर वाहन चलाने के लिए जा रहा हो उसे पहले सड़क के नियमों की जानकारी लेनी चाहिए। सड़क पर बने सड़क सुरक्षा के चिन्ह सड़क पर चलने वाले यात्रियों को सुरक्षित रखने में मददगार होते हैं, सभी को सड़क का उपयोग करने से पहले इन चिन्हों के बारे में पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। ये चिन्ह मार्ग दर्शक, सूचनात्मक व सचेतात्मक होते हैं चूंकि यह यातायात को सुचारू रखते हैं इसलिए इन पर पूरा ध्यान, सम्मान व वाहन चालक द्वारा इनका पालन किया जाना चाहिए।

सड़क संकेतों का मूल भावना एवं उत्पत्ति

सड़क संकेत जो हम अपने आसपास देखते हैं, उनके उपस्थिति इतिहास में काफी पूर्व देखी जा सकती है। आरंभिक सड़क संकेत मील के पत्थर के रूप में होते थे जो दूरी व दिशा को दर्शाते थे। रोम शासन ने पूरे रोम की दूरी को दर्शाने के लिए अपने सम्पूर्ण साम्राज्य में पत्थर के खंभ लगाए थे। मध्य युग में चौराहों पर बहु:दिशा संकेत सामान्य हो गए थे, जो शहरों और नगरों की दिशाओं को दर्शाते थे। चूंकि सड़कें सीमाओं व बाधाओं को नहीं देखती और सड़क सुरक्षा एक वैश्विक विषय है, इसलिए यह प्रयास किया जाता है कि सड़क संकेतों के लिए समान भाषा का प्रयोग किया जाए यह माना गया था कि बहुसीमाई अंतरराष्ट्रीय यातायात और सड़क सुरक्षा को सुलभ बनाने के लिए सड़क संकेतों, चिन्हों तथा प्रतीकों की अंतरराष्ट्रीय एकरूपता आवश्यक है। मोटरयुक्त यातायात के आगमन तथा सड़कों पर इनके बढ़ते दबाव के कारण अनेक देशों ने चित्रात्मक संकेतों का प्रयोग आरंभ किया और अपने संकेतों का मानकीकरण कर दिया ताकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम बनाया जा सके, जहां भाषायी अंतर अवरोध उत्पन्न कर सकता है और सामान्य रूप से इसके फलस्वरूप उपयुक्त सावधानी, विनियमन तथा सूचनात्मक संकेतों के माध्यम से यातायात सुरक्षा को सुदृढ बनाने में भी मदद मिली। इनमें से अधिकतर चित्रात्मक संकेतों में शब्दों के स्थान पर प्रतीकों का प्रयोग किया जाता है और इन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता तथा स्वीकार्यता प्राप्त है। इन संकेतों की उत्पत्ति प्राथमिक रूप से यूरोप में हुई थी और अधिकतर देशों ने अलग–अलग स्तरों पर इन संकेतों को अपनाया है।

वर्ष 1947 से यूएनईसीई ने सड़क सुरक्षा को अपना प्रमुख उद्देश्य बना लिया है, विशेष रूप से सड़क यातायात सुरक्षा पर कार्यदल

Before one gets ready to drive for the very first time on road, one needs to learn the rules of the road. The road signs and markings help the road user to follow the rules and should be mastered before venturing on the road. They also serve to guide, inform and caution. As control devices for traffic, signs need full attention, respect and the driver's appropriate response.

Spirit and Genesis of Road Signs

The Road Signs we see around us date long back in history. The earliest road signs were milestones, giving distance or direction. The Romans erected stone columns throughout their empire giving the distance to Rome. In the Middle Ages, multidirectional signs at intersections became common, giving directions to cities and towns. Since roads do not see borders and boundaries and road safety being a universal concerns, it was decided to have a common language for road signs. It was recognized that international uniformity of road signs, signals and symbols is necessary to facilitate transboundary international road traffic and road safety. With advent of motorized traffic and its increasing pressure on road, many countries have adopted pictorial signs and standardized their signs to facilitate international travel, where language differences would create barriers, and in general to help enhance traffic safety through appropriate caution, regulation and informatory signs. Most of these pictorial signs use symbols in place of words and have international recognition and acceptance. These signs were primarily evolved in Europe, and have been adopted by most countries to varying extents.

The UNECE has since 1947 made road safety one of its major concerns, in particular through the Working Party on Road Traffic Safety known as WP .1. UNECE

के माध्यम से जिसे डब्ल्यू पी–1 कहते हैं। यूएनईसीई ने वर्ष 1950 में सड़क दुर्घटना निवारण पर कार्य दल–1 (डब्ल्यू पी 1) नामक एक तदर्थ कार्य समूह की स्थापना के साथ राष्ट्र संघ प्रणाली में सड़क सुरक्षा गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाई। इसके तत्वाधान में अनेक अंतर्राष्ट्रीय विधिक दस्तावेज तैयार किए गए हैं। सामान्य रूप से ये विधिक दस्तावेज और विशिष्ट रूप से ये सम्मेलन न यातायात, संकेतों और चिन्हों को नियंत्रित करने वाले विनियमों के अंतर्राष्ट्रीय सामंजस्य लिए भी महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु हैं।

19 सितंबर 1949 को यूरोप संघ राष्ट्र आर्थिक आयोग के ध्वज के अधीन जनीवा में सड़क संकेत एवं प्रतीक पर नयाचार पर अभिसमय के अंतर्गत एक करार पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह 20 दिसंबर 1953 में लागू किया गया था और इसी दिन पंजीकृत भी हुआ था। भारत भी इस करार का एक पक्ष था। संविदाकारी पक्षों से यह इच्छा व्यक्त की गई थी कि वे अपने संबंधित देशों में प्रयोग होने वाले सड़क चिन्हों और संकेतों को यथा संभव अधिकतर स्तर पर विकसित करें व समरूप बनाएं।

तत्पश्चात, वियाना में 8 नवंबर 1968 को सड़क संकेत एवं चिन्हों पर आयोजित सम्मेलन में इस पर संशोधन किए गए थे और सड़क सुरक्षा पर व्यापक रूप से विचार किया गया था। संविदाकारी पक्षों पर यह अनिवार्य किया गया कि संकेतों/चिन्हों के प्रयोग में एकरूपता हो।

इन विधिक दस्तावेजों के अतिरिक्त, वर्ष 1968 के सम्मेलनों को लागू करने के लिए कार्य दल–1 द्वारा सड़क यातायात पर तथा संकेतों व चिन्हों पर दो समेकित संकल्प जारी किए गए हैं। हालांकि इन संकल्पों में इन सम्मेलनों के लिए प्रभावकारी प्रावधान नहीं हैं, किन्तु ये उन उपायों और विधियों की श्रृंखला का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हैं जो राष्ट्रों द्वारा स्वैच्छिक आधार पर क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

आज, कार्यदल–1 संघ राष्ट्र प्रणाली का एकमात्र स्थायी निकाय है जो सड़क सुरक्षा में सुधार करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इसका प्रमुख कार्य यातायात नियमों के सुमेलन के उद्देश्य से संघ राष्ट्र के विधिक दस्तावेजों के संरक्षक की भूमिका अदा करना है।

भारत में, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की अनुसूची–1 में समरूप सड़क संकेतों को निर्धारित किया गया है, जो वृहत रूप से इन सड़क संकेतों की आकृति और आकारों का वर्णन करता है। इस पुस्तिका तथा मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में कुछ अंतर नजर आ सकते हैं जो कि उपर्युक्त उल्लिखित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के अनुरूप लाने के लिए समीक्षाधीन है। इस पुस्तिका में दर्शाए गए

pioneered road safety activities in the United Nations system with the establishment of an Ad Hoc Working Group on the prevention of road accidents in 1950 known as Working Party 1 (WP .1.). Under its auspices several international legal instruments have been drawn up. These legal instruments in general and the Conventions in particular are important points of reference for the international harmonization of regulations governing traffic, signs and signals and driving behaviour.

A treaty was signed on 19th Sept 1949 under Convention on Protocol on Road Signs and Signals in Geneva under the aegis of United Nations Economic Commission of Europe. This came into force on 20th December 1953 and was registered on the same day. India is also a party to the treaty. Contracting parties were desirous of developing and harmonising, to the greatest possible extent, the road signs and markings in their respective countries.

Subsequently during a Convention on Road Signs and Signals held on 8th November 1968 in Vienna, amendments were incorporated and Road Safety was comprehensively deliberated upon. It was imperative upon contracting parties to have uniformity of usage of signs.

In addition to these legal instruments, WP .1 has issued two Consolidated Resolutions, on road traffic (R.E.1) and on road signs and signals (R.E.2), to reinforce the 1968 Conventions and the European Agreements supplementing them. While these Resolutions do not have the binding force of the Conventions, they go into more detail and furnish a catalogue of measures and practices that States are called on to implement on a voluntary basis.

Today, WP.1 remains the only permanent body in the United Nations system that focuses on improving road safety. Its primary function is to serve as guardian of the United Nations legal instruments aimed at harmonizing traffic rules.

In India, Motor Vehicle Act 1988 has laid down the uniform Road Signs in its Schedule I which comprehensively explains the shape and sizes of

संकेत तथा चिन्ह ऊपर उल्लिखित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के अनुरूप हैं।

सड़क संकेत निम्नलिखित प्रयोजन के लिए मूल योजना अपनाई गई है

इस सम्मेलन की रिपोर्ट के अध्याय 2 के अनुच्छेद 5 में सड़क संकेतों की श्रेणियों को परिभाषित किया गया था, जिन्हें मोटे तौर पर निम्नलिखित रूप में श्रेणिबद्ध किया गया था:

क. खतरे की चेतावनी देने वाले संकेत

ख. विनियामक संकेत

ग. सूचनात्मक संकेत

यातायात संकेत मूल रूप से तीन प्रकार के हैं: संकेत जो आदेश देते हैं, संकेत जो चेतावनी देते हैं और संकेत जो सूचना प्रदान करते हैं। प्रत्येक प्रकार के संकेत का आकार भिन्न होता है। गोलाकार संकेत आदेश देते हैं, त्रिकोणीय संकेत चेतावनी देते हैं और आयताकार संकेत सूचना प्रदान करते हैं।

अध्याय 2 का अनुच्छेद 6 प्राथमिक रूप से सड़क संकेतों को स्थापित किए जाने की कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। इसमें यह प्रावधान है कि संकेत इस प्रकार स्थापित किए जाने चाहिए ताकि चालक जिसके लिए वे संकेत लगाए गए हैं, वह सुगमता से और समय पर इन्हें पहचान सकें। इसमें संकेतों को स्थापित करने के स्थल और तरीकों का व्यापक रूप से वर्णन किया गया है।

these road signs. One may find differences in this book from the said Schedule I of the MVA which is under review to bring it in conformity with the above mentioned international conventions. The signs and signages as depicted in this book are in conformity with the international conventions mentioned above.

Basic Scheme Adopted for Road Signs

Article 5 of Chapter II of the Convention on Road Signs and Signals held on 8th November 1968 lays down the classes of Road Signs, which were broadly categorized into:

A. Danger warning signs

B. Regulatory signs

C. Informative signs

There are three basic types of traffic sign: signs that give orders, signs that warn and signs that give information. Each type has a different shape. Circles give orders, Triangles warn and Rectangles inform.

Article 6 of Chapter II primarily spells the modalities for erection of road signs. It has provided that signs shall be so placed that the drivers for whom they are intended can recognize them easily and in time. The location and the manner of placing these signs have been described at length. Road Signs are placed beside or above the highways or streets. If the

(क) गोल (A) Circles | (ख) त्रिकोणीय (B) Triangles | (ग) आयताकार (C) Rectangles

एक संकेत के प्रयोजन को सिद्ध करने में उसका रंग सहायक होता है। नीले रंग के गोलाकार संकेत आदेशात्मक अनुदेश प्रस्तुत करते हैं, जैसे "बायें मुड़ें" आदि। नीले आयताकारों का प्रयोग सूचनात्मक संकेतों के लिए किया जाता है। सभी त्रिकोणीय संकेत लाल रंग के होते हैं।

A further guide to the function of a sign is its colour. Blue circles give a mandatory instruction, such as "Compulsory Turn Left" etc. Blue rectangles are used for information signs. All triangular signs are red.

आकार व रंग के नियमों के कुछ अपवाद भी हैं, ताकि कुछ संकेतों को अधिक महत्व दिया जा सके। उदाहरण के लिए "रूकिए" तथा "मार्ग दें"।

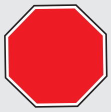

रूकिए
Stop

मार्ग दें
Give Way

There are a few exceptions to the shape and colour rules, to give certain signs greater prominence. Examples are the "STOP" and "GIVE WAY".

सड़क संकेतों को राजमार्गों व सड़कों के साथ में या उनके ऊपर स्थापित किया जाता है। यदि इन संकेतों को स्थापित करने का स्थान किसी दृश्य सहायक विचारधारा से नहीं किया जाता है तो ये संकेत मोटर चालकों के मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यमों के स्थान पर विनाशक हो सकते हैं। शब्दों के स्थान पर चित्रात्मक संकेतों का प्रयोग किया जाता है और यह सामान्यत् अंतर्राष्ट्रीय मानकों का परिणाम है।

इस पुस्तक में सभी सड़क संकेतों – आदेशात्मक, सावधानीसूचक तथा सूचनात्मक, को समेकित किया गया है और प्रत्येक संकेत का संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराया गया है। यह पुस्तक सभी सड़क प्रयोक्ताओं के लिए अत्यंत सहायक होगा, विशेष रूप से युवा वर्ग के लिए जिन्होंने सड़क का प्रयोग करना अभी आरंभ किया है, पैदल चलने वालों के रूप में या चालक के रूप में। यह आशा है कि इस समेकित पुस्तक का अध्ययन करने से हमें सड़क पर वाहन चलाते या अन्यथा सड़क का प्रयोग करते समय अधिक जिम्मेदार तथा सड़क सहिष्णु रूप से व्यवहार करने में मदद मिलेगी।

positioning of the signs is not supported by any visual considerations, these may become destructive rather than effective means of guiding the motorists. Pictorial signs are used as symbols in place of words to allow comprehension independent of the language of the region and are usually a result of international standards.

In this book, all the road signs – Mandatory; Cautionary and Informatory have been consolidated and a brief description of each sign has been provided. The book is expected to be useful to all road users, especially young ones who have started using roads either as pedestrians or drivers. It is hoped that going through this compendium would help us be become more responsible and road friendly while driving or otherwise using the road.

अध्याय/Chapter – 1.1

आदेशात्मक सड़क चिन्ह
Mandatory Road Signs

सड़क के निश्चित क्षेत्र में यातायात के लिए इन चिन्हों का पालन करना अनिवार्य है। ये चिन्ह दर्शाते हैं कि व्यक्ति को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। आम तौर पर आदेशात्मक चिन्ह गोल आकृति में और लाल किनारे वाले होते हैं। इनमें से कुछ नीले रंग में होते हैं। 'रूकिए' और 'रास्ता दीजिए' के चिन्ह आकृति में क्रमशः अष्टभुजाकार या त्रिकोणीय होते हैं। इन चिन्हों के उल्लंघन पर भारी जुर्माने या दंड का भुगतान करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनके उल्लंघन से बड़ी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं।

These signs are obligatory on the traffic which uses a specific are of road. These signs indicate what must one do, rather than must not do. Mandatory Road signs are generally round in shape with red border. Some of them are blue in colour. 'Stop' and 'Give Way' are octagen and triangular, respectively, in shape. Violation of these signs attract heavy fines and punishments. Importantly, violation of these could lead to major crashes also.

रुकिए Stop	रास्ता दीजिए Give Way	प्रवेश निषेध No Entry	आने वाले यातायात को प्राथमिकता Priority for Oncoming Traffic	सभी मोटर वाहनों का आना मना है All Motor Vehicles Prohibited	ट्रकों का आना मना है Truck Prohibited	बैलगाड़ियों और हाथठेलों का आना मना है Bullock & Hand Cart Prohibited	बैलगाड़ियों का आना मना है Bullock Cart Prohibited	तांगों का आना मना है Tongas Prohibited

हाथ ठेलों का आना मना है Hand Cart Prohibited	साइकिलों का आना मना है Cycle Prohibited	पदयात्रियों का आना मना है Pedestrians Prohibited	दाएं मुड़ना मना है Right Turn Prohibited	बाएं मुड़ना मना है Left Turn Prohibited	वापस मुड़ना (यू–टर्न) मना है U-Turn Prohibited	ओवरटेकिंग (आगे निकलना) मना है Overtaking Phohibited	हॉर्न बजाना मना है Horn Prohibited	चौड़ाई सीमा Width Limit

ऊंचाई सीमा Height Limit	लंबाई सीमा Length Limit	भार सीमा Load Limit	एक्सल भार सीमा Axle Load Limit	गति सीमा Speed Limit	गाड़ी खड़ी करना मना है No Parking	गाड़ी रोकना या खड़ा करना मना है No Stopping or Standing	बाएं मुड़ना अनिवार्य (दाएं यदि संकेत विपरीत है) Compulsory Turn Left (Right if Symbol is Reversed)	आगे चलना अनिवार्य (केवल आगे) Compulsory Ahead (Ahead only)

आगे चलकर दाएं मुड़ना अनिवार्य (बाएं यदि संकेत विपरीत है) Compulsory Turn Right Ahead (Left if Symbol is Reversed)	आगे चलना या दाएं मुड़ना अनिवार्य Compulsory Ahead or Turn Right	आगे चलना या बाएं मुड़ना अनिवार्य Compulsory Ahead or Turn Left	बाएं रहकर चलना अनिवार्य Compulsory Keep Left	अनिवार्य साइकिल मार्ग Compulsory Cycle Track	हॉर्न बजाना अनिवार्य Compulsory Sound Horn	अनिवार्य न्यूनतम गति Compulsory Minimum Speed	रोक समाप्ति चिन्ह Restriction Ends

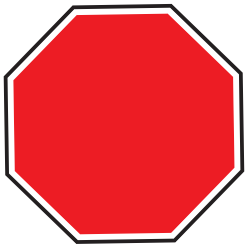

रुकिए / Stop

यह चिन्ह सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख सड़क चिन्हों में से एक है। यह चिन्ह दर्शाता है कि ड्राइवर वाहन को तत्काल रोक दे। आम तौर पर पुलिस, यातायात और पथ–कर प्रशासन इस चिन्ह को जांच–चौकियों पर लगाते हैं।

This is one of the most important and prominent Road Signs. This sign indicates that driver should immediately stop. Usually Police, traffic and toll authorities use this sign at check posts.

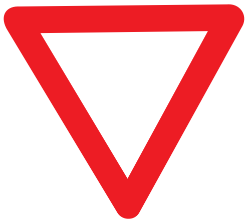

रास्ता दीजिए / Give Way

इस चिन्ह का प्रयोग गोलचक्कर पर किया जाता है जहां एक विशेष लेन अनुशासन का पालन किया जाना होता है। यह चिन्ह वाहनों को उनकी दायीं तरफ यातायात के दिए अन्य वाहनों को रास्ता देने का निर्देश देता है।

This sign is used at roundabouts where a specific lane discipline is to be followed. This sign directs the traffic to give way to the fellow traffic on your right side.

प्रवेश निषेध / No Entry

यह चिन्ह दर्शाता है कि यहां सभी वाहनों का प्रवेश निषेध है। एक क्षेत्र के कुछ भागों को यातायात के लिए प्रवेश निषेध के रूप चिन्ह किया जाता है। यह प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश या यातायात निषेध क्षेत्र हो सकता है। इसलिए, चालक को इसका पालन करना चाहिए और अपना मार्ग परिवर्तित कर लेना चाहिए।

This sign notifies that entry is prohibited for all vehicles. Certain pockets of an area or road are demarcated as 'no entry' areas for traffic. This could be entry to a restricted area or no-traffic zone. So the driver should obey it and divert his route.

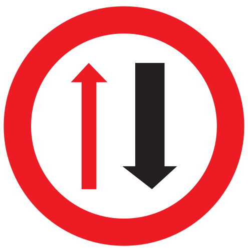

आने वाले यातायात को प्राथमिकता / Priority for Oncoming Traffic

सड़क के प्रवेश में यह संकेत दर्शाता है कि सामने से आने वाले यातायात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सड़क के एक संकरे भाग, जहां से आने व जाने वाले यातायात का एक साथ निकल पाना कठिन या असंभव हो वहां यातायात को प्राथमिकता के आधार पर संचलित करके नियंत्रित किया जाता है। इस प्रकार के विनियमन को एक दिशा में यातायात के संचालन को प्राथमिकता प्रदान करके किया जाता है न कि यातायात लाइट सिगनल लगा कर। यह संकेत उस ओर लगाया जाता है जिस ओर से कम प्राथमिकता वाला यातायात आता है। जिस और यह संकेत लगा हो वहां से आने वाला यातायात तभी निकलेगा जब सामने से कोई वाहन नहीं आ रहा हो।

This sign, at the entrance of road, indicates the priority should be given to oncoming traffic. At narrow section of road where passing is difficult or impossible, traffic is regulated by preferable movement. Such regulation is carried out by giving priority to traffic moving in one direction and not by installing traffic light signals. This sign is set up facing the traffic on the side which does not have priority. The traffic from the side where the sign is erected should move only when there is no oncoming traffic.

सभी मोटर वाहनों का आना मना है / All Motor Vehicles Prohibited

यह चिन्ह दर्शाता है कि इस निर्दिष्ट क्षेत्र में बाहरी या भीतरी वाहन नहीं चलाए जाएंगे। इस क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने के लिए ऐसा किया जाता है। पदयात्रियों के उपयोग वाले क्षेत्रों में भी इस चिन्ह का इस्तेमाल किया जाता है।

This sign signifies that there should be no movement of traffic in the designated area either from outside or within. This is used to decongest the area. It is also used at pedestrian areas.

ट्रकों का आना मना है / Truck Prohibited

जैसा कि चिन्ह से स्पष्ट है, निर्दिष्ट क्षेत्र में ट्रक या भारी मोटर वाहनों (एचएमवी) का प्रवेश वर्जित है। ये वे संकरे रास्ते या भीड़–भाड़ वाले क्षेत्र हो सकते हैं, जहां भारी मोटर वाहनों के प्रवेश से यातायात के सुगम प्रवाह में बाधा पहुंच सकती है।

As sign itself speaks the area designated is a no entry zone for Trucks or HMV. These could be narrow lanes or congested areas where entry of heavy transport vehicle could obstruct smooth flow of traffic.

बैलगाड़ियों और हाथठेलों का आना मना है / Bullock & Hand Cart Prohibited

यह चिन्ह दर्शाता है कि इस सड़क पर बैलगाड़ियों और हाथ–ठेलों को चलाना वर्जित है। धीमी गति से चलने वाली ये गाड़ियां और ठेले कई बार यातायात के सुगम प्रवाह में बाधा उत्पन्न करते हैं।

This sign indicates that the road has been prohibited for plying of Bullock & Hand Carts. These slow moving carts many a times hinder the smooth flow of traffic.

बैलगाड़ियों का आना मना है / Bullock Cart Prohibited

धीमी गति वाले वाहन कई बार यातायात के सुगम प्रवाह में बाधक बनते हैं। इसलिए, कुछ क्षेत्रों को सीमांकित कर उनमें बैलगाड़ियां चलाने की अनुमति नहीं दी जाती है।

The slowest form of transport many a times becomes obstruction to the free flow of traffic hence certain zones have been demarcated where bullock carts are not allowed to ply.

तांगों का आना मना है / Tongas Prohibited

कुछ समय पहले तक परिवहन के लोकप्रिय साधन के रूप में तांगों या घोड़ा गाड़ियों का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन, परिवहन के नए और तेज साधनों के प्रचलन के साथ तांगे और घोड़ा गाड़ियां यातायात के सुगम प्रवाह में बाधक बन जाते हैं। इसलिए, अनेक क्षेत्रों व सड़कों पर इन्हें चलाने पर रोक लगा दी गई है।

Tongas or Horse carts were extensively used as a popular means of transport in recent past. With the advent of new and faster means of transport this vehicle becomes hurdle in the smooth traffic flow. Certain areas/roads have been prohibited for Tongas.

हाथ ठेलों का आना मना है / Hand Cart Prohibited

यह चिन्ह दर्शाता है कि निर्धारित सड़क पर हाथ ठेले चलाने पर रोक है क्योंकि ये यातायात के तेज प्रवाह में बाधक बनते हैं।

This sign indicates that the Hand Cart is prohibited on the demarcated road as it would hinder the flow of fast moving traffic.

साइकिलों का आना मना है / Cycle Prohibited

साइकिल–सवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ सड़कों पर, जहां तेज गति से वाहन चलते हैं, साइकिल चलाने पर रोक लगा दी जाती है। इसलिए, साइकिल–सवारों को उन सड़कों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, जहां यह चिन्ह लगा हो।

In order to ensure the safety of cyclists certain roads which are meant for fast moving vehicles are prohibited for cyclists. So the cyclists should not use the roads where this sign has been installed.

पदयात्रियों का आना मना है / Pedestrians Prohibited

यह चिन्ह संबंधित सड़क या निकटवर्ती क्षेत्र में पदयात्रियों की आवाजाही पर रोक को दर्शाता है। यह वह रास्ता या राजमार्ग हो सकते हैं, जहां तेज गति से वाहन चलते हैं। यह चिन्ह चौराहे (इंटरसेक्शन) पर हो सकता है, जहां रास्ता पार करने के लिए सबवे (तलमार्ग), फुटओवर–ब्रिज (पैदल पार करने का ऊपरी पुल) आदि जैसी सड़क पार करने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई हो।

This sign restricts the movement of pedestrians on road or the adjoining area. This could be lane for fast moving vehicles, highways etc. This could be installed at intersection where alternate crossing arrangements like underpass, foot over-bridge etc are there for crossing the road.

दाएं मुड़ना मना है / Right Turn Prohibited

यह चिन्ह चालक को निर्देश देता है कि वह किसी भी परिस्थिति में दाएं न मुड़ें।

This sign directs driver not to turn towards right side in any circumstance.

बाएं मुड़ना मना है / Left Turn Prohibited

यह चिन्ह चालक को निर्देश देता है कि वह किसी भी परिस्थिति में बाएं न मुड़े।

This sign indicates that left turn is prohibited.

वापस मुड़ना (यू–टर्न) मना है / U-Turn Prohibited

सड़क के कुछ व्यस्त चौराहों (इंटरसेक्शन) पर यह चिन्ह देखा जा सकता हैं। इन चौराहो पर वापस मुड़ने (यू–टर्न) से बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं या यातायात जाम लग सकता है। जुर्माने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए ड्राइवर को चाहिए कि वह इस चिन्ह का उल्लंघन न करे।

This sign can be seen at some of the busy intersections on roads. The U-turn at these intersection could result in major crashes or traffic jams. The driver should not violate this sign to avoid fine and any untoward incident.

ओवरटेकिंग (आगे निकलना) मना है / Overtaking Prohibited

राजमार्गों और ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के साथ वाहनों की गति में कई गुना वृद्धि हुई है। इसलिए, सड़क पर ड्राइविंग करते हुए समय बचाने के लिए आगे निकलने (ओवरटेकिंग) की कोशिश की जाती है। लेकिन, कुछ स्थानों पर जहां संकरी सड़क, पुल और मोड़ इत्यादि होते हैं वहां पर ओवरटेकिंग करना खतरनाक हो जाता है। इन स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह चिन्ह लगाकर आगे निकलना वर्जित किया जाता है।

With advancement in highways and automobile technology speed of vehicles has increased. With this, overtaking has become very crucial on road. Place where the roads are narrow, at bridges, at turns, overtaking becomes dangerous. At these places this sign is installed which prohibits overtaking ensuring safety.

हॉर्न बजाना मना है / Horn Prohibited

आधुनिक समाज में अत्यधिक और अनावश्यक रूप से हॉर्न बजाना असभ्य व्यवहार माना जाता है। लेकिन, अस्पतालों और स्कूलों आदि के आसपास मौन क्षेत्र होते हैं, जहां हॉर्न बजाना पूरी तरह वर्जित है। यह चिन्ह ड्राइवर को मौन क्षेत्र का पालन करने और हॉर्न न बजाने का निर्देश देता है।

Excessive and unnecessary honking is treated as unruly behaviour in modern society. However, there are silence zones where honking is completely prohibited such as near hospitals, schools etc. This sign directs driver to respect the silence zone and not to use horn.

चौड़ाई सीमा / Width Limit

यह चिन्ह उस वाहन की चौड़ाई दर्शाता है, जिसे चिन्ह के स्थान के पार जाने के क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति दी जाती है। इस क्षेत्र में 2 मीटर से ज्यादा चौड़ाई वाले वाहन के प्रवेश पर रोक होती है। यह कोई पुल या संकरा रास्ता हो सकता है।

This sign indicates the width of the vehicle, which is allowed to enter the zone beyond it. The vehicle with width above 2 meters is restricted to enter this zone. This could be a bridge or a narrow lane.

ऊंचाई सीमा / Height Limit

कुछ सड़कें कम ऊंचाई के पुलों, रेलवे लाइनों आदि के नीचे होती हैं। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन वाहन की उस ऊंचाई को दर्शाता है, जो आसानी से पुल के नीचे से गुजर सके। दुर्घटना और दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए निर्दिष्ट ऊंचाई सीमा का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

There are certain roads which pass under bridges, railway lines etc. of low height. To avoid any untoward incident authorities earmark height of vehicle which can easily pass under the bridge. The specified limit should be strictly adhered to avoid crashes and penal action.

लंबाई सीमा / Length Limit

सड़क पर लगा यह चिन्ह दर्शाता है कि कितनी लंबाई का वाहन उस रास्ते से गुजर सकता है। यह चिन्ह तीव्र मोड़ या घुमावदार मोड़ पर लगाया जाता है। यह उन लंबे और बड़े आकार के वाहनों के लिए होता है जो सुरक्षित ढंग से मुड़ नहीं सकते।

This sign on road indicates that length of the vehicle, which can be manoeuvred through that passage. It could be a sharp turn, a hairpin bend etc. This is meant for long and oversized vehicles which cannot negotiate a safe turn.

भार सीमा / Load Limit

यह सड़क चिन्ह उस वाहन की भार सीमा के बारे में होता है, जो सड़क पर आगे जा सकते हैं। यह चिन्ह इंगित करता है कि 5 टन से अधिक भार का वाहन सड़क पर आगे नहीं जा सकता क्योंकि वहां कोई पुल हो सकता है, जो 5 टन से अधिक भार सहन नहीं कर सकता है या वाहन का भार सहने में सड़क कमजोर है।

This road sign limits the load of the vehicle which should ply on the road further. This sign indicates that a vehicle weighing more than 5 tonnes cannot use the road further as there may be a bridge which cannot bear the weight beyond 5 tonnes or the road is soft to accommodate the weight of the vehicle.

एक्सल भार सीमा / Axle Load Limit

आम तौर पर किसी पुल से पहले यह चिन्ह लगाया जाता है। यह पुल की वहन क्षमता को दर्शाता है। इस चिन्ह की भार सीमा 4 टन है। यह दर्शाता है कि सिर्फ 4 टन या उससे कम एक्सल भार वाले वाहन इस पुल से गुजर सकते हैं।

This sign is usually installed before a bridge. It indicates the load that a bridge can bear. The limit of this sign is 4 tonnes which indicates that only vehicles with axle load of 4 tonnes or less can pass over the bridge.

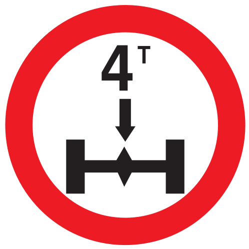

गति सीमा / Speed Limit

यह चिन्ह वाहन की गति सीमा निर्धारित करता है, जो सड़क पर लगे यातायात चिन्ह में दर्शायी जाती है। दंडात्मक कार्यवाही और सड़क पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए निर्धारित गति सीमा का हमेशा पालन करना चाहिए।

This sign designates the speed of traffic on road. The limit specified must be invariably followed to avoid penal action and crashes on the road.

गाड़ी खड़ी करना मना है / No Parking

बड़े शहरों में यह चिन्ह अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह निर्धारित क्षेत्र में किसी भी वाहन को खड़ा करने को निषिद्ध करता है। इस क्षेत्र में खड़े किए गए किसी भी वाहन को उठाकर ले जाया जाएगा और वाहन के मालिक/ड्राइवर के खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जा सकती है। इसलिए, ड्राइवरों को अपने वाहन सिर्फ अधिकृत पार्किंग क्षेत्र में ही पार्क करना चाहिए।

This sign is very significant in major cities. It prohibits parking of a vehicle in the designated area. Any vehicle parked here is towed away and occupant/driver is liable to penal action. Therefore, drivers should park their vehicle in authorized parking areas only.

गाड़ी रोकना या खड़ा करना मना है / No Stopping or Standing

कुछ सड़कों पर यातायात का लगातार प्रवाह रहता है और वहां किसी एक भी वाहन के रूक जाने पर यातायात का पूरा प्रवाह प्रभावित हो जाता है। इन क्षेत्रों में 'गाड़ी को रोकना मना है' के चिन्ह लगाए जाते हैं। इन जगहों पर वाहन रोकने या खड़ा करने पर दुर्घटना हो सकती है और दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

Some roads demand continuous flow of traffic and stopping of one vehicle disrupt the whole traffic flow. At these areas 'No Stopping' signs are installed. Any vehicle stopping at these places could meet an crash and also a penal action.

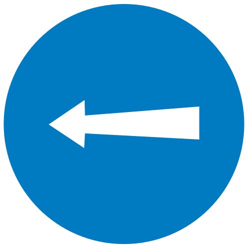

बाएं मुड़ना अनिवार्य (दाएं यदि संकेत विपरीत है)/ Compulsory Turn Left (Right if Symbol is Reversed)

इस चिन्ह को देखने के बाद ड्राइवर को अपना वाहन बाएं मोड़ना होगा। मार्ग परिवर्तन (डायवर्जन) के कारण यह चिन्ह लगाया जाता है।

One has to turn towards left after seeing this sign. This may have been installed due to diversion.

आगे चलना अनिवार्य (केवल आगे)/ Compulsory Ahead (Ahead Only)

यह चिन्ह दर्शाता है कि यातायात सीधी दिशा में चलना चाहिए और किसी भी तरफ मुड़ने पर दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है या सुरक्षा का खतरा हो सकता है।

This sign indicates the traffic should move in straight direction and turning to either side would lead to penal action and safety hazard.

आगे चलकर दाएं मुड़ना अनिवार्य (बाएं यदि संकेत विपरीत है)/ Compulsory Turn Right Ahead (Left if Symbol is Reversed)

यह चिन्ह ड्राइवर को सिर्फ दाएं मुड़ने का निर्देश देता है। इस संकेत का पालन करने से सुरक्षित और सुगम ड्राइविंग का मार्ग प्रशस्त होता है।

This sign directs the driver to turn right only. Obeying this sign will lead to safety and hassle free drive.

आगे चलना या दाएं मुड़ना अनिवार्य / Compulsory Ahead or Turn Right

यह चिन्ह यातायात को सीधे चलने या दाएं मुड़ने का निर्देश देता है। बाएं मुड़ना वर्जित है।

This sign directs the traffic to either move straight or take right turn. Turning towards left is prohibited.

आगे चलना या बाएं मुड़ना अनिवार्य / Compulsory Ahead or Turn Left

यह चिन्ह यातायात को सीधे चलने या बाएं मुड़ने का निर्देश देता है। दाएं मुड़ना वर्जित है। इस चिन्ह के उल्लंघन पर आपकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है और दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

This sign directs the traffic to either move straight or take left turn. Turning towards right is prohibited. Violation of these sign may jeopardize your safety and may also lead to penal action.

बाएं रहकर चलना अनिवार्य / Compulsory Keep Left

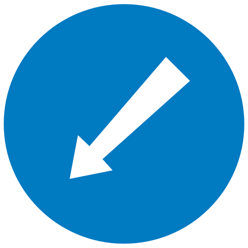

यह चिन्ह निर्देश देता है कि यातायात के सुगम प्रवाह के लिए ड्राइवर बाएं रहकर गाड़ी चलाएं। यह चिन्ह मुख्यतः उन सड़कों पर लगाया जाता है, जहां बीच में विभाजक (डिवाइडर) नहीं होता और उसी सड़क पर दुतरफा यातायात प्रवाह रहता है।

This sign indicates that the driver should drive in left lane for smooth traffic flow. This sign is installed mainly on the roads which do not have divider in between and two way traffic flows on the same road.

अनिवार्य साइकिल मार्ग / Compulsory Cycle Track

अनिवार्य साइकिल मार्ग संकेत दर्शाता है कि साइकिल चालक को अनिवार्य रूप से इस मार्ग का प्रयोग करना चाहिए। यह संकेत यह भी दर्शाता है कि इस मार्ग पर साइकिल के संचलन के अतिरिक्त किसी अन्य वाहन का संचलन प्रतिबंधित है।

Compulsory cycle track signifies that cyclists should compulsorily use this track. It also restricts the movement of any traffic accept cyclist of the track.

हॉर्न बजाना अनिवार्य / Compulsory Sound Horn

कुछ ऐसी परिस्थितियां होती हैं, जब हॉर्न बजाना अनिवार्य होता है। अचानक मोड़ (ब्लाइंड टर्न) आने पर, खासकर पहाड़ी रास्तों में, मुड़ने से पहले हॉर्न बजाना एक सुरक्षित उपाय है। इसलिए, आप जब कभी यह चिन्ह देखें तो सामने से आ रहे यातायात को सड़क पर आपकी मौजूदगी की जानकारी देने के लिए हॉर्न अवश्य बजाएं।

There are some conditions when blowing horn becomes compulsory. While manoeuvering a blind turn especially in hilly roads blowing horn before turn is one of the safety measures. Whenever you see this sign blow horn to let oncoming traffic know your presence on road.

अनिवार्य न्यूनतम गति / Compulsory Minimum Speed

यह चिन्ह दर्शाता है कि जिस स्थान पर यह चिन्ह लगा हुआ है वहां प्रवेश करने के पश्चात चालक वाहन को निर्धारित गति पर ही चलाएगा। इस संबध में दंडात्मक कार्रवाई तथा सड़क दुर्घटना से बचने के लिए अनिवार्य रूप से निर्धारित गति का अनुपालन किया जाना चाहिए।

This sign indicates that vehicles using the Road, at the entrance to which the sign is placed shall travel at the specified speed. The limit specified must be invariably followed to avoid penal action and crashes on the road.

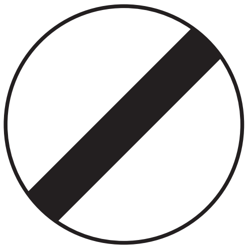

रोक समाप्ति चिन्ह / Restriction Ends

चिन्ह के जरिए सड़क पर दर्शाई गई कोई भी रोक यहां समाप्त होती है। यह चिन्ह दर्शाता है कि चिन्ह / चिन्हों द्वारा लगाई गई रोक इस बिन्दु के पार वैध नहीं है। लेकिन, ड्राइवरों को आत्म–संतुष्ट नहीं होना चाहिए और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा के सभी उपाय अपनाने चाहिए।

Any restriction conveyed through sign on road ends here. This sign indicates that the restriction imposed by the sign/signs is no more valid beyond this point. However, drivers should not be complacent and take care of all safety measure to avoid crashes.

अध्याय/Chapter – 1.2

सचेतक सड़क चिन्ह
Cautionary Road Signs

ये चिन्ह ड्राइवर को आगे की सड़क पर खतरों/परिस्थितियों के बारे में चेतावनी देने के लिए होते हैं। अपनी सुरक्षा के लिए ड्राइवर को इनका पालन करना चाहिए। हालांकि इन सड़क चिन्हों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही नहीं की जाती है, किन्तु ये चिन्ह अत्यंत महत्वपूर्ण हैं इसलिए इनकी उपेक्षा करने से बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। सचेतक चिन्ह त्रिकोणीय आकृति में और लाल किनारे वाले होते हैं।

These signs are meant to caution the driver about the hazards/situation lying ahead on the road. The driver should obey these for his safety. Though violation of these Road sign do not attract any legal action, they are very important for the fact that avoiding them could result in major crashes. Cautionary signs are triangular in shape with red border.

दाहिना मोड़ / Right Hand Curve

यह चिन्ह आपको आगे की सड़क पर एक दाहिने मोड़ के बारे में सचेत करता है। यह आपको स्थिति के अनुसार गाड़ी चलाने और अचानक मोड़ दिखने पर दुर्घटना की संभावना से बचने में सहायक होता है।

This sign cautions you about a Right Hand Curve on the road ahead. This helps you in maneuvering vehicle accordingly and nullifies the possibility of crash due to sudden appearance of turn.

बायां मोड़ / Left Hand Curve

यह चिन्ह आपको आगे की सड़क पर एक बाएं मोड़ के बारे में सचेत करता है। तदनुसार यह भी आपको गाड़ी चलाने में मददगार होता है। इससे आपको अपनी गाड़ी की गति धीमी करने और मोड़ पर नजर रखने का समय मिलता है। यह भी अचानक मोड़ दिखने पर दुर्घटना की संभावना को कम करता है।

This sign cautions you about a Left Hand Curve on the road ahead. This also helps you in maneuvering vehicle accordingly. You get time to slow your speed and set your eyes on the curve. It also reduces the possibility of crash due to sudden appearance of turn.

दाहिना घुमावदार मोड़ / Right Hair Pin Bend

कैंची मोड़ यानी तीव्र मोड़ विशेष रूप से पहाड़ी सड़कों पर होते हैं। यह चिन्ह आपको आगे की सड़क पर एक तीव्र दाहिने मोड़ के बारे में आगाह करता है। इससे वाहन को मोड़ने के लिए उसकी गति को कम करने का समय मिल जाता है और ड्राइवर मुड़ने के लिए सतर्क हो जाता है। इस चिन्ह के न होने पर बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती है क्योंकि पहाड़ी सड़को पर तीव्र मोड़ आसानी से नज़र नहीं आते।

Hair Pin Bends are sharp turns especially on hilly roads. This sign cautions you about a sharp right turn on the road ahead. It gives time to reduce the speed to manage the turn and also sets eyes of the driver on turn. Absence of this sign could lead to major crashes as sharp bends in hilly road don't get sighted easily.

बायां घुमावदार मोड़ / Left Hair Pin Bend

यह चिन्ह आपको आगे की सड़क पर एक तीव्र बाएं मोड़ के बारे में आगाह करता है। यह चिन्ह पहाड़ी सड़कों पर अवश्य लगाया जाता है। इससे वाहन के मुड़ने के लिए उसकी गति को कम करने का समय मिलता है और ड्राइवर मुड़ने के लिए सतर्क हो जाता है। इस चिन्ह के न होने पर बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं क्योंकि पहाड़ी सड़कों पर तीव्र मोड़ आसानी से नज़र नहीं आते।

This sign cautions you about a sharp left turn on the road ahead. These are essentially erected on hilly roads. It gives time to reduce the speed to manage the turn and also sets eyes of the driver on turn. Absence of this sign could lead to major crashes as sharp bends in hilly road don't get sighted easily.

दाहिने मुड़कर फिर आगे / Right Reverse Bend

यह सड़क चिन्ह आगे की सड़क के वास्तविक डिजाइन, अर्थात जेडनुमा आकार के रास्ते को दर्शाता है। यह ड्राइवर को दाहिनी तरफ टेढ़े–मेढ़े रास्ते के बारे में आगाह करता है। इस चिन्ह को देखने पर ड्राइवर को चाहिए कि वह वाहन की गति कम करे और वाहन को सतर्कता से आगे बढ़ाए।

This road sign indicates the actual design i.e a sort of Z formation of the road ahead. It cautions the driver about the zig zag turn towards Right. The driver should reduce the speed at the sight of this sign and maneuver the vehicle cautiously.

बाएं मुड़कर फिर आगे / Left Reverse Bend

यह सड़क चिन्ह आगे की सड़क के वास्तविक डिजाइन, अर्थात जेडनुमा आकार के रास्ते को दर्शाता है। यह ड्राइवर को बाईं तरफ टेढ़े–मेढ़े रास्ते के बारे में आगाह करता है। इस चिन्ह को देखने पर ड्राइवर को चाहिए कि वह वाहन की गति कम करे और वाहन को सतर्कता से आगे बढ़ाए।

This road sign indicates the actual design i.e a sort of Z formation of the road ahead. It cautions the driver about the zig zag turn towards Left. The driver should reduce the speed at the sight of this sign and maneuver the vehicle cautiously.

खड़ी चढ़ाई / Steep Ascent

यह सड़क चिन्ह दर्शाता है कि आगे के रास्ते पर खड़ी चढ़ाई है एवं ड्राइवर खड़ी चढ़ाई के लिए तैयार हो जाए और संबंधित गियर लगा ले। अधिकतर मामलों में पहाड़ी सड़कों पर ये चिन्ह लगाए जाते हैं, जहां सफर में खड़ी चढ़ाई और सीधी ढलान सामान्य बात होती है।

This road sign indicates that there is steep ascent ahead and driver should get ready to climb and put the vehicle in relevant gear. Most of the times, these signs are found on hilly road where steep ascent and descent are normal part of travel.

सीधी ढलान / Steep Descent

यह सड़क चिन्ह दर्शाता है कि आगे के रास्ते पर सीधी ढलान है एवं ड्राइवर संबंधित गियर लगाकर सीधी ढलान पर वाहन चलाने के लिए तैयार हो जाए। सीधी ढलान पर गाड़ी चलाने के लिए वाहन की गति तेज नहीं रखनी चाहिए क्योंकि वाहन पर पकड़ कमजोर पड़ जाती है। अधिकतर मामलों में पहाड़ी सड़कों पर ये चिन्ह लगाए जाते हैं, जहां सफर में खड़ी चढ़ाई और सीधी ढलान सामान्य बात होती है।

This road sign indicates that there is steep descent ahead and driver should get ready to descent by putting the vehicle in relevant gear. One should not try to speed up on descent as it loosens the grip on vehicle. Most of the times, these signs are found on hilly road where steep ascent and descent are normal part of travel.

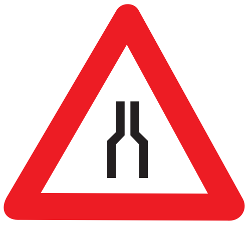

आगे रास्ता संकरा है / Narrow Road Ahead

जब सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और वह किसी संकरे रास्ते से मिल जाती है तो तेज गति से चलने वाले वाहन के सामने से आ रहे वाहन से टकराने की संभावना रहती है। यह चिन्ह ड्राइवर को सतर्क रहने का संकेत देता है क्योंकि आगे का रास्ता संकरा है।

When the width of the road decreases and the road merges into a narrow road, there is a possibility that a speeding vehicle may collide with oncoming traffic. This sign cautions the driver to be careful as the road ahead is narrow.

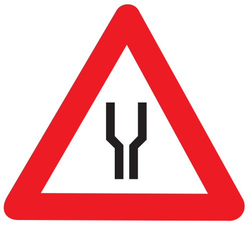

आगे रास्ता चौड़ा है / Road Widens Ahead

यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे का रास्ता चौड़ा है। इस चिन्ह के बाद सड़क चौड़ी होती है और इस प्रकार, यातायात को उसी के अनुसार चलना चाहिए।

This sign signifies that the road ahead is wide. The width of the road widens after this sign and thus traffic should adjust accordingly.

संकरा पुल / Narrow Bridge

कई बार सड़क किसी ऐसे पुल के साथ मिलती है, जो सड़क से कम चौड़ा होता है। यह चिन्ह ऐसे पुलों से पहले लगाया जाता है, जो सड़क की तुलना मे संकरे होते हैं। ड्राइवर को चाहिए कि वह गति कम करे और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए सामने से आ रहे यातायात पर नज़र रखे।

Sometimes road converges to a bridge which is of less width than that of road. This sign is erected before such bridges which are narrower than the road. The driver should reduce the speed and watch for oncoming traffic for safe drive.

फिसलन–भरी सड़क / Slippery Road

यह चिन्ह आगे की सड़क की फिसलन–भरी स्थितियों को दर्शाता है। इन स्थितियों का कारण जल रिसाव या तेल का फैलना आदि हो सकता है। यह चिन्ह दिखने पर चालक सदैव दुर्घटना से बचने के लिए अपने वाहन की गति कम करे।

This sign indicates the slippery condition of the road ahead. This condition could be due to seepage of water or oil spill etc. The driver should invariably slow down the vehicle at sight of this sign to avoid crash.

सुरक्षा ना केवल एक नारा, बल्कि है यह जीवन की एक धारा

बिखरी बजरी / Loose Gravel

यह चिन्ह आम तौर पर पहाड़ी सड़कों पर लगाया जाता है, जहां सड़कों पर धूल–मिट्टी या बजरी गिरती रहती है। यह चिन्ह दिखने पर ड्राइवरों को धीमी गति से और सावधानीपूर्वक वाहन चलाना चाहिए क्योंकि यहां थोड़ी सी लापरवाही से भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

This sign is usually erected on hilly roads where loose earth or gravel keeps on falling on the road. Driver should drive slowly and carefully after this sign as little carelessness can cause major crashes here.

साइकिल क्रॉसिंग / Cycle Crossing

यह सड़क चिन्ह दर्शाता है कि चौराहे की मुख्य सड़क पर एक साइकिल पथ है या साइकिल चालक इस पथ का निरंतर प्रयोग करते हैं। ड्राइवर को सावधानीपूर्वक चौराहा (इंटरसेक्शन) पार करना चाहिए ताकि साइकिल सवार सुरक्षित ढंग से मुख्य सड़क पार कर सकें।

This road sign indicates that there is a cycle path intersecting the major road or is frequented by cyclists. The driver should carefully cross this intersection so that cyclist could cross the major road safely.

पैदल क्रॉसिंग / Pedestrian Crossing

पदयात्री यातायात का बादशाह होता है। यह चिन्ह ड्राइवर को आगाह करता है कि वह वाहन की गति धीमी कर दे या उसे रोक दे और पदयात्रियों को रास्ता पार करने दे। सड़क का एक भाग सफेद पटि्टयों के रूप में चिन्हित किया जाता है, जिसे जेब्रा क्रॉसिंग के नाम से जाना जाता है। सड़क के जेब्रा क्रॉसिंग पर पदयात्रियों का पहला अधिकार होता है।

Pedestrian is the king of traffic. This sign cautions the driver to either slow down or stop the vehicle and allow the pedestrian to cross the road. The part of road is also demarcated in white strips known as zebra crossing. At zebra crossing the Pedestrian has first right on the road.

आगे स्कूल है / School Ahead

यह सड़क चिन्ह दर्शाता है कि आगे/आसपास कोई स्कूल है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए ड्राइवर द्वारा वाहन की गति धीमी रखना और सावधानी से गाड़ी चलाना जरूरी है। बच्चे अक्सर दौड़कर या अचानक हड़बड़ी में सड़क पार करते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए ड्राइवर हमेशा स्कूल के नजदीक सावधानी से वाहन चलाएं।

This road sign indicates that there is a school ahead/nearby. Driver is required to slow down the vehicle and drive carefully to avoid crashes. Children often try to cross the road by running or make unprecedented moves. So for their safety always drive carefully near school.

यातायात संकेतक / Traffic Signal

यह संकेत दर्शाता है कि यह सड़क तीन रंग वाली बत्ती सिगनल से प्रचालित है क्योंकि चालक कुछ सड़कों पर इस प्रकार की व्यवस्था का अनुमान नहीं लगा पाते।

This sign on road indicates that this road is regulated by three-colour light signals, as driver may not expect such section of some roads.

पशु / Cattle

यह चिन्ह दर्शाता है कि वहां सड़क पर पशुओं के भटकते हुए घूमने की बहुत संभावनाएं हैं। सड़क पर पशुओं के घूमने से बड़ी दुर्घनाएं हो सकती है क्योंकि यातायात में जानवर के भड़कने का खतरा रहता है। इसलिए, जहां कहीं यह चिन्ह देखें, सावधानी से गाड़ी चलाएं।

This sign indicate that there is great possibility of cattle straying on the road. Cattle on road can cause major crashes as animal reacts unpredictably in traffic. So drive carefully wherever you see this sign.

नौका / Ferry

कुछ स्थानों पर पुल की व्यवस्था किए बिना सड़कें नदी के साथ जोड़ी जाती हैं। चूँकि नदी सड़क को विभाजित करती है इसलिए नौका सेवा के जरिए इन सड़कों को जोड़ा जाता है। यह चिन्ह दर्शाता है कि वहां नदी पार करने के लिए नौका सेवा उपलब्ध है।

Some times roads are intersected by the river without the provision of bridge. These roads are connected through ferry service. This sign indicates that there is a ferry service available to cross the river.

पत्थर लुढ़कने की संभावना / Falling Rocks

तीव्र जलवायु में भूस्खलन के दौरान पहाड़ी रास्तों पर पत्थर / चट्टानें गिरती रहती हैं। यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे के रास्ते पर पत्थर / चट्टानें गिरने का खतरा है। दुर्घटना से बचने के लिए ड्राइवर को सावधानी से वाहन चलाना चाहिए।

In hilly roads the rocks fall on road during landslides in extreme climates. This sign shows that the road ahead is prone to such falling of rocks and driver should drive carefully to avoid crash.

खतरनाक गहराई / Dangerous Dip

यह चिन्ह आगाह करता है कि आगे के रास्ते पर गहराई है। यह चिन्ह ड्राइवर को सड़क का गहरा हिस्सा पार करने के लिए वाहन की गति धीमी रखने में सहायक होता है।

This sign cautions that there is a dip on road ahead. This sign helps driver to reduce the speed to cross the plunge on road.

उभार या ऊबड़–खाबड़ सड़क / Hump or Rough Road

कुछ स्थानों में सड़क पर एक उभार होता है, जो यातायात को धीमा करने के लिए जान–बूझकर बनाया जाता है। यह चिन्ह ड्राइवर को आगाह करता है कि वह इस उभार को पार करने के लिए वाहन की गति कम करे।

Sometimes there is a hump on road intentionally created for slowing the traffic. This sign cautions the driver that he should reduce the speed to cross the hump comfortably.

आगे अवरोध है / Barrier Ahead

कई बार सड़क पथ–कर वसूली केंद्र / जांच चौकी से होकर गुजरती है। ऐसे स्थानों पर अवरोध देखे जा सकते हैं। यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे की सड़क पर अवरोध है और वहाँ वाहनों को रुकना पड़ेगा।

Many a times the road passes through toll collection point/check posts etc. One can find barriers on such places. This sign indicates that there is a barrier ahead on the road and vehicle has to stop there.

मध्य पट्टी में अंतर / Gap in Median

यह चिन्ह दर्शाता है कि सड़क के 'डिवाइडर' (विभाजक) में एक 'गैप' है और वहां यू–टर्न (वापस मुड़ने) की व्यवस्था की गई है। दुर्घटना से बचने के लिए ड्राइवर को चाहिए कि वह वाहन की गति धीमी करे और संबंधित लेन पर उसे ले जाए।

This sign indicates that there is a gap in the divider of a road and there is a provision of U-turn. The driver should slow and take relevant lane to avoid any crash.

चौराहा / Cross Road

यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे के रास्ते पर क्रॉसिंग है। यह चिन्ह सलाह देता है कि वाहन की गति धीमी करें और दोनों तरफ देखते हुए सावधानी से चौराहा पार करें।

This sign indicates that there is a crossing of roads ahead. This sign indicates that the vehicle should be slowed and intersection should be crossed cautiously by looking on both sides.

बायीं ओर पार्श्व सड़क / Side Road Left

यह संकेत मार्ग देने वाले संकेतों के समूह से है। यह संकेत विशिष्ट दर्शाता है कि वहां बायीं ओर साइड सड़क हैं। साइड सड़क का प्रयोक्ता यातायात का मार्ग देगा। यह संकेत रास्ता दीजिए संकेत के साथ साइड सड़क पर लगाया जाता है।

This sign belongs to the family of Give Way signs. This particular sign indicates that there is side road on left. This sign is used in conjunction with a give way sign on the side road.

दाहिनी ओर पार्श्व सड़क / Side Road Right

यह संकेत मार्ग देने वाले संकेतों के समूह से है। यह संकेत विशिष्ट दर्शाता है कि वहां दायीं ओर साइड सड़क है। साइड सड़क का प्रयोक्ता यातायात को मार्ग देगा। यह संकेत रास्ता दीजिए संकेत के साथ साइड सड़क पर लगाया जाता है।

This sign belongs to the family of Give Way signs. This particular sign indicates that there is side road on right. This sign is used in conjunction with a give way sign on the side road.

वाई – सड़क संगम / Y - Intersection

यह सड़क चिन्ह आगे की सड़क की वास्तविक बनावाट की जानकारी देता है। यह सड़क दो हिस्सों में विभाजित होकर अंग्रेजी के 'वाई' (y) अक्षर के आकार का है। इससे ड्राइवर को तिराहे पर गाड़ी मोड़ने में मदद मिलती है।

These road signs cautions about the actual formation of road ahead. The road is divided into two in the shape of y This helps driver in managing the intersection carefully.

वाई – सड़क संगम / Y - Intersection

यह सड़क चिन्ह आगे की सड़क की वास्तविक बनावाट की जानकारी देता है। यह सड़क दो हिस्सों में विभाजित होकर अंग्रेजी के 'वाई' (Y) अक्षर के आकार का है। इससे ड्राइवर को तिराहे पर गाड़ी मोड़ने में मदद मिलती है।

These road signs cautions about the actual formation of road ahead. The road is divided into two in the shape of y. This helps driver in managing the intersection carefully.

टी–तिराहा / T - Intersection

यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे की सड़क पर अंग्रेजी के 'टी' अक्षर की तर्ज पर तिराहा (इंटरसेक्शन) है और वहां सीधा रास्ता नहीं जाता है। यातायात को बायीं या दायीं ओर मोड़ना होगा। इससे ड्राइवर को अपने रास्ते की योजना बनाने में मदद मिलती है।

This sign cautions about that there is T-intersection on the road ahead and there is no forward movement. Traffic has to either turn left or right. This helps driver in planning his movement on road.

विषम सड़क संगम / Staggered Intersection

यह चिन्ह दर्शाता है कि सीधी सड़क पर बायीं / दायीं और दायीं / बायीं ओर मुड़ने के लिए मोड़ उपलब्ध हैं, जिनके बीच छोटी दूरी है। यह एक चौराहा (इंटरसेक्शन) है जहां सड़क एक दूसरे को नहीं काटती है।

These signs indicate that there is a left/right and right/left turn available on the straight road with small distance between them. It is an intersection which does not allow crossing of road.

गोल चक्कर / Round About

गोल चक्कर सड़क चौराहे का एक विकल्प होता है। इससे ट्रैफिक लाइट के बिना यातायात का सुगम प्रवाह रखा जा सकता है। यह चिन्ह दर्शाता है कि आगे गोल चक्कर है और गोल चक्कर से पहले ड्राइवर को संबंधित लेन पर गाड़ी चलानी होगी।

Round About is a substitute of a road intersection. It allows smooth flow of traffic without the aid of traffic lights. This sign cautions about that there is a round about ahead and the driver has to take relevant lane well before maneuvering the round about.

रक्षित समपार क्रासिंग / Guarded Level Crossing

कई बार रेलवे लाइन सड़क से क्रॉस करते हुए गुजरती है। यह चिन्ह दर्शाता है कि वहां एक रेलवे क्रॉसिंग है, जहां गार्ड सुरक्षा कर रहा है। ड्राइवर को अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए और तद्नुसार वाहन चलाना चाहिए। एक और दो लाल रंग की पट्टी यह दर्शाती है कि रेलवे लाइन 100 मी. या 200 मी. की दूरी पर है।

Many a times road intersects the railway line. This sign indicates that there is a Railway crossing which is guarded by a person. The driver should take extra precautions and act accordingly. Single or double red stripe indicates that the crossing is at 100 mtrs. or 200 mtrs. respectively.

मानवरहित समपार / Unguarded Level Crossing

यह चिन्ह दर्शाता है कि वहां एक रेलवे क्रॉसिंग है, जहां सुरक्षा के लिए कोई गार्ड तैनात नहीं है। ड्राइवर को स्वयं यह सुनिश्चित करने के बाद सावधानीपूर्वक इस अरक्षित रेलवे क्रॉसिंग को पार करना होगा कि निकटवर्ती रेल पटरी पर कोई ट्रेन नहीं आ – जा रही है। एक और दो लाल रंग की पट्टी यह दर्शाती है कि रेलवे लाइन 100 मी. या 200 मी. की दूरी पर है।

This sign indicates that there is a Railway crossing which is not manned by personnel. This unguarded railway crossing has to be crossed by driver himself very cautiously after ensuring that there is no train on the track near by single or double red stripe indicates that the crossing is at 100 mtrs. or 200 mtrs. respectively.

घाट या नदी का किनारा / Quayside or River Bank

यह संकेत दर्शाता है कि यह सड़क घाट या नदी के किनारे की ओर जा रही है। चालक को सावधान हो जाना चाहिए और सावधानीपूर्वक वाहन चलाना चाहिए।

This sign indicates that this road leads on to quay or river bank. Drivers should take care and drive cautiously.

आदमी काम कर रहे हैं / Men at Work

यह चिन्ह दर्शाता है कि सड़क पर मरम्मत या सफाई आदि कार्य चल रहा है व मजदूर कार्य कर रहे हैं। सड़क पर काम कर रहे लोगों की यातायात से सुरक्षा जरूरी है और इसीलिए, सड़क पर मरम्मत स्थल से पहले यह चिन्ह लगाया जाता है। ड्राइवर को चाहिए कि वह धीमी गति से वाहन चलाए और परिवर्तित मार्ग से गुजरते हुए मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

This sign shows that there is some repair/ cleaning etc. being undertaken on the road and workers are involved in it. People working on road need safety from the traffic and hence this sign is erected before the site of repair on road. The driver should drive slowly and carefully to ensure safety of the workers.

अध्याय/Chapter – 1.3

सूचनात्मक सड़क चिन्ह
Informatory Road Signs

इन चिन्हों को लगाने का उद्देश्य सड़क के प्रयोगकर्ताओं को दिशा, गंतव्य, स्थान, सड़क के किनारे पर सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी देना है। सूचनात्मक चिन्हों के अनुसरण से ड्राइवर का समय बचता है और इधर–उधर भटके बिना गंतव्य स्थान तक पहुंचने में मदद मिलती है। आम तौर पर ये चिन्ह ड्राइवर के सफर में मददगार होते हैं। सामान्य तौर पर ये चिन्ह नीले रंग में होते हैं। इन चिन्हों पर दिशा व गंतव्य तक की दूरी भी दर्शायी जाती है।

These signs are meant to provide information on direction, destination, roadside facilities, etc. to the road user. Following informative road signs helps a driver in saving time, reaching destination without wandering around. These signs are generally facilitators to the driver and signs are normally blue in colour. The sign may have direction arrow and also the distance of facility from the sign.

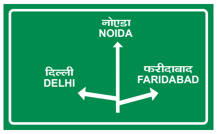

अग्रिम मार्गदर्शक गंतव्य चिन्ह
Advance Direction Sign

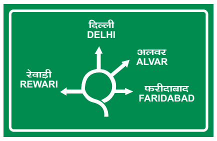

गोलचक्कर चौराहे पर अग्रिम गंतव्य का चिन्ह
Advance Destination Sign on Rotary Intersection

अग्रिम मार्गदर्शक गंतव्य चिन्ह (दूरी सहित)
Advance Direction Sign (with distances)

दिशा चिन्ह
Direction Sign

प्रमाणित चिन्ह
Confirmatory Sign

स्थान पहचान चिन्ह
Place Identification Sign

पेट्रोल पम्प
Petrol Pump

अस्पताल
Hospital

प्राथमिक उपचार केन्द्र
First Aid Post

भोजन स्थान
Eating Place

अल्पाहार (जलपान)
Light Refreshment

विश्राम स्थल
Resting Place

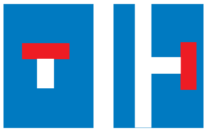
सड़क बंद है
No Thorough Road

बस स्टॉप
Bus Stop

रेलवे स्टेशन
Railway Station

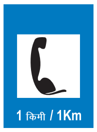

सार्वजनिक टेलीफोन
Public Telephone

आगे सुरंग है
Tunnel Ahead

पैदल पथ सबवे
Pedestrian Subway

दोनों दिशाओं में गाड़ी खड़ी करने की जगह
Park Both Sides

साइकिल खड़ी करने की जगह
Parking Lot Cycles

साइकिल रिक्शा खड़ा करने की जगह
Parking Lot Cycle Rickshaws

स्कूटर व मोटर साईकिलें खड़ी करने की जगह
Parking Lot Scooters & Motor Cycles

टैक्सियां खड़ी करने की जगह
Parking Lot Taxis

ऑटो रिक्शा खड़ा करने की जगह
Parking Lot Auto Rickshaws

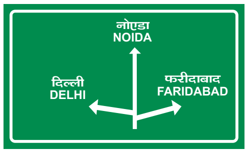

अग्रिम मार्गदर्शक गंतव्य चिन्ह / Advance Direction Sign

यह चिन्ह उस सड़क पर पड़ने वाले विभिन्न गंतव्यों (स्थानों) की दिशा को इंगित करता है। आम तौर पर चौराहे (इंटरसेक्शन) से पहले ये चिन्ह लगाए जाते हैं।

This sign indicates the direction to various destinations falling on that particular road. These signs are generally installed before intersections.

गोलचक्कर चौराहे पर अग्रिम गंतव्य का चिन्ह / Advance Destination Sign on Rotary Intersection

यह अग्रिम संकेत इंटरसेक्शन से पूर्व स्थापित किया जाता है जो तीर के चिन्हों से गंतव्य के मार्ग को दर्शाता है जिससे चालक को सही मार्ग के चयन में सहायता मिलती है।

This advance sign is erected before an intersection indicating the way to destination by arrows, facilitating the driver to ensure that he is on correct route.

अग्रिम मार्गदर्शक गंतव्य चिन्ह (दूरी सहित) / Advance Direction Sign (With Distances)

यह चिन्ह उस सड़क पर पड़ने वाले विभिन्न गंतव्यों (स्थानों) की दिशा और उनकी दूरी को इंगित करता है। आम तौर पर चौराहे (इंटरसेक्शन) से पहले ये चिन्ह लगाए जाते हैं।

This sign indicates the direction and distance to various destinations falling on that particular road. These signs are generally installed before intersections.

दिशा चिन्ह / Direction Sign

यह चिन्ह इस पर लिखे गए गंतव्य / स्थान की दिशा और दूरी दर्शाता है। यह चिन्ह बोर्ड ड्राइवरों द्वारा स्थान को ढूंढने में सहायक होता है। इसलिए, यह उनके समय और ईंधन खपत में बचत करने में बहुत सहायक होता है।

This sign shows direction and distance of the destination/place written on it. This sign board helps drivers in locating the places and thus is very helpful in saving time and fuel.

प्रमाणित चिन्ह / Confirmatory Sign

यह चिन्ह ड्राइवर को आश्वस्त करता है कि वह सही रास्ते पर है और यह उस पर लिखे गए स्थानों की दूरी भी दर्शाता है।

This sign assures the driver that he is on right path and also tells the distance of the places written on it.

स्थान पहचान चिन्ह / Place Identification Sign

यह चिन्ह क्षेत्र की पहचान दर्शाता है। यह चिन्ह बताता है कि उस क्षेत्र की सीमा शुरू हो चुकी है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर चित्रात्मक रूप में यह चिन्ह लगाया जाता है।

This sign identifies the area. This sign tells that the limit of the particular area has started. This sign is illustrative on national highways.

पेट्रोल पंप / Petrol Pump

यह सूचनात्मक चिन्ह दर्शाता है कि आगे एक पेट्रोल पम्प है। कई बार इस चिन्ह पर दूरी भी इंगित की जाती है, जो दर्शाता है कि चिन्ह बोर्ड से पेट्रोल पम्प कितनी दूरी पर है।

This informatory sign indicates that there is a Petrol Pump ahead. Sometimes distance is also indicated on this sign which gives an idea about location of the Petrol Pump from the sign post.

अस्पताल / Hospital

यह चिन्ह इंगित करता है कि आसपास अस्पताल है। इस रास्ते पर गाड़ी चलाते समय ड्राइवर को सतर्क रहना चाहिए और अनावश्यक रूप से हॉर्न नहीं बजाना चाहिए।

This sign indicates that there is Hospital nearby. The driver should be careful while driving through this stretch and should not honk unnecessarily.

प्राथमिक उपचार केन्द्र / First Aid Post

यह चिन्ह दर्शाता है कि आसपास एक प्राथमिक उपचार सुविधा है जो आपात स्थिति या दुर्घटना के मामले में बहुत उपयोगी साबित होती है। आम तौर पर ये चिन्ह राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों पर लगाए जाते हैं।

The sign shows that there is a First Aid facility nearby which is very useful in case of emergency or crashes. These signs are normally erected on highways and rural roads.

भोजन स्थान / Eating Place

यह चिन्ह इंगित करता है कि आसपास भोजन का एक स्थान है। आम तौर पर राजमार्गों और लंबे सफर की सड़कों पर यह चिन्ह देखा जा सकता है।

This sign indicates that there is an eating place in the vicinity. This sign is common on highways and long stretches of road.

अल्पाहार (जलपान) / Light Refreshment

यह चिन्ह इंगित करता है कि सड़क के नजदीक अल्पाहार की सुविधा उपलब्ध है।

This sign indicates that there is facility of light refreshment nearby on the road.

विश्राम स्थल / Resting Place

सफर के दौरान यह चिन्ह विश्राम के लिए मोटल, लॉज या अन्य विश्राम गृह के नजदीक लगाया जाता है। राजमार्गों पर ये चिन्ह देखे जा सकते हैं।

This sign is erected near motel, lodge or any other place where facility for resting is available. These signs can be seen on highways.

सड़क बंद है / No Thorough Road

"सड़क बंद है" संकेत दर्शाता है कि वहां आगे रास्ता नहीं है। यह संकेत चालक को सूचना प्रदान करता है कि सड़क पर आगे मार्ग नहीं है।

"NO THROUGH ROAD" sign indicates that there is no throughway. This sign informs drivers that there is no way ahead on the road.

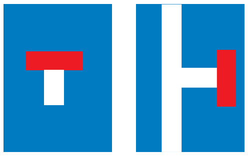

बस स्टॉप / Bus Stop

यह चिन्ह बस स्टॉप को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि सभी बसें (सार्वजनिक परिवहन) इस स्थान पर रूकेंगी।

This sign indicates Bus Stop. It shows that all buses (public transport) will stop at this place.

रेलवे स्टेशन / Railway Station

यह चिन्ह रेलवे स्टेशन के स्थान को दर्शाता है।

This sign indicates location of Railway Station.

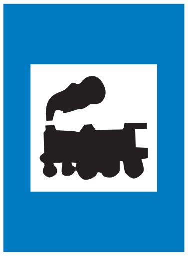

सार्वजनिक टेलीफोन / Public Telephone

यह चिन्ह सड़क के पास टेलीफोन की उपलब्धता को दर्शाता है।

This sign indicates the availability of Telephone near road.

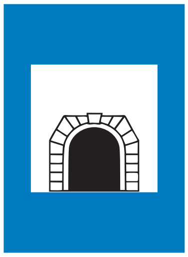

आगे सुरंग है / Tunnel Ahead

यह संकेत दर्शाता है कि सड़क पर आगे सुरंग है। यह संकेत कई बार सुरंग के नाम तथा उसकी लंबाई को भी दर्शाता है।

This sign indicates the tunnel on road. This sign sometimes may also indicate the name and length of tunnel.

पैदलपथ सबवे / Pedestrian Subway

यह चिन्ह पैदलपथ अंडरपास / सबवे को दर्शाता है। इस स्थान पर सड़क पार करने के लिए पैदल यात्रियों को अनिवार्य रूप से इन अंडरपास / सबवे का प्रयोग करना चाहिए।

This sign indicates entry to a pedestrian underpass/subway. Pedestrians should invariably use these underpass/subway to cross the road.

दोनों दिशाओं में गाड़ी खड़ी करने की जगह / Park Both Sides

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। यह चिन्ह इंगित करता है कि दोनों तरफ वाहन पार्क किए जा सकते हैं।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that vehicles can be parked on both sides.

साइकिल खड़ी करने की जगह / Parking Lot - Cycles

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। इसी प्रकार यह चिन्ह भी दर्शाता है कि यहां केवल साइकिल को पार्क किया जाए।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that this place is reserved for parking cycles.

साइकिल रिक्शा खड़ा करने की जगह / Parking Lot - Cycle Rickshaws

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। इसी प्रकार यह चिन्ह भी दर्शाता है कि यहां केवल साइकिल रिक्शा को पार्क किया जाए।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that this place is reserved for parking cycle rickshaws.

टैक्सियां खड़ी करने की जगह / Parking Lot - Taxis

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। इसी प्रकार यह चिन्ह भी दर्शाता है कि यहां केवल टैक्सियों को पार्क किया जाए।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that this place is reserved for parking car only.

ऑटो रिक्शा खड़ा करने की जगह / Parking Lot - Auto Rickshaws

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। इसी प्रकार यह चिन्ह भी दर्शाता है कि यहां केवल ऑटोरिक्शा को पार्क किया जाए।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that this place is reserved for parking auto rickshaws only.

स्कूटर व मोटर साइकिलें खड़ी करने की जगह / Parking Lot - Scooters & Motor Cycles

"पार्किंग" चिन्ह दर्शाता है कि वहां विशिष्ट प्रकार के वाहन को पार्क करना प्राधिकृत है। इसलिए, चालक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपना वाहन सही और प्राधिकृत स्थान पर ही पार्क करे। इसी प्रकार यह चिन्ह भी दर्शाता है कि यहां केवल स्कूटर और मोटर साइकिल को पार्क किया जाए।

"PARKING" sign indicates places where the parking of vehicles is authorized for particular type of vehicle. Drivers should, therefore, ensure that they are parking their vehicles at right and authorized place. Like this sign signifies that this place is reserved for parking scooters and motor cycles.

अध्याय/Chapter – 1.4

सड़क संकेत
Road Signs

सड़क संकेत (अधिक जानकारी के लिए सड़क संकेत कोड IRC:67:2012 देखें)

सड़क चिन्हों का उद्देश्य

सड़क चिन्हों का उद्देश्य शहरी और गैर–शहरी दोनों प्रकार के क्षेत्रों में सभी सड़कों पर सभी सड़क प्रयोगकर्ताओं के व्यवस्थित संचालन उपलब्ध कराकर सड़क सुरक्षा और कुशलता को संविर्धित करना है। सड़क चिन्ह सड़क प्रयोगकर्ताओं को विनियमों से अवगत कराते हैं और उन्हें सुरक्षित, समरूपी और कुशल प्रचालन के लिए आवश्यक चेतावनी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हैं।

एक सड़क संकेत को प्रभावपूर्ण होने के लिए उसमें चार मौलिक अपेक्षाएं होती हैं:

क) वह आवश्यकता को पूरा करें;

ख) ध्यान आकर्षित करें;

ग) स्पष्ट व साधारण अर्थ प्रदर्शित करें;

घ) सड़क प्रयोगकर्ताओं द्वारा उसका सम्मान हो; और

ड.) उचित प्रतिक्रिया के लिए पर्याप्त समय दें।

इन पांच मौलिक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए एक सड़क चिन्ह की कुशलता में अधिकतम बनाने के उद्देश्य से उसके अभिकल्प, स्थापन, प्रचालन, अनुसरण, एकरूपता के पहलुओं पर ध्यानपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

(For details refer IRC:67-2012 Code of Practice for Road Signs:

Purpose of Road Signs

The purpose of Road Signs is to promote road safety and efficiency by providing for t he orderly movement of all road users on all roads in both urban and non-urban areas. Road Signs notify road users of regulations and provide warning and guidance needed for safe, uniform and efficient operation.

To be effective, a road sign should meet five basic requirements:

a) Fulfill a need;

b) Command attention;

c) Convey a clear, simple meaning;

d) Command compliance and

e) Give adequate time for proper response.

Design, placement, operation, maintenance, and uniformity are aspects that should be carefully considered in order to maximize the ability of a road sign to meet these five basic requirements.

आकार

चिन्ह पट्ट का आकार चिन्ह के प्रकारानुसार अष्ठभुजीय, गोलाकार, त्रिभुजीय या आयाताकार होना चाहिए। बहुत जगहों पर यह देखा गया है कि रूकें का चिन्ह, अन्य आदेशात्मक तथा सचेतक चिन्हों को आयाताकार पट्ट पर प्रदर्शित किया जाता है, यह सही नहीं है।

सड़क चिन्हों का स्थापन और प्रचालन

सड़क चिन्हों का स्थापन सड़क प्रयोगकर्ता की दृष्टि की सीमा के भीतर होना चाहिए अर्थात उसकी पर्याप्त दृश्यता होनी चाहिए। उपयुक्त अर्थ प्रदर्शित करने के लिए सड़क चिन्ह को उसके मंतव्य के आधार पर स्थल, वस्तु या परिस्थिति के अनुसार उचित स्थान पर स्थापित होना चाहिए। सड़क चिन्ह का स्थान और सुपाठ्यता इस प्रकार होनी चाहिए कि सड़क प्रयोगकर्ता को प्रतिक्रिया के लिए उपयुक्त समय मिल सके।

सड़क चिन्हों और उसके सहायक भागों में किसी प्रकार का विज्ञापन या अन्य संदेश नहीं होना चाहिए जो यातायात नियंत्रण से संबंधित न हो। तथापि, पर्यटक–सहिष्णु दिशात्मक चिन्ह तथा मार्गस्थ विशिष्ट सेवाओं या सुविधाओं से संबंधित चिन्हों को विज्ञापन नहीं माना जाएगा।

सड़क चिन्हों को एक समान तथा निरंतर रूप में स्थापित व प्रचालित किया जाना चाहिए। उन सड़क संकेतों को हटा दिया जाना चाहिए जिनकी अब आवश्यकता नहीं है या वे अब अपेक्षित नहीं है। आवश्यकता होने के बावजूद चिन्ह को हटाने या उसमें परिवर्तन से इन्कार केवल इस लिए नहीं किया जाना चाहिए कि वह अच्छी स्थिति में है।

सड़क चिन्हों की समरूपता

सड़क संकेतों की समरूपता से सड़क प्रयोगकर्ताओं का कार्य आसान हो जाता है क्योंकि इससे उन्हें चिन्हों को पहचानने व उन्हें समझने में मदद मिलती है, और इस प्रकार उनकी समझ/प्रतिक्रिया का समय कम हो जाता है।

चिन्हों का स्थापन

सड़क संकेत सड़क प्रयोगकर्ताओं के लिए सम्प्रेषण का माध्यम है विशेष रूप से चालकों के लिए। इसलिए, चिन्हों को इस प्रकार स्थापित किया जाना चाहिए कि चालक उसे आसानी से व समय पर पहचान सकें। सामान्यत् चिन्हों को सड़क की बाईं ओर स्थापित किया जाना चाहिए। दो लेन की सड़कों के लिए, चिन्हों को सामान्यत् कैरेजवे की बाईं ओर स्थापित किया जाना चाहिए। बहुलेन विभाजित सड़कों की स्थिति में चिन्हों को प्रत्येक कैरेजवे की बाईं ओर लगाया जाना चाहिए। पर्वतीय सड़कों के मामले में, चिन्हों का स्थापन सामान्यत् सड़क की घाटी वाली ओर किया जाता है।

चिन्हों का अनुस्थापन

सामान्यत् चिन्हों को सामने से आने वाले यातायात की यात्रा

Shape

The shape of the sign board should be octagonal circular, triangular or rectangular depending on the nature of sign. It is observed that at many place stop signs, other mandatory and cautionary sign are printed on rectangular boards .This is incorrect.

Placement and Operation of Road Signs

Placement of road signs should be within the roar user's view so that adequate visibility is provided To aid in conveying the proper meaning, the road sign should be appropriately positioned with respect to the location, object, or situation to which it applies. The location and legibility of the road sign should be such as to provide adequate response time to road users.

Road Signs or their supports shall not bear any advertising or other message that is not related to traffic control. However, tourist-oriented directional signs and signs relating to specific wayside services and amenities, when used should not be considered advertising.

Road signs should be placed and operated in a uniform and consistent manner. Road signs which are not necessary or no longer required should be removed. The fact that a sign is in good physical condition should not be a basis for deferring the removal or change, if it is so warranted.

Uniformity of Road Signs

Uniformity of signs simplifies the task of the road user because it helps in recognition and understanding, thereby reducing perception / reaction time.

Siting of Signs

The Road signs are the means of communication to the road users, especially drivers. Therefore, the signs shall be so placed that the drivers can recognize them easily and in time. Normally the signs shall be placed on the left hand side of the road. For two lane roads, normally the signs may be placed on the left side of the carriageway. For multilane divided roads the signs may be placed on left side of each carriageway. In case of hill roads, the signs shall generally be installed on the valley side of the road.

Orientation of Signs

The signs shall normally be placed at right

रेखा के समकोण पर स्थापित किया जाना चाहिए। बहरहाल, पार्किंग से संबंधित चिन्हों को कैरिजवे से लगभग 15 डिग्री के कोण पर लगाया जाना चाहिए ताकि चालक को बेहतर दृश्यता प्रदान की जा सके। क्षैतिज मोड़ों पर, चिन्हों को सामान्य रूप से कैरिजवे पर स्थापित नहीं किया जाना चाहिए बल्कि चिन्ह के स्थापन का कोण सामने से आने वाले यातायात के आधार पर निर्धारित होना चाहिए। चिन्हों की स्थिति सामान्यत् लम्बवत होनी चाहिए, किन्तु ढलान पर चिन्ह को आवश्यकता अनुसार लम्बवत से आगे या पीछे की ओर झुका होना चाहिए ताकि उसे दृष्टि की सीध में लाया जा सके और दृश्यता के कोण में सुधार हो सके।

चिन्हों के आकार

सामान्य नियम के रूप में, अनिवार्य/विनियामक तथा अभिरक्षक/चेतावनी चिन्हों के लिए तीन आकार (छोटा, सामान्य तथा बड़ा) होने चाहिए। मुख्य सड़कों के लिए समान आकार का प्रयोग होना चाहिए और कम महत्वपूर्ण सड़कों के लिए छोटे आकार के चिन्हों का प्रयोग होना चाहिए। शहरी सड़कों तथा एक्सप्रेस–वे के लिए कृपया आईआरसी 67 दस्तावेज का संदर्भ लें। चिन्हों की विभिन्न श्रेणियों के सामान्य आकारों के लिए आईआरसी 67 दस्तावेज का संदर्भ लें।

चिन्हों की दृश्यता

रात्रि के समय चिन्हों को अधिक सुदृश्य और सुपाठ्य बनाने के लिए, विशेष रूप से अभिरक्षक/चेतावनीपूर्ण चिन्हों के लिए, निर्मित क्षेत्रों में पार्किंग को विनियमित करने और प्रकाशित सड़कों पर रोकने का संकेत देने वाले चिन्हों को छोड़कर, उनको प्रकाशित बनाया जाना चाहिए या प्रकाशमय पेंट या रिफलैक्टिव उपकरणों या शीटों सहित रिफलैक्टिव

angles to the line of travel of the approaching traffic. Signs relating to parking, however, should be fixed at an angle (approximately) 15 degrees to the carriageway so as to give better visibility. On horizontal curves, the sign should not be fixed normal to the carriageway but the angle of placement should be determined with regard to the course of the approaching traffic. Sign faces are normally vertical, but on gradients it may be desirable to tilt a sign forward or backward from the vertical to make it normal to the line of sight and improve the viewing angle.

Sizes of Signs

As a general rule, there shall be three sizes (small, normal and large) of signs for mandatory/regulatory and cautionary/warning signs. The normal size shall be used for main roads and the small size shall be used for less important roads. For Urban roads and Expressways, reference may please be made to IRC: 67-2012. General dimensions of different categories of signs IRC 67-2012 document may be referred .

Visibility of Signs

In order to make signs more visible and legible at night, in particular cautionary / warning signs and regulatory signs other than those regulating parking and stopping in lighted streets of built-up areas shall be lighted or provided with reflective material including luminous paints or reflective

सामग्री उपलब्ध करायी जानी चाहिए। यहां इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए कि इन सामग्रियों के प्रयोग के कारण सड़क प्रयोगकर्ता चौंधिया न जाएं।

अक्षरों का आकार

अक्षरों के आकार का चयन गति, विनिर्देशन और सड़क के स्थल के आधार पर किया जाना चाहिए, ताकि चिन्ह का आकार सुपाठ्यता के लिए उपयुक्त आकार का हो किन्तु बहुत बड़ा या अवरोधक न हो।

परिभाषा पट्टिया / अनुपूरक पट्टिया

परिभाषा पट्टिया की रिट्रो–रिफलैक्टिव सफेद पृष्टभूमि होनी चाहिए और इसमें काले अक्षरों से लिखा होना चाहिए तथा 20 मि.मि. चौड़ा काला बॉर्डर होना चाहिए। अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होना चाहिए और भाषायी संदेश अंग्रेजी भाषा और / या आवश्यकतानुसार किसी अन्य भाषा में होना चाहिए। चिन्हों के आकार को बनाए रखने के लिए चिन्ह में प्रयोग होने वाली भाषाओं की संख्या सामान्यत् दो तक सीमित है। इसके लिए आईआरसी 67 दस्तावेज का संदर्भ लें।

चिन्हों का संयोजन

चालकों के समक्ष एक साथ प्रस्तुत होने वाले चिन्हों की संख्या जितनी अधिक होगी, सूचना का प्रसारण उतना ही कठिन होगा। सामान्यत् इसलिए एक स्थल पर दो से अधिक चिन्हों को स्थापित नहीं किया जाना चाहिए, जिनका उद्देश्य सामने से आने वाले वाहन चालकों द्वारा पढ़ा जाना है। यह उन चिन्हों पर भी लागू होता है जो एक ही पोस्ट पर दो अलग स्थानों पर लगाए गए हैं। जहां किसी चिन्ह के लिए अनुपूरक प्लेट की आवश्यकता है वहां चिन्ह और प्लेट के संयोजन को एक चिन्ह माना जाएगा। रूकें या रास्ता दें चिन्हों या गति सीमा के आरंभ (अंतिम चिन्ह) को दर्शाने वाले चिन्हों को चेतावनी चिन्हों के रूप में एक ही पोस्ट पर स्थापित नहीं किया जाना चाहिए।

(संदर्भ : आईआरसीः 67–2012)

devices and sheetings. Care should, however, be taken that this does not result in road users becoming dazzled.

Sizes of Letters

Letter size should be chosen with due regard to the speed, classification and location of the road, so that the sign is of adequate size for legibility but without being too large or obtrusive.

Definition Plates / Supplementary Plates

The definition plate shall have white background of retro-reflective and black letters and black border 20 mm wide. Numerals shall be inscribed in international form of Indian numerals and word messages shall be in English and/or other languages as necessary. To contain the size of the sign, the number of languages on the signs shall normally be limited to two. Refer IRC: 67-2012.

Combination of Signs

The more the number of signs which drivers are presented with simultaneously, the greater the difficulty they are likely to have in assimilating the information. Generally, therefore, not more than two signs should be erected on anyone post when intended to be read from an approaching vehicle. This also applies to signs mounted at the same location on separate posts. Where a sign requires a supplementary plate, the combination of sign and plat e may be regarded as one sign. STOP or GIVE WAY signs or signs indicating the start of a speed limit (terminal signs) should not be mounted on the same post as a warning sign.

{Source: IRC: 67-2012}

अध्याय/Chapter – 1.5

सड़क मार्किंग
Road Marking

सड़क मार्किंग, रेखाओं का समूह तथा सड़क की सतह पर पेंट किया गया या स्थापित डिजाइन है, जो सड़क यातायात के संचलन को सुगम बनाता है या वाहनों की पार्किंग या पार्किंग न किए जाने वाले संस्थानों को चिन्हित करने तथा अनेक अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराने में सहायक होता है। सड़कों के ऊपर बनाए गए ये चिन्ह वाहन चालकों तथा पैदल चलने वालों को दिशानिर्देश तथा महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराते हैं।

भारत में सड़कों को चिन्हित करने के लिए सफेद तथा पीले रंग का प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है। सफेद रंग का प्रयोग सामान्यत् कैरिजवे (सड़क) चिन्हों के लिए किया जाता है। प्रतिबंधों को दर्शाने के लिए पीले चिन्हों का प्रयोग किया जाता है। सफेद या पीले रंग के साथ काले रंग का प्रयोग किनारों तथा वस्तु को चिन्हित करने के लिए किया जाता है।

मध्य रेखाएं : दो लेन वाली सड़कों के लिए

दो मार्गीय सड़क, जिसे किसी प्रकार की रेलिंग या निर्माण द्वारा विभाजित नहीं किया गया है, को मध्य रेखा ही विपरीत दिशा से आने वाले यातायात के प्रवाह को अलग करती है और यातायात के संचलन को सुलभ बनाती है। मध्य रेखा निम्नानुसार हो सकती है:

i. एकल खंडित रेखा हो सकती है।

Road markings are set of lines and designs painted or installed on road surface to facilitate smooth movement of traffic or for demarcating places for parking or no parking of vehicles and many other vital information. These markings on carpeted roads provide guidance and information to drivers and pedestrians.

In India white and yellow colour are predominantly used for markings on roads.

White is generally used for carriageway (road) markings. For indicating restrictions yellow markings are used. White or yellow together with black are used for kerb and object marking.

Centre lines: for a two lane road

On a two way road, which is not divided by any railing or installations, the centre line separates the streams of traffic coming from opposite directions and facilitates their movements. The centre line can be:

i. single broken line

ii. single continuous solid line (barrier line)

ii. एकल निरंतर स्थूल रेखा (बेरियर रेखा) हो सकती है।

iii. एक दोहरी स्थूल रेखा या स्थूल रेखा व खंडित रेखा का संयोजन हो सकता है।

एकल तथा दोहरी स्थूल रेखाओं, चाहे वह सफेद हो या पीली हो, को क्रॉस नहीं किया जाना चाहिए और न ही उसके ऊपर चलना चाहिए। दो मध्य रेखाओं वाली सड़क, जिसमें से एक रेखा स्थूल है और दूसरी विखंडित, पर स्थूल रेखा का महत्व तभी है जब वह संयोजन के बाईं ओर है, जिसे कि चालक के द्वारा देखा जा सकता है। ऐसे मामले में, वाहन चालक को सावधान रहना चाहिए कि वह मध्य रेखा को क्रास न करे या उसके ऊपर से न गुजरे।

दोहरी सफेद/पीली रेखाएं

दोहरी निरंतर रेखाओं का प्रयोग वहां किया जाता है जहां दोनों दिशाओं में दृश्यता साफ न हो। यहां किसी भी दिशा से आने वाले यातायात को मध्य रेखा से क्रॉस करने की अनुमति नहीं होती है।

स्थूल तथा विखंडित रेखाओं का संयोजन

यदि विखंडित रेखा आपकी ओर है तो आप उसे पार कर सकते हैं या उसके ऊपर से निकल सकते हैं या ओवरटेक कर सकते हैं, किन्तु ऐसा तभी करना चाहिए जब ऐसा करना पूर्णत् सुरक्षित हो।

यदि निरंतर रेखा आपकी ओर है तो आप उसे क्रॉस या ओवरलैप नहीं कर सकते हैं।

एकल पीली रेखाः आप इस रेखा को दायीं ओर मुड़ने या यू–टर्न लेने के अतिरिक्त किसी और स्थिति में क्रॉस नहीं कर सकते हैं।

स्टॉप लाइन

स्टॉप लाइन एकल स्थूल रेखा है जो सड़क पर जेब्रा क्रॉसिंग तथा इंटरसेक्शनों से पूर्व आरपार बनी होती है। यह रेखा दर्शाती है कि लाल सिग्नल होने पर या यातायात पुलिसकर्मी द्वारा निर्देश दिए जाने पर सभी वाहनों को इस रेखा से पीछे रूकना है। इस रेखा का उल्लंघन करने से पैदल चलने वालों के संचलन में बाधा उत्पन्न होती है और यातायात प्रबंधन भी अव्यवस्थित हो जाता है।

गिव–वे रेखा

गिव–वे रेखा सामान्यत दोहरी बिंदुओं से चिन्हित रेखा है जो जंक्शनों पर तिरछी चिन्हित होती है। सामान्यत सड़क की सतह पर बिंदुयुक्त रेखाओं से पूर्व या मार्किंग के साथ में एक

iii. a double solid line or a combination of solid line and broken line.

Single and double solid lines, whether white or yellow, must not be crossed or even overlapped. On a road with two centre lines, of which one is solid and the other broken, the solid line has significance only if it is on the left side of the combination as viewed by the driver. In such a case, the driver must be careful not to cross or overlap the centre line.

Double white/yellow lines

Double Continuous lines are used where visibility is restricted in both directions. Neither stream of traffic is allowed to cross the lines.

Combination of solid and broken lines

If the line on your side is broken, you may cross or straddle it. Over-take - but only if it is safe to do so.

If the line on your side is continuous you must not cross overlap it.

Single Yellow Line: You cannot cross this line except while turning Right or taking U-Turn.

Stop Line

A stop line is a single solid line painted across the road before the zebra crossings and intersections. This line indicates that all vehicles should stop before it when signal is red or as directed by the traffic policeman. Violation of this line hinders the movement of pedestrians and leads to haphazard traffic management.

Give way line

The give way line is usually a double dotted line marked diagonally at junctions. These lines are generally supplemented by a reverse triangle give way sign painted on the road surface before the dotted lines or by a road sign installed beside the marking. Give way to traffic on the main approaching road.

Border or edge lines

These are continuous lines at the edge of the

सड़क चिन्ह अंकन द्वारा इन रेखाओं के साथ गिव–वे का उलटा तिकोन का चिन्ह बना होता है। इसका अर्थ है कि मुख्य पहुंच सड़क पर यातायात को रास्ता दें।

चौड़ी या छोर रेखाएं

ये सड़क के छोर पर निरंतर चलने वाली रेखाएं हैं और यह मुख्य कैरिज–वे की सीमा को चिन्हित करती हैं जहां तक वाहन को चलाना सुरक्षित है।

पार्किंग प्रतिबंधित रेखाएं

"नो–पार्किंग" साइन सहित एक स्थूल निरंतर पीली रेखा नो–पार्किंग क्षेत्र की सीमा को दर्शाती है।

पैदलपथ क्रॉसिंग

ये वैकल्पिक रूप से काली व सफेद पट्टियां हैं जो सड़क पर समानान्तर रूप से पेंट की जाती हैं तथा सामान्य रूप से इन्हें जेब्राक्रॉसिंग कहते हैं। पैदल चलने वालों को केवल इसी बिंदु से सड़क पार करनी चाहिए जब बत्ती ऐसा करने का संकेत दे। आपको जेब्राक्रॉसिंग पर अपना वाहन रोककर पैदल चलने वालों को रास्ता देना चाहिए। पैदलपथ क्रॉसिंग का निर्माण पैदल चलने वालों को सड़क पार करने की सुविधा व अधिकार प्रदान करने के लिए किया गया है।

सड़क चिन्हों के लिए सामान्यत् यातायात पेंटों का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सड़क मार्किंग के लिए सड़क सट्डस, कैट आई तथा थर्मोप्लास्टिक पट्टियों जैसी अन्य सामग्री का भी प्रयोग किया जाता है। ये चिन्ह सड़क सुरक्षा को संवर्धित करते हैं और यातायात के सुगम प्रवाह को सुनिश्चित करते हैं। कई बार, सड़क संकेतों का प्रयोग सड़क चिन्हों तथा अन्य उपकरणों के संदेश के लिए भी किया जाता है।

road and mark the limits of the main carriageway upto which a driver can safely move.

Parking prohibited lines

A solid continuous yellow line painted on the kerb along with a "No-parking" sign indicates the extent of no-parking area.

Pedestrian Crossings

These are alternate black and white stripes painted parallel to the road generally known as zebra crossing. Pedestrians must cross the road only at the point where these lines are provided and when the signal says so. You must stop and give way to pedestrians at these crossings. Pedestrian crossings are marked to facilitate and give the right of way to pedestrians.

Traffic paints are commonly used for road markings. Other materials such as, road studs, cat's eyes and thermoplastic strips are also used for application in road markings. These markings promote road safety and ensure smooth flow of traffic. Sometimes, road markings are used to supplement the message of road signs and other devices.

सुरक्षा ना केवल एक नारा, बल्कि है यह जीवन की एक धारा

भाग - ख

सड़क सुरक्षा जानकारी

PART - B

Road Safety Information

अध्याय/Chapter – 2

ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की जानकारी
Information to get Driving License

किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मोटर वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अति आवश्यक और अनिवार्य दस्तावेज है। ड्राइविंग लाइसेंस स्थानीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है। ड्राइवर के पास उसके नाम पर वाहन की उस विशेष वाहन श्रेणी का संबंधित लाइसेंस होना जरूरी है, जिसे वह चला रहा है, तभी उसे प्राधिकृत ड्राइवर माना जाएगा।

वाहन और सारथी: सड़क एवं परिवहन के क्षेत्र में सूचना प्रौधोगिकी के विकास तथा संपूर्ण देश में समरूपता और अंतर–प्रचालनिकता को सुनिश्चित करने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने स्मार्ट कार्ड आधारित ड्राइविंग लाइसेंस तथा पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए केन्द्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में प्रावधान किये हैं। मंत्रालय ने एक मानकीकृत सॉफ्टवेयर (पंजीकरण प्रमाणपत्रों के लिए "वाहन" तथा ड्राइविंग लाइसेंसों के लिए "सारथी") विकसित किया है और यह सॉफ्टवेयर सभी राज्यों को उपलब्ध कराया गया है। सॉफ्टवेयर में आरटीओ का स्वचालन तथा कम्प्यूटरीकरण दोनों शामिल हैं ताकि दस्तावेजों को जारी करना संभव हो सके, जैसे स्मार्ट कार्ड के रूप में ड्राइविंग लाइसेंस तथा पंजीकरण प्रमाणपत्र। आंकड़ों को सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए सभी आरटीओ को इसके साथ जोड़ा गया है। मंत्रालय ने इन साफ्टवेयर माध्यमों का प्रयोग करते हुए अभियान पद्धति परियोजना (मिशन मोड

Driving License is the most essential and mandatory document to drive a motor vehicle in any public place. Driving License is issued by the Local Transport authority. The driver must possess, in his name, the relevant driving license of that particular vehicle category, which he/she is driving.

Vahan & Sarathi: In order to introduce Information Technology in the Road Transport Sector and to ensure uniformity and inter-operatability throughout the country, the Ministry of Road Transport & Highways, has made provisions in the Central Motor Vehicles Rules, 1989 for issuance of Smart Card based Driving License and Registration Certificates. The Ministry developed standardized software (VAHAN for Registration Certificates and SARATHI for Driving Licenses) and made it available to all the States. The software covers both back-end automation of R.T.Os and front-end computerisation to enable issuance of documents, such as Driving License and Registration Certificates in a Smart Card mode. All the RTOs have also been linked for easy access of data. Ministry has also taken up a project of creation of State and National Register

प्रोजेक्ट) के रूप में ड्राइविंग लाइसेंस तथा पंजीकरण प्रमाणपत्रों के लिए राज्य तथा राष्ट्रीय रजिस्टर के निर्माण की परियोजना भी आरंभ की है।

मोटे तौर पर दो प्रकार के ड्राइविंग लाइसेंस होते हैं:

प्रशिक्षु लाइसेंस (सीखने वाले का लाइसेंस)

यह एक अस्थायी लाइसेंस है जो 6 माह के लिए वैध होता है। इसे कतिपय शर्तों के मद्देनजर मोटर वाहन चलाना सीखने के लिए जारी किया जाता है

स्थायी लाइसेंस

स्थायी लाइसेंस अंतिम दस्तावेजी प्राधिकारी, जो आपको वैध ड्राइविंग के लिए प्राधिकृत करता है। प्रशिक्षु लाइसेंस जारी होने की तारीख से एक महीना पूरा होने पर स्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन किया जा सकता है।

पात्रता

ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदक की उम्र आवेदन की तारीख के दिन 18 वर्ष होनी चाहिए (वाणिज्यिक वाहनों के लिए आवेदक की उम्र 20 वर्ष होनी चाहिए और 50 सीसी तक के इंजन क्षमता वाले वाहनों के लिए आवेदक की उम्र 16 वर्ष होनी चाहिए और साथ ही उसके अभिभावक/संरक्षक की सहमति होनी चाहिए)।

आवेदक को पूर्णत् यातायात नियमों और विनियमों से परिचित होना चाहिए।

प्रशिक्षु का लाइसेंस कैसे प्राप्त करें?

प्रशिक्षु लाइसेंस का आवेदन करने के लिए निम्नलिखित दस्तावेज आवश्यक होते हैं:

1. आवेदन फॉर्म (स्थानीय परिवहन प्राधिकरण में उपलब्ध)
2. निवास प्रमाण पत्र
3. आयु प्रमाण पत्र
4. आवेदक के नवीनतम 3 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
5. फॉर्म नं.–1 ए में चिकित्सा प्रमाणपत्र
6. फॉर्म नं.–1 में चिकित्सा फिटनेस की स्वघोषणा
7. प्राधिकरणों द्वारा तय की गई अपेक्षित फीस।

दस्तावेजों के सत्यापन के बाद आवेदक की वर्णान्धता की जांच की जाती है। इसके बाद, 20 बहु–विकल्पीय वस्तुनिष्ठ सवालों के साथ 20 मिनट का एक टेस्ट आयोजित किया जाता है। इस टेस्ट में पास होने वाले आवेदक को प्रशिक्षु

of Driving License and Registration Certificates using these software platforms.

Broadly there are two types of Driving Licenses

Learner license

This is a temporary license valid up to 6 months only. It is issued to learn driving of Motor Vehicles subject to certain conditions.

Permanent license

Permanent License is the final documentary authorization for valid driving. One becomes eligible for permanent license after expire of one month from the date of issuing of the learner license.

Eligibility

The applicant for driving license should be 18 years old on the date of application (For commercial vehicle the applicant must be 20 years old and for vehicles upto 50 CC engine capacity applicant must be 16 years and must have the consent of parents/guardian).

The applicant should be fully conversant with Traffic rules and regulations.

How to acquire Learner Licenses?

The following documents are required while applying for a Learner's Driving License

1. Application Form]
   (available from local Transport Authority)
2. Residence Proof
3. Age Proof
4. 3 recent passport size photographs of the applicant.
5. Medical Certificate in Form No. 1A (wherever applicable)
6. Self Declaration of Medical Fitness in Form No. 1
7. Requisite Fee as laid down by the Authority.

After verification of documents the applicant is inspected for colour blindness. After this a 20 minute learner test is conducted with 20 multiple choice objective type questions . Learner license is issued to the applicant who qualifies the test. The authorities also provide a handbook so that

लाइसेंस (लर्नर लाइसेंस) जारी कर दिया जाता है। प्राधिकरण एक पुस्तिक भी देता है ताकि प्रशिक्षु लाइसेंस के लिए टेस्ट देने से पहले आवेदक उसे पढ़ सके।

स्थायी लाइसेंस प्राप्त करना

स्थायी लाइसेंस पाने के लिए :

1. आवेदक के पास वैध लर्नर लाइसेंस होना चाहिए।
2. लर्नर लाइसेंस जारी होने की तारीख से 30 दिन के बाद और 180 दिनों के भीतर स्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाना चाहिए।
3. आवेदक को ड्राइविंग, यातायात के नियमों, विनियमन और वाहन प्रणाली के बारे में सुपरिचित होना चाहिए।

आवश्यक दस्तावेजः

1. वैध मूल प्रशिक्षु लाइसेंस (लर्नर लाइसेंस)
2. फॉर्म नं.4 में आवेदन
3. अपेक्षित फीस
4 उम्र और निवास का प्रमाण पत्र
5. एक नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
6. वाणिज्यिक लाइसेंस के मामले में फॉर्म नं.5
7. वाहन की श्रेणी, जिसके लिए आप लाइसेंस चाहते हैं

दस्तावेजों की जांच के बाद आवेदक का ड्राइविंग टेस्ट लिया जाता है। इसमें ड्राइविंग निपुणताओं, वाहन से परिचित होने, यातायात नियमों एवं विनियमों के बारे में जानकारी को लेकर आवेदक की परीक्षा ली जाती है। यदि आवेदक ड्राइविंग परीक्षा पास कर लेता है तो उसे स्थायी लाइसेंस दिया जाता है। यदि आवेदक असफल रहता है तो वह 7 दिन बाद ड्राइविंग टेस्ट में पुनः भाग ले सकता है।

applicants may go through it before writing the test for learner license. The learner license is issued on the same day after completion of all tests.

Acquiring Permanent License

To acquire Permanent License:

1. The applicant should have a valid learner license.
2. One should apply for Permanent License after 30 days and within 180 days from the date of issuance of learner license
3. The applicant should be well versed with the driving, traffic rules, regulations and the system of vehicle.

Documents required

1. Valid original learner's license
2. Application in Form No.4
3. Requisite fee
4. Proof of age and residence
5. One recent passport size photograph
6. Form No.5 in case of commercial license
7. The vehicle of the same category for which license is sought.

After scrutiny of all documents the applicant goes through a driving test. The applicant is tested for driving skills, familiarization with the vehicle, knowledge of traffic rules and regulations. If the applicant passes the driving test he/she is awarded Permanent Driving License. If applicant fails, one can reappear for the driving test after 7 days.

सड़क का सब के साथ सहभाग करें और दूसरों का ध्यान रखें। सड़क पर क्रोध/रोष न करें
Share the road with all and be considerate. Never rage on the road.

अध्याय/Chapter – 3

सड़क दुर्घटनाओं के सामान्य कारण
Common Causes of Road Crashes

भारत में सड़क दुर्घटना का परिदृश्य

वर्ष	सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या	दुर्घटना में मृत व्यक्तियों की संख्या	दुर्घटना के कारण घायल व्यक्तियों की संख्या
2005	439255	94968	465282
2006	460920	105749	496481
2007	479216	114444	513340
2008	484704	119860	523193
2009	486384	125660	515458
2010	499628	134513	527512
2011	497686	142485	511394
2012	490383	138258	509667
2013	486476	137572	494893

Road Crash Scenario in India

Year	Total No. of Road Crashes	Total No. of Persons Killed	Total No. of Persons injured
2005	439255	94968	465282
2006	460920	105749	496481
2007	479216	114444	513340
2008	484704	119860	523193
2009	486384	125660	515458
2010	499628	134513	527512
2011	497686	142485	511394
2012	490383	138258	509667
2013	486476	137572	494893

भारत में वर्ष 2011 के दौरान लगभग 4.9 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, जिनके कारण 1,42,485 लोगों की मृत्यु हुई और 5 लाख से अधिक लोग घायल हुए। यह संख्या दर्शाती है कि भारत में प्रत्येक मिनट पर एक सड़क दुर्घटना होती है और प्रत्येक 4 मिनट पर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु होती है।

सड़क दुर्घटना किसी भी उपयोगकर्ता के लिए एक ना चाहने वाला हादसा होता है जिससे बचा जा सकता है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि हम सड़क पर अपनी गलतियों से सबक नहीं सीखते। अधिकतर सड़क उपयोगकर्ता सड़क के इस्तेमाल के बारे में सामान्य नियमों और सुरक्षा नियमों के बारे में अच्छी तरह परिचित नहीं होते हैं, जिस कारण दुर्घटनाएं एवं टक्कर होती हैं। हम कुछ दुर्घटनाओं के कारणों पर प्रकाश डाल रहे हैं जो मनुष्यों के गलत आचरणों के कारण होती है, जैसे:

During the year 2011, there were around 4.9 lakh road crashes which resulted in deaths of 1,42,48 5 people and injured more than 5 lakh persons in India. These numbers translate into one road crash every minute and one road crash death every four minutes, for India.

Road crash is the most unwanted thing to happen to a road user, however they are avoidable. The most unfortunate thing is that we don't learn from our mistakes on road. Most of the road users are not well aware of the general rules and safety measures while using roads and it is many a times laxity on part of road users causes road crashes. We are elaborating some of the common behaviour of drivers which result in crashes:

1. बहुत तेज गति से वाहन चलाना
2. नशे में गाड़ी चलाना
3. ड्राइवर का ध्यान बंटाने वाली चीजें
4. लाल बत्ती को लांघना
5. सीट बेल्ट और हेलमेट जैसे सुरक्षा साधनों की उपेक्षा
6. लेन ड्राइविंग का पालन न करना और गलत तरीके से ओवरटेकिंग

बहुत तेज गति से वाहन चलाना: सभी को पीछे छोड़ देना एक मानव प्रवृति है किन्तु अधिकतर घातक दुर्घटनाएं बहुत तेज गति के कारण होती हैं। गति में तीव्रता से वृद्धि, दुर्घटना का जोखिम और दुर्घटना के दौरान चोट की गंभीरता बढ़ाती है। कम गति से चलने वाले वाहनों की तुलना में तेज गति के वाहनों की दुर्घटना की संभावना अधिक रहती है और तेज गति के वाहनों के मामले में दुर्घटना की गंभीरता भी अत्यधिक होगी। गति जितनी अधिक होगी, उतना ही अधिक जोखिम होगा। बहुत तेज गति की स्थिति में वाहन रोकने के लिए अधिक दूरी यानि 'ब्रेकिंग डिस्टेन्स' की जरूरत पड़ती है। कम गति वाले वाहन कम दूरी पर ही रूक जाते हैं, जबकि तेज गति वाले वाहन लंबी दूरी के बाद ही रोके जा सकते हैं और फिसलते भी हैं। तेज गति से चलने वाले वाहन की टक्कर के दौरान गहरा प्रभाव होगा, इसलिए अधिक चोट लगेगी। तेज गति से गाड़ी चलाने पर आगामी घटना के बारे में फैसला लेने की क्षमता कम हो जाती है, जिसके चलते फैसले में भूल होती है और अंततः टक्कर हो सकती है।

नशे में गाड़ी चलाना: खुशी का कोई मौका मनाने के लिए शराब का सेवन आम बात हो गई है। लेकिन, जब ड्राइविंग के साथ इसे मिलाया जाए तो यह खुशी बदकिस्मती में बदल

1. Over Speeding
2. Drunken Driving
3. Distractions to Driver
4. Red Light jumping
5. Avoiding Safety Gears like Seat belts and Helmets
6. Non-adherence to lane driving and overtaking in a wrong manner

Over Speeding: The urge to leave all others behind is human but most of the fatal crashes occur due to over speeding. Increase in speed exponentially multiplies the risk of crash and severity of injury during crash. Faster vehicles are more prone to crash than the slower one and the severity of crash will also be much more in case of faster vehicles. Higher the speed, greater the risk. At high speed the vehicle needs greater distance to stop i.e. braking distance. A slower vehicle comes to halt in a shorter distance while faster one takes long way to stop and is also prone to skidding. A vehicle moving at high speed will suffer greater impact during a crash and hence will cause more injuries. The ability to judge the situation also gets reduced while driving at faster speed which causes error in judgement and finally a crash.

Drunken Driving: Consumption of alcohol to celebrate any occasion is common. But when mixed with driving it can turn celebration into a misfortune. Alcohol impairs concentration and

सुरक्षा ना केवल एक नारा, बल्कि है यह जीवन की एक धारा

सकती है। शराब के सेवन से ध्यान केन्द्रित करने में कमी आती है। इससे मानव शरीर तत्काल प्रतिक्रिया नहीं कर पाता। मस्तिष्क के निर्देश पर अमल में शारीरिक अंग अधिक समय लेते हैं। सिर चकराने से यह दृष्टि को कमजोर बनाता है। शराब डर कम करती हैं और जोखिम लेने को उकसाती है। इन सभी वजहों से दुर्घटनाएं होती है और कई बार ये घातक साबित होती हैं। रक्त अल्कोहल संकेन्द्रण (ब्लड अल्कोहल कन्सेन्ट्रेशन) में 0.05 प्रतिशत (बी ए सी) की प्रत्येक वृद्धि से दुर्घटना का जोखिम दुगुना हो जाता है। अल्कोहल के अलावा, कई नशीले पदार्थ एवं औषधियां ड्राइविंग संबंधी निपुणताओं और ध्यान केंद्रित करने पर प्रतिकूल असर डालती हैं। सर्वप्रथम, हम यही सलाह देंगे कि अल्कोहल का सेवन न करें। फिर भी, यदि आप अल्कोहल के बिना खुशी मनाना अधूरा महसूस करते हैं तो उसका सेवन करने पर वाहन न चलाएं। शराब न पीने वाले किसी मित्र से आप उसे अपने घर छोड़ने को कहें।

ड्राइवर का ध्यान बंटाने वाली चीजें: गाड़ी चलाते समय थोड़ा सा भी ध्यान बंटने से बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ध्यान बंटाने वाले कारण वाहन के बाहर या भीतर हो सकते हैं। आजकल ध्यान बंटाने वाली एक चीज है, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बातचीत करना। फोन पर बातचीत मस्तिष्क का एक बड़ा हिस्सा घेरती है और एक छोटा हिस्सा ड्राइविंग निपुणता में कार्यशील होता है। मस्तिष्क का यह विभाजन प्रतिक्रिया समय और फैसले की क्षमता में बाधा पहुंचाता है और टक्कर का एक कारण बनें होता है। ड्राइविंग के दौरान टेलीफोन न करें और न ही सुनें। यदि टेलीफोन अत्यावश्यक हो तो सड़क के किनारे गाड़ी खड़ी कर बातचीत करें।

सड़क पर ध्यान हटाने वाली कुछ अन्य बातें इस प्रकार हैं:

- ड्राइविंग करते समय शीशे समायोजित करना।
- वाहन में स्टीरियो/रेडियो को चलाना
- सड़क पर जानवर

slows reaction of a human body. Limb take more time to react to the instructions of brain. It hampers vision due to dizziness. Alcohol dampens fear and incites humans to take risks. All these factors cause crashes and many a times it proves fatal. For every increase of 0.05% (BAC) blood alcohol concentration, the risk of crash doubles. Apart from alcohol many drugs, medicines also affect the skills and concentration necessary for driving. First of all we recommend not to consume alcohol. But if you feel your merrymaking is not complete without it, do not drive under the influence of alcohol. Ask a teelotaller friend or a taxi to drop you home.

Distraction to Driver: A minor distraction while driving can cause major crashes. The cause of distraction could be outside or inside the vehicle. The major distraction now a days is talking on mobile phone while driving. The act of talking on phone occupies major portion of brain and the smaller part handles the driving skills. This division of brain hampers reaction time and ability of judgement and becomes one of the reasons of crashes. One should never attend to telephone calls while driving. If the call is urgent one should pull out beside the road and attend the call.

Some of the other distractions on road are:

- Adjusting mirrors while driving
- Adjusting Stereo/Radio in vehicle
- Animals on the road

- विज्ञापन और सूचना पट्ट।
- वाहन चलाते हुए खाना व पीना।

इन चीजों से ड्राइवर को अपना ध्यान भंग नहीं करना चाहिए और मार्ग परिवर्तन (डायवर्जन) एवं ध्यान बंटाने वाली बाहरी चीजों के दौरान सुरक्षित रहने के लिए गति धीमी रखनी चाहिए।

लाल बत्ती को लांघना : सड़क चौराहों (इंटरसेक्शन) पर यह नज़ारा आम बात है कि लाल बत्ती की परवाह किए बगैर वाहन उन्हें पार करते हैं। कई लोग सोचते हैं कि लाल बत्ती पर रूकना समय और इंधन की बर्बादी है। अध्ययन दर्शाते हैं कि यातायात संकेतों का पालन करने पर ड्राइवरों के समय की बचत होती है और यात्री सुरक्षित एवं समय से गंतव्य पर पहुंचते हैं। लाल बत्ती लांघने वाला व्यक्ति न सिर्फ अपना स्वयं का जीवन जोखिम में डालता है, बल्कि सड़क के अन्य प्रयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है। एक ड्राइवर की यह प्रवृति दूसरे ड्राइवर को भी लाल बत्ती लांघने के लिए उकसाती है और अंततः क्रॉसिंग पर अराजकता पैदा हाती है। चौराहे (इंटरसेक्शन) पर यह अराजकता यातायात जाम का प्रमुख कारण है। अंततोगत्वा प्रत्येक व्यक्ति अपने गंतव्य स्थान पर देर से पहुंचता है। यह भी देखा गया है कि लाल बत्ती लांघने वाले अक्सर सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं।

सीट बेल्ट और हेलमेट जैस सुरक्षा साधनों की उपेक्षा :

चार पहियों के वाहन में सीट बेल्ट अब अनिवार्य है और इसे न बांधने पर दंडित किया जाता है। यही बात दुपहिया वाहनों में हेलमेट न लगाने पर लागू होती है। अध्ययनों में यह साबित होने पर कानून बनाया गया है कि दुर्घटना के दौरान ये दोनों

- Banners and billboards.
- Eating and drinking while driving.

The driver should not get distracted due to these things and reduce speed to remain safe during diversions and other kinds of outside distractions.

Red Light jumping: It is a common sight at road intersections that vehicles cross without caring for the light. The common conception is that stopping at red signal is wastage of time and fuel. Studies have shown that traffic signals, when followed properly by all drivers, save time and commuters reach destination safely and timely. Those who jump red light, not only jeopardize their own life but also that of other road users. This act by one driver incites other drivers to violate the rules and finally it causes chaos at crossing. This chaos at intersection is major cause of traffic jams. Eventually everybody gets late to their destinations. It has also been seen that red light jumping quite often results in crashes.

Avoiding Safety gears like seat belts and helmets:

Use of Seat belt in four-wheelers is mandatory and not wearing seat belt invites penalty. Same is the case with helmets for two wheeler drivers. Wearing seat belts and helmet has been brought under law after proven studies that these two

सुरक्षा ना केवल एक नारा, बल्कि है यह जीवन की एक धारा

1 सड़क सुरक्षा के बारे में शिक्षा और जागरूकता

2. सख्ती से कानून लागू करना

3. इंजीनियरिंग

(क) वाहन का डिजाइन (ख) सड़क का आधारभूत ढ़ांचा

दुर्घटनाओं के सीधे परिणामः

1. गंभीर चोट (मृत्यु) 2. चोट 3. अपंगता 4. सम्पत्ति की हानि।

भारत सरकार ने सड़क प्रयोक्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा में सुधार करने हेतु अनेक कदम उठाये हैं, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार हैः

- यह सुनिश्चित किया गया है कि नियोजन स्तर पर ही सड़क सुरक्षा को सड़क अभिकल्प के अभिन्न अंग के रूप में लिया जाए।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़क सुरक्षा में सुधार करने के लिए विभिन्न कदम उठाये हैं जैसे सड़क फर्नीचर सड़क मार्किंग/सड़क चिन्ह, उन्नत परिवहन प्रणाली का प्रयोग करते हुए राजमार्ग यातायात प्रबंधन प्रणाली आरंभ करना, निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदारों में अनुशासन को बनाये रखना, चुनिंदा क्षेत्रों पर सड़क सुरक्षा ऑडिट आदि।
- असंगठित क्षेत्रों में भारी मोटर वाहन चालकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।
- राज्यों में ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों की स्थापना।
- श्रवय–दृश्य तथा प्रिंट माध्यमों के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पर प्रचार अभियान।
- सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वैच्छिक संगठनों/व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की प्रणाली आरंभ करना।
- वाहनों में सुरक्षा मानकों को और अधिक कड़े बनाना जैसे सीट बेल्ट, पावर स्टेयरिंग, रियर व्यू मिरर आदि।
- राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्घटना सहायता सेवा योजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों/गैर–सरकारी संगठनों को क्रेनें तथा एम्बुलेंस उपलब्ध कराना। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी अपने प्रचालन तथा अनुरक्षण संविदाओं के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों पर पूरे किये गए प्रत्येक खंड के लिए 50 कि.मी. की दूरी पर एम्बुलेंस उपलब्ध करा रही है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों को 2 लेन से 4 लेन का तथा 4 लेन से 6

Preventive measures for crashes:

1 Education and awareness about road safety

2 Strict Enforcement of Law

3 Engineering:

(a) Vehicle design (b) Road infrastructure

Direct Consequences of Crashes:

1. Fatality (Death), 2. Injury, 3. Disability,
4. Damage to Property

Govt. of India has taken several steps to improve road safety for road users which are as under:

- It is ensured that road safety is the integral part of road design at planning stage.
- Various steps to enhance road safety such as road furniture, road markings/road signs, introduction of Highway Traffic Management System using Intelligent Transport System, enhancement of discipline among contractors during construction, road safety audit on selected stretches, have been undertaken by National Highways Authority of India.
- Refresher training to Heavy Motor Vehicle drivers in the unorganized sector.
- Setting up of Driving Training School in the States.
- Publicity campaign on road safety awareness both through the audio-visual and print media.
- Conferment of National Award for voluntary organizations/individual for outstanding work in the field of road safety.
- Tightening of safety standards of vehicles like Seat Belts, Power-steering, rear view mirror etc.
- Providing cranes and ambulances to various State Governments/NGOs under National Highway Crash Relief Service Scheme. National Highways Authority of India also provides ambulances at a distance of 50 Km. on each of its completed stretches of National Highways under its Operation & Maintenance contracts.
- Widening and improvements of National Highways from 2 lanes to 4 lanes and 4 lanes

भारत सरकार ने सड़क प्रयोक्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा में सुधार करने हेतु अनेक कदम उठाये हैं, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

- यह सुनिश्चित किया गया है कि नियोजन स्तर पर ही सड़क सुरक्षा को सड़क अभिकल्प के अभिन्न अंग के रूप में लिया जाए।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़क सुरक्षा में सुधार करने के लिए विभिन्न कदम उठाये हैं जैसे सड़क फर्नीचर सड़क मार्किंग/सड़क चिन्ह, उन्नत परिवहन प्रणाली का प्रयोग करते हुए राजमार्ग यातायात प्रबंधन प्रणाली आरंभ करना, निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदारों में अनुशासन को बनाये रखना, चुनिंदा क्षेत्रों पर सड़क सुरक्षा ऑडिट आदि।
- असंगठित क्षेत्रों में भारी मोटर वाहन चालकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।
- राज्यों में ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों की स्थापना।
- श्रवय–दृश्य तथा प्रिंट माध्यमों के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पर प्रचार अभियान।
- सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वैच्छिक संगठनों/व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की प्रणाली आरंभ करना।
- वाहनों में सुरक्षा मानकों को और अधिक कड़े बनाना जैसे सीट बेल्ट, पावर स्टेयरिंग, रियर व्यू मिरर आदि।
- राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्घटना सहायता सेवा योजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों/गैर–सरकारी संगठनों को क्रेनें तथा एम्बुलेंस उपलब्ध कराना। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी अपने प्रचालन तथा अनुरक्षण संविदाओं के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों पर पूरे किये गए प्रत्येक खंड के लिए 50 कि.मी. की दूरी पर एम्बुलेंस उपलब्ध करा रही है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों को 2 लेन से 4 लेन का तथा 4 लेन से 6 लेन का करके उन्हें चौड़ा करना व सुदृढ़ बनाना आदि।
- सड़क सुरक्षा को सामाजिक अभियान बनाने के लिए युवाओं में जागरूरकता का प्रचार।

Govt. of India has taken several steps to improve road safety for road users which are as under:

- It is ensured that road safety is the integral part of road design at planning stage.
- Various steps to enhance road safety such as road furniture, road markings/road signs, introduction of Highway Traffic Management System using Intelligent Transport System, enhancement of discipline among contractors during construction, road safety audit on selected stretches, have been undertaken by National Highways Authority of India.
- Refresher training to Heavy Motor Vehicle drivers in the unorganized sector.
- Setting up of Driving Training School in the States.
- Publicity campaign on road safety awareness both through the audio-visual and print media.
- Conferment of National Award for voluntary organizations/individual for outstanding work in the field of road safety.
- Tightening of safety standards of vehicles like Seat Belts, Power-steering, rear view mirror etc.
- Providing cranes and ambulances to various State Governments/NGOs under National Highway Crash Relief Service Scheme. National Highways Authority of India also provides ambulances at a distance of 50 Km. on each of its completed stretches of National Highways under its Operation & Maintenance contracts.
- Widening and improvements of National Highways from 2 lanes to 4 lanes and 4 lanes to 6 lanes etc.
- Spreading awareness among youth to make road safety a social movement.

अध्याय/Chapter – 4

सड़क दुर्घटना पीड़ित की मदद कैसे करे?
How to help Road Crash Victims ?

किसी भी दुर्घटना के पीड़ित को समय पर चिकित्सा सहायता देकर उसका जीवन बचाया जा सकता है।

'द गोल्डन आवर' (स्वर्णिम घंटा)

कोई भी चोट लगने के बाद का एक घंटा बहुत महत्वपूर्ण होता है। उस दौरान सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को तत्काल और समुचित प्राथमिक चिकित्सा देने से उसका जीवन बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है और चोट की गंभीरता कम होती है। समय पर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराकर कई मौतों तथा अशक्तताओं को टाला और चोट की गंभीरता की रोकथाम की जा सकती है।

ट्रोमा केन्द्रों की यह स्वीकार्य नीति है कि यदि चोट लगने के एक घंटे के भीतर, जिसे "स्वर्णिम घंटा" कहते हैं, आरंभिक स्वास्थ्य स्थिरता को बनाये रखने के लिए आधारभूत जीवन सहायक, प्रथम उपचार और द्रव्यों का प्रतिस्थापन प्रदान किया जाए तो अनेक दुर्घटना पीड़ितों की जान को बचाया जा सकता है। इसके लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि इस प्रकार की आपदा की स्थिति में उपचार के लिए निश्चित समयावधि के भीतर प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा आरंभिक स्थिरता, तीव्र परिवहन तथा चिकित्सा सुविधायें प्रदान की जाएं।

यह हमेशा मुमकिन नहीं है कि एक घंटे के भीतर पीड़ित तक समुचित चिकित्सा सहायता पहुंच जाए। ऐसे मामले में राहगीर और वहां मौजूद अन्य लोग घायल व्यक्ति (पहली सहायता करने वाले) को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, कई बार पीड़ित व्यक्ति की अनुचित ढंग से देखभाल से स्थिति बिगड़ जाती है। दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की प्राथमिक चिकित्सा अधिक जटिल नहीं है, इसलिए हमें इसकी प्रक्रियाओं और ऐहतियातों के बारे में परिचित होना चाहिए।

दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति के इलाज की प्राथमिकताओं पर ध्यान देना:

- श्वास में अवरोध (ऑक्सीजन न मिलना)
- हृदय के कार्य का एकदम से रूकना
- तीव्र रक्तस्राव (खून बहना)
- अन्य चोटें/बीमारियां

तत्काल आवश्यकता

संकटपूर्ण चार मिनट – किसी भी सड़क दुर्घटना में मौत का

Life of an crash victim can be saved by administering timely medical aid.

The 'GOLDEN HOUR'

The first hour after the trauma is called the 'golden hour'. Instant and proper first aid given to road crash victims during this hour increases the chance of survival manifold and reduces the severity of injuries. Many deaths and disabilities due to impact of injuries can be prevented with timely First Aid.

It is an accepted strategy of trauma care that if basic life support, first aid and replacement of fluids leading to initial stabilization can be arranged within first hour of the injury called 'Golden Hour', lives of many crash victims can be saved. Necessary activities to achieve are initial stabilization by trained manpower, rapid transportation and medical facilities to treat such cases of Trauma, all within a defined period of time.

It is not always possible that proper medical care reaches the victim within an hour. In that case the passerby, onlookers and other people (first responders) involved can provide the first aid to serious victims. However, improper handling of victims can worsen the situation. Though providing proper first aid to an crash victim is not so complicated, one should be aware of the procedures and precautions.

Priorities of treating an crash victim

- Asphyxia (loss of oxygen)
- Cardiac Arrest
- Severe Hemorrhage (Bleeding)
- Other Injuries /Illnesses

Immediate Requirement

Critical four minutes – One of the most common causes of a road crash deaths is due to loss of

एक सबसे सामान्य कारण ऑक्सीजन की सप्लाई रूकना होता है। अधिकतर मामलों में इसका कारण वायु मार्ग का अवरद्ध होना है। याद रखें :

1. स्थल को सुरक्षित बनाएं
2. घायलों को खोजें
3. उनकी सहायता करें
4. मदद के लिए बुलाएं और बेहोश पीड़ितों को खोजें

ए बी सी के नियम का अनुसरण करें

ए. एयरवे यानी वायु मार्ग – वायु मार्ग यानी सांस लेने का रास्ता खोलें

बी. ब्रीदिंग यानी सांस लेना – मुंह से मुंह में सांस छोड़कर – (रिससाइटेशन) जीवन का बहाली में मदद करें।

सी. सर्कुलेशन यानी रक्तसंचार – खून बहने को रोकें

ए. एयरवे यानी वायु मार्ग – वायु मार्ग यानी सांस लेने का रास्ता खोलें

* पीड़ित को धीरे से और सावधानीपूर्वक जमीन पर लिटाएं ताकि और चोट लगने से रोका जा सके।
* पीड़ित को एक और मोड़ें।
* गले, सीने और कमर पर कपड़े ढीले करें।
* सिर को पीछे की ओर झुकाएं, चेहरा नीचे करें ताकि जीभ आगे होकर खून और उल्टी बाहर आ सके।
* मुँह में लगी गंदगी, उल्टी, रक्त या टूटे दांत हटाएं।

बी. ब्रीदिंग यानी सांस लेना – मुंह से मुंह में सांस छोड़कर – (रिससाइटेशन) जीवन का बहाली में मदद करें।

* श्वसन बहाली – मुंह से मुंह में सांस छोड़ना–लेना। यदि

oxygen supply. This is mostly caused by a blocked airway.

Remember:

1. Make the site safe
2. Look for the injured
3. Assist them
4. Call help and look for the unconscious victims

Follow the rule of ABC

A. Airway - Clear the airway i.e. breathing track

B. Breathing - Help restore it by mouth to mouth resuscitation

C. Circulation - Stop any bleeding

A. Airway - Clear the airway i.e. breathing track

* Lay the victim on ground very gently and present cautiously without vigorous handling to prevent further injury.
* Turn the victim to one side.
* Loosen clothing at neck, chest and waist.
* Tilt the face slightly down so the tongue can fall forward allowing blood and vomit to drain out.
* Remove dirt, blood, vomit or loose teeth from mouth.

B. Breathing - Help restore it by mouth to mouth resuscitation

* Restoring breath – mouth to mouth

पीड़ित सांस नहीं ले रहा है तो उसे कृत्रिम श्वसन दें।

- पीड़ित को पीठ की ओर लिटाएं और तत्काल मुंह से मुंह में सांस छोड़ें–लें।
- सिर को पीछे झुकाएं, जबड़ों को सहारा दें, गले से उंगलियां दूर रखें।
- मुंह से मुंह अच्छी तरह लगाएं ताकि आपके गाल पीड़ित के नाक पर रहें, सीना ऊपर उठने तक मुंह में फूंक मारें।
- अपना मुंह हटाएं, सीना ऊपर से नीचे जाने को देखें और नाक एवं मुंह से वायु निकलने को सुनें तथा महसूस करें।
- यदि सीना ऊपर नहीं उठता है तो जांच करें बंद वायु मार्ग के लिए।
- पीड़ित व्यक्ति का श्वसन बहाल होने तक मुंह से मुंह लगाकर सांस छोड़ें–लें। पीड़ित वयस्क के लिए प्रत्येक चार सेकेंड और बच्चे के लिए प्रत्येक तीन सेकेंड पर मुंह में सांस छोड़ें–लें।

सी. सर्कुलेशन यानी रक्तसंचार – खून बहने को रोकें

- खून बहने वाले घाव को साफ करें। कपड़े या बैंडेज के मोटे पैड की मदद से घाव पर सीधा दबाव डालकर खून बहना रोकें।
- जिन शारीरिक अंगों से खून बह रहा है, उसे रोकने के लिए उन अंगों को ऊंचा उठाएं।
- जिस जगह खून बह रहा है, वहां से बाहरी वस्तुएं हटाएं।
- घाव के चारों ओर पैड और बैंडेज लगाएं। हड्डियां टूटी दिखाई देने पर भी यही करें।

resuscitation. If the victim is still not breathing, give him artificial breathing.

- Turn the victim onto the back and start mouth-to-mouth resuscitation immediately.
- Tilt head back, support jaw, keep your fingers clear of throat;
- With good mouth to mouth seal and your cheek sealing the victim's nose, blow into the mouth until the chest rises;
- Lift your mouth, turn your head to see chest fall and listen and feel for air escaping from nose and mouth.
- If chest does not rise, check for blocked airway
- Continue mouth-to-mouth resuscitation until breathing is restored. Blow every four seconds with adults and every three seconds with children.

C. Circulation - Stop any bleeding

- Uncover bleeding wound. Stop bleeding by direct pressure on the wound with thick pad of bandage or cloth.
- Bleeding limbs should be elevated to prevent bleeding.
- Do not remove foreign objects from bleeding wound.
- Apply pads and bandage them around the wound. Do the same if broken bones are visible.

Procedure to perform Mouth to Mouth Resuscitation

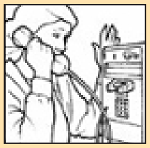

Step 1
Call Ambulance

Step 2
Tilt Head, Lift Chin, Check Breathing

Step 3
Give two Breaths

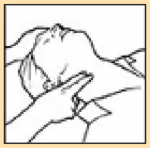

Step 4
Check Pulse

Step 5
Position hands in the center of the chest

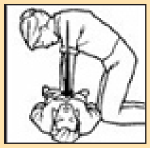

Step 6
Firmly push down two inches on the chest 15 times

Continue with two breaths and 15 pumps until help arrives.

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

"चिकित्सा उपचार के लिए लाए गए प्रत्येक घायल नागरिक को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि उसके जीवन की रक्षा की जा सके और तत्पश्चात कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ की जाए जिससे कि लापरवाही के कारण किसी की मृत्यु न हो। जब किसी चिकित्सक को तत्काल किसी घायल व्यक्ति की चिकित्सा करने के लिए बुलाया या अनुरोध किया जाता है तो इससे उस चिकित्सक को किसी प्रकार की कानूनी जटिलता का सामना नहीं करना पड़ता है। किसी व्यक्ति के जीवन की रक्षा करना न केवल चिकित्सक के लिए प्राथमिक दायित्व होना चाहिए बल्कि पुलिस तथा किसी अन्य नागरिक, जो इस प्रकार की घटना से संबंधित है या जिसने इस प्रकार की घटना को देखा है, उसका भी यह प्राथमिक दायित्व होना चाहिए।

"भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया कोड, मोटर वाहन अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि किसी गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को या दुर्घटना के मामले में पुलिस के वहां पहुंचने तथा उस मामले की जांच–पड़ताल करने, प्रथम सूचना रिपोर्ट/एफआईआर तैयार करने तथा पुलिस द्वारा अन्य औपचारिकताओं से पूर्व डॉक्टर पीड़ित व्यक्ति को चिकित्सा उपचार नहीं दे सकता है"।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णयः दंड रिट याचिका सं. 270. 1988, डी/–28.8.1989 (एआईआर 1989 सर्वोच्च न्यायालय 2039) में पं. परमानंद कटारा बनाम केन्द्र सरकार।

Supreme Court Ruling

"Every injured citizen brought for medical treatment should instantaneously be given medical aid to preserve life and thereafter the procedural criminal law should be allowed to operate in order to avoid negligent death. There is no legal impediment for a medical professional when he is called upon or requested to attend to an injured person needing his medical assistance immediately. The effort to save the person should be the top priority not only of the medical professional but even of the police or any other citizen who happens to be connected with that matter or who happens to notice such an incident or a situation."

"There are no provisions in the Indian Penal Code, Criminal Procedure Code, Motor Vehicles Act, which prevents doctors from promptly attending to serious injured persons and crash cases before arrival of the police and their taking into cognizance of such cases, preparation of FIR and other formalities by Police."

Supreme Court Judgment: In the case of Pt. Parmanand Katara vs Union of India in Criminal Writ Petition No. 270 of 1988, D/-28.8.1989 (AIR 1989 Supreme Court 2039).

अध्याय/Chapter – 5

सामान्य गलतियों को जानकर ड्राइविंग सुधारें
Know common Mistakes & Improve your Driving

1. ध्यान खोना – ध्यान बंटना
– शांत बने रहें और ड्राइविंग पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करें।
– अपने बाकी कार्यों पर नहीं, बल्कि अपनी यात्रा पर ध्यान केंद्रित करें।

2. अनिंद्रा अवस्था में ड्राइविंग
– समय–समय पर या आवश्यकतानुसार रूकें/विश्राम करें।
– सुनिश्चित करें कि लंबे सफर से पहले पर्याप्त विश्राम लें।

3. कार के भीतर ध्यान बंटना (सेल फोन, रेडियो, यात्री)
– ड्राइविंग करते समय सेल फोन के इस्तेमाल से बचें।
– यात्रा शुरू करने से पहले यात्रा की योजना बनाएं और उसका अध्ययन करें।

4. मौसम की प्रतिकूल स्थितियों के मुताबिक चलने में विफलता
– वर्षा के दौरान गति कम करें।
– वाहनों के बीच उचित दूरी बना कर रखें।
– कम दिखाई देने पर परिस्थिति के अनुसार ध्यानपूर्वक गाड़ी चलाएं।

5. उदंडतापूर्वक ड्राइविंग (सामने के वाहन के बहुत नजदीक गाड़ी चलाना, लाल बत्तियां और ठहरने के चिन्ह को लांघना)
– यात्रा के लिए अपने आपको पर्याप्त समय दें।
– शांत बने रहें और सुरक्षित रूप से गाड़ी चलाएं।

1. Loosing attention - 'zoning out'
- Stay relaxed but totally focused.
- Concentrate on your journey, not your pending issues.

2. Driving while drowsy
- Take breaks frequently or as required.
- Make sure to get adequate rest before long trips.

3. Getting distracted inside car (cell phone, radio, passengers)
- Avoid using cell phone while driving
- Plan and study your trip prior to commencing

4. Failing to adjust to adverse weather conditions
- Slow down in rain
- Allow for longer stopping distances
- Adjust for poor visibility

5. Driving aggressively (tailgating, jumping red lights, and stop signs, etc.)
- Allow yourself ample time to make the trip.
- Remain calm and drive safely.

6. अन्य ड्राइवरों के इरादों का अनुमान लगाएं।

– रक्षात्मक तरीके से गाड़ी चलाएं।

– अचानक होने वाली घटना के लिए सुरक्षा उपाय अपनाएं।

– अपने इरादे जताएं, मोड़ पर सिग्नल आदि का इस्तेमाल करें।

– यातायात चिन्हों का पालन करें।

– याद रखें कि आदर्श स्थितियों में गति सीमा एक निर्धारित कानून सीमा होती है, परिवर्तनों के लिए स्थान रखें।

7. आसानी से दिखाई न पड़ने वाले स्थानों की जांच किए बिना लेन बदलना

– सिग्नल दें, शीशे देखते हुए, सरसरी निगाह डालें।

– धीरे–धीरे लेन बदलें।

8. दु:खी अवस्था में गाड़ी चलाना।

– इससे बचें क्योंकि यह नशे की अवस्था में गाड़ी चलाने के समान है।

9. वाहन के आवश्यक रखरखाव की अनदेखी करना (ब्रेक लाइट, घिसे हुए टायर्स आदि)

– प्रत्येक सप्ताह रखरखाव की जांच करें।

– प्रत्येक 15000 किमी. पर ब्रेक पैड्स बदलें।

– घिसे हुए टायर बदलें।

6. Anticipate about other drivers intentions

- Drive defensively
- Allow cushion for the unexpected
- Make your int entions clear, use turn signal's etc.
- Obey the traffic signs
- Remember the speed limit is the legal limit in ideal conditions, allow for deviations.

7. Changing lanes without checking blind spots

- Signal, check mirrors, then use quick glance
- Make lane changes gradually

8. Driving while upset

- Avoid this, as it is comparable to driving intoxicated.

9. Ignoring essential auto maintenance (brake lights, bald tyres, etc.)

- Do weekly maintenance checks
- Replace brake pads every 15000 kms.
- Replace worn out tyres

अध्याय/Chapter – 6

पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षा सुझाव
Safety Tips for Pedestrians

पदयात्री यातायात के सबसे महत्वपूर्ण अंग है, लेकिन सड़क पर उनके लिए अधिक जोखिम होता है। सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए उन्हें चाहिए कि वे सड़क की संरचनात्मक ढांचागत सुविधाओं का पूरा उपयोग करें। सड़क पार करने के सबवे (तलमार्ग) जेबरा क्रॉसिंग, फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करना चाहिए। सड़क पार करने के शॉर्ट कट या आसान विकल्प खतरनाक हो सकते हैं और उनका सहारा नहीं लेना चाहिए।

सड़क पर निम्नलिखित सामान्य तरीके आपको सुरक्षित रखेंगे:

- ध्यानपूर्वक चलें।
- सामने से आ रहे यातायात को देखें।
- जब आप सड़क पार कर रहे हों तो कभी यह मानकर नहीं चलें कि ड्राइवर ने आपको देख लिया है। अपने जीवन की रक्षा आपकी अपनी जिम्मेदारी है।
- जहां ड्राइवर नहीं देख पाए, वहां सड़क पार करने से बचें।
- सड़क पार करने से पहले यातायात और आपके बीच उपयुक्त फासला होने का इंतजार करें।
- डिवाइडर रेलिंग्स के ऊपर से कभी भी न कूदें। आप लड़खड़ाकर वाहनों पर गिर सकते हैं।
- बच्चों के साथ सड़क पार करते समय उनका हाथ थामकर रखें।
- सुबह पैदल सैर करने और दौड़ने के लिए सड़क के इस्तेमाल से बचें।
- चढ़ाई पर या टेढ़ा रास्ता पार करते समय अतिरिक्त सावधानी रखें।
- पार्क की गई या खड़ी कारों के बीच रास्ता पार न करें।

Though Pedestrians are the most important constituent of traffic, they belongs to the high risk group on road. In order to remain safe pedestrians should cultivate the habit of using road infrastructure in a safe manner. Subways, Zebra Crossings, foot over bridges should be used to cross the road. Short cuts and easy options of crossing roads can be dangerous and should not be resorted to.

Simple actions on road will keep you safe:

- Walk with care.
- Look towards oncoming traffic.
- Never assume that driver has seen you when you are about to cross the road, take it as your responsibility to save yourself.
- Avoid crossing road where drivers may not be able to see you.
- Wait for suitable gap in the traffic flow before crossing the road.
- Never jump over the divider railings. You may tumble on to the traffic.
- Always hold hands of children while crossing the road.
- Avoid using roads for morning walks and jogging.

- सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग द्वारा सड़क पार करने से आपके समय की बचत होती है।

अपने बच्चों को सड़क पार करने का आचरण / नियम सिखाएं।

10 वर्ष की आयु तक बच्चे स्वयं को सुरक्षित रखने के कौशल तथा क्षमताओं को विकसित कर लेते हैं। इसलिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि जब कभी बच्चे बाहर निकल कर यातायात के आसपास जाएं, तो उनके परिवार का कोई व्यस्क सदस्य अनिवार्य रूप से उनके साथ हो। सड़क पार करते समय हर परिस्थिति में व्यस्क को बच्चे का हाथ पकड़ कर रखना चाहिए।

- यह अत्यंत आवश्यक है कि आप अपने बच्चे को छोटी आयु से ही सिखाएं कि सड़क पार करने से पूर्व रूकें, देखें, सुनें और सोचने–समझने के पश्चात ही सड़क पार करें।
- सड़क पार करने से पूर्व फुटपाथ के किनारे से एक कदम पीछे ही रूकें।
- आते जाते यातायात पर निगाह रखने के लिए सभी दिशाओं की ओर देखें। अपने बच्चों को भी सड़क पार करते समय सभी दिशाओं में देखने के लिए प्रोत्साहित करें न कि केवल बायें और दायें।
- आने व जाने वाले वाहनों की ध्वनि को सुनें।
- सोचें कि उस समय सड़क पार करना सुरक्षित है या नहीं। आने वाले वाहन के ड्राइवर के साथ आंखों का सीधा संपर्क रखें ताकि यह सुनिश्चित हो जाए कि उसने आपको देख लिया है।

सड़क पार करते समय सड़क पर सीधा चलें। सबसे छोटे व प्रत्यक्ष मार्ग से सड़क को तीव्रता के साथ पार करें किन्तु दौड़ें नहीं। सड़क पार करते समय अपना चेहरा आने वाले यातायात की ओर ही रखें और वाहनों को ध्वनि को सुनते रहें।

बच्चे हमेशा बड़ों का अनुसरण करते हैं, इसलिए उनके समक्ष अच्छे उदाहरण प्रस्तुत करें और हर बार सड़क पार करते समय हमेशा रूकें, देखें, सुनें और सोचें।

- Take extra care if you have to cross the road on or near a crest or curve.
- Avoid crossing road between parked cars.
- Crossing road by the shortest and most direct route reduces your time on road.

Teaching your Child safe crossing behaviour.

Till the age of 10 years children may not have developed the skills and abilities to keep themselves safe. It is therefore, necessary that they should always be accompanied by an adult when in or around traffic. An adult should invariably hold child's hand while crossing the road.

- It is important to teach your child from an early age to STOP, LOOK, LISTEN and THINK before crossing.
- STOP one step back from the kerb.
- LOOK in all directions for approaching traffic. Encourage your child to turn his head, looking in all directions - not just left and right.
- LISTEN for approaching traffic .
- THINK whether it is safe to cross. Make an eye contact with drivers to ensure that they have seen you.

Face the approaching traffic and keep LOOKING and LISTENING for traffic while crossing. Children take notice of what adults do. So set a good example and STOP, LOOK LISTEN and THINK every time you cross.

अध्याय/Chapter – 7

साइकिल चालक के लिए सुरक्षा सुझाव
Safety Tips for Cyclist

साइकिल सबसे लोकप्रिय और व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाला गैर–मोटरीकृत वाहन है, इसलिए साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को यातायात के नियमों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। सड़क पर चोटग्रस्त होने वाले साइकिल सवारों में लगभग 40 प्रतिशत वे बच्चे होते हैं जिनकी उम्र 16 वर्ष से कम होती है। इसलिए, सड़क पर साइकिल चलाना कभी नहीं सीखना चाहिए। किसी भी वयस्क व्यक्ति की मौजूदगी में पार्क या खेल के मैदान जैसे सुरक्षित स्थानों पर ही साइकिल चलाना सीखें। यदि आपको सड़क सुरक्षा से संबंधित प्राथमिक बातों की जानकारी नहीं है तो साइकिल चलाने के बारे में आपका ज्ञान अधूरा है।

हमेशा:

- साइकिल को सुचारू स्थिति में रखें। उसे चलाने से पहले ब्रेक, टायर, हवा के दबाव, घंटी, लाइट और चेन की जांच करें।
- यातायात नियमो का पालन करें। मुड़ते समय यातायात पर नजर डालें और हाथ से संकेत दें।
- साइकिल पर क्षमता से अधिक भार न लादें। साइकिल एक या अधिकतम दो व्यक्तियों के बैठने के लिए होती है।
- सड़की की बायीं ओर चलें।
- ओवरटेकिंग से बचें। यदि सड़क संकरी है तो ''एक कतार'' में रहें।
- सड़क पर कलाबाजी न करें। हैंडल के दोनों डंडों पर अपने हाथ रखें।
- यदि उपलब्ध हो तो सिर्फ साइकिल मार्गों का उपयोग करें।
- सड़क पर हमेशा चौकस रहें।
- रात को चटकीले रंग के कपड़े पहनें और चमकती लाइट रखें।
- साइकिल पर रिफ्लेक्टिव (परावर्तक) टेप लगाएं, ताकि वह रात में भी दिखाई दें।

Bicycles are the most popular and widely used non-motorized vehicle as for other road user, a cyclist should know the traffic rules. Almost 40 percent of injuries & fatalities of cyclists happen to children below 16 years. Never learn cycling on public roads. Practice it in safer places like parks or play grounds in the presence of an adult. Your knowledge of cycling is incomplete, if you do not know the basics of road safety

Always:

- Keep cycle in working condition. Check brakes, tyre, air pressure, bell, light and chain before you ride it.
- Obey traffic signals. While taking turns watch out for traffic and give signal by hand.
- Do not overload. A bicycle is for one person and a maximum of two.
- Move on the left side of the road.
- Avoid overtaking. Be in single file if the road is narrow.
- No acrobatics on road, keep both hands on the handle bar.
- If available, use only cycle tracks.
- Remain constantly alert on the roads.
- Wear bright clothes and have bright light at night.
- Use retro reflective tapes on cycle to make it visible at night.

अध्याय/Chapter – 8

स्कूल बस के लिए सुरक्षा सुझाव
Safety Tips for School Bus

स्कूल बस की सुरक्षा सभी अभिभावकों, शिक्षकों और बस स्टाफ की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी सिर्फ बस स्टॉप पर ही समाप्त नहीं हो जाती। हमें अपने बच्चों को समुचित और सुरक्षित ढंग से स्कूल बस के उपयोग के बारे में सिखाना चाहिए।

बच्चों को सिखाना चाहिए कि जब वे स्कूल बस में चढ़ें तोः

- जल्दबाजी न करें, बस के रूकने का इंतजार करें।
- एक कतार में रहकर बस में प्रवेश करें।
- रेलिंग पकड़कर बस में प्रवेश करें।
- देख लें कि आपका बैग या कपड़े आदि कहीं भी न फंसे।
- सीधे अपनी सीट पर जाकर बैठ जाएं।

बस में यात्रा करते हुएः

- सीट पर समुचित ढंग से बैठें और चेहरा सामने रखें।
- अपने शरीर का कोई भी अंग बस से बाहर न निकालें।
- पायदान पर यात्रा न करें।
- बस का गलियारा खाली रखें।
- शोरगुल न करें और ड्राइवर का ध्यान न बटाएं।
- ड्राइवर और कंडक्टर के निर्देशों का पालन करें।

बस से उतरते समयः

- जल्दबाजी न करें, बस के रूकने का इंतजार करें।
- रेलिंग का उपयोग करते हुए बस से उतरें।
- बस के अगले दरवाजे से बाहर निकलें।
- उतरते समय ड्राइवर आपको देख सकें।
- खोई चीजें वापस लेने के लिए बस के नीचे न जाएं।
- बस के पीछे न चलें, जहां ड्राइवर नहीं देख सकता।

School bus safety is the responsibility of parents, teachers and bus staff. Our responsibility does not end at bus stop. We should teach our children to use the School bus properly and safely.

Children should be taught about boarding the bus:

- Do not hurry, wait till the bus stops.
- Enter the bus in single file line.
- Hold hand rails and enter.
- Ensure that your bag or clothes don't get stuck anywhere.
- Go straight to your seat .

While traveling in bus:

- Be seated properly and face forward.
- Do not put any part of your body outside the bus.
- Do not travel on footboard.
- Keep the aisle clear.
- Do not make much noise and distract driver.
- Follow the instruction of driver and conductor.

While alighting from the bus:

- Do not be in a hurry, wait till the bus stops.
- Use handrails to get off the bus.
- Exit from the front door of the bus.
- Be visible to the driver while alighting.
- Do not crawl under the bus to pick up lost things.
- Never move behind the bus, the blind spot of driver.

अध्याय/Chapter – 9

पार्किंग करने के सही तरीकों को जानें
Know the Correct Way of Parking

पार्किंग ड्राइविंग शिष्टाचार का एक अभिन्न अंग है। आप चाहे कितने ही अच्छे ड्राइवर क्यों न हों यदि आप अपने वाहन को सही प्रकार से पार्क नहीं कर पाते हैं तो आपको ड्राईविंग के कुछ और पाठ सीखने होंगे। पार्किंग के दौरान निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए:

- सदैव प्राधिकृत पार्किंग में ही अपना वाहन पार्क करें।
- यदि आप पार्किंग में वाहन को लगाने में स्वयं को सक्षम नहीं पाते हैं तो पार्किंग के लिए किसी पार्किंग सहायक से मदद ले लें।
- फुटपाथ के कोने पर लम्बाई में वाहन को पार्क करते समय वाहन को सदैव खाली स्थान पर आगे से पीछे की ओर रिर्वस करे पार्क करें।
- पार्किंग के दौरान सदैव इंडीकेटर का प्रयोग करें।
- समानांतर पार्किंग का प्रयोग करें।
- पार्क करने के पश्चात अपनी कार का दरवाजा खोलते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह दूसरे वाहन से न टकराएं।
- पार्किंग में सदैव कार के हैंडब्रेक को लगाकर रखें।
- ढलान व पहाड़ी क्षेत्रों में वाहन को पार्क करते समय यदि ढलान पीछे की ओर है तो वाहन में आगे का गियर लगाएं और यदि ढलान वाहन के आगे की ओर है तो रिवर्स गियर में रखें।
- हमेशा हैंडब्रेक को खींचकर रखें जब तक सहायक न कहें।
- पार्किंग सहायक से पार्किंग की रसीद लेना न भूलें।
- सड़क पर "यहां खड़े न हों/यहां प्रतीक्षा न करें/यहां पार्किंग न करें" चिन्हित बोर्डों का अनुपालन करें।
- अव्यवस्थित रूप से अपने वाहन को पार्क न करें जिससे कि अन्य ड्राइवरों को समस्या का सामना न करना पड़े।,
- पार्किंग में खड़े अपने वाहन में मूल्यवान वस्तुएं न छोड़ें।
- पार्किंग में खड़े अपने वाहन में बच्चों को छोड़कर तथा वाहन को लॉक करके न जाएं।
- रात्रि में वाहन पार्क करते समय पार्किंग लाइट जलाकर रखें।
- पार्किंग के लिए झगड़े से बचें।

Parking is an integral part of driving etiquettes. How good driver you may be but if you cannot park your vehicle properly, you still have to learn few lessons on driving.

- Always look for authorized Parking.
- If you are not apt at maneuvering vehicle at parkings, ask attendant to do it .
- While parking through the length of kerb always try to park vehicle by reversing it into the space. It allows you more maneuverability.
- Always use your indicators while parking.
- Opt for parallel parking.
- While opening door of a car ensure it doesn't bang another car.
- While parking in areas with slope and hilly areas keep the vehicle in forward gear. If the slope is towards the front of the vehicle, park it with gear in reverse position.
- Always pull hand brake unless asked by the attendant.
- Do not forget to take receipt from the parking attendant.
- Respect No standing/No waiting/No parking zones on road.
- Do not park the vehicle in haphazard manner, which may cause problems to other drivers.
- Avoid keeping your valuables in parked car.
- Never leave children in a parked and locked car.
- At night park your vehicles with parking lights on.
- Avoid parking brawls, it is also a form of road rage.

अध्याय/Chapter – 10

वाहन का सही रखरखाव
Vehicle Maintenance

वाहनों का रखरखाव ऐसा तथ्य है जिसकी हम सभी अनदेखी करते हैं जब तक कि हमारा वाहन खराब नहीं हो जाता। तब हम सोचते हैं कि वाहन में क्या खराबी आ गई है। अनुरक्षण वाहन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। यह वाहन की लंबी आयु, उसका कुशल निष्पादन तथा विश्वसनीयता का निर्धारण करती है। वाहन के अनुरक्षण से तात्पर्य वाहन के बाहरी पेंट की देखरेख तथा उसे साफ–सुथरा रखने से कहीं अधिक है।

अनुरक्षण से तात्पर्य वाहन के सभी कल–पुर्जो की देखरेख है, जो कि बोनट के अंदर भी है। बोनट के भीतर के पुर्जे ही प्रत्यक्ष रूप से वाहन के कुशल कार्यनिष्पादन से संबंधित होते हैं। वाहन को नियमित अंतराल पर सर्विस स्टेशन ले जाने के अतिरिक्त आपको वाहन स्वामी नियमावली का भी अवलोकन करना चाहिए जिसमें वाहन के दैनिक अनुरक्षण की जानकारी उपलब्ध होती है।

बैटरी की जांच करना, तेल की निरंतर जांच, तेल को बदलना, विद्युतीय प्रणाली की जांच कुछ ऐसे अपरिहार्य कारक हैं कि वाहन को अच्छी स्थिति में रखने के लिए जिनकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

- सही ढ़ंग से अनुरक्षित वाहन ईंधन व धन की बचत करता है, दीर्घकालीन अनुरक्षण लागतों को कम करता है, हानिकारक रेचन उत्सर्जनों को न्यूनतम बनाता है। एक सुअनुरक्षित वाहन उस समय भी अधिक विश्वसनीय व मूल्यावान होता है जब आप इसे बेचने जाते हैं।
- वाहन की स्वामी नियमावली को ध्यानपूर्वक पढ़ें ताकि आप वाहन के अनुरक्षण कार्यक्रम तथा आवश्यकताओं से भली–भांति परिचित हो सकें। विभिन्न वाहनों का अनुरक्षण कार्यक्रम भिन्न–भिन्न होता है और वाहन के विनिर्माता को इसका सर्वोत्तम ज्ञान होता है।
- अपने वाहन की सर्विसिंग एक प्रशिक्षित वाहन विशेषज्ञ से ही कराना लाभदायक होता है। उनके पास वाहन में खराबी का पता लगाने व उसे ठीक करने के लिए उचित ज्ञान तथा औजार उपलब्ध होते हैं।
- सदैव आईएसआई या आईएसओ चिन्हित मोटर ऑयल का ही प्रयोग करें। तेल में पैसा बचाकर दीर्घकालीन समस्याएं उत्पन्न हो सकती है और वाहन बार–बार खराब हो सकता है। सस्ते तेल न केवल वाहन के इंजन को

Maintenance of vehicles is something most of us ignore until our vehicle stops functioning. And then we wonder what went wrong. Maintenance is one of th e most neglected aspects of vehicle. It determines the longevity, performance and reliability of vehicle you drive. Maintenance of vehicle is lot more than taking care of its external coat of paint and keeping it clean and shiny.

Maintenance means taking care of all the parts, even those that are inside the bonnet. These are the ones that directly concern th e performance of your vehicle. Besides taking it to the service station at regular periods, it is a good idea to go through the owner's manual that will give a fair idea about its routine maintenance.

Checking the battery, keeping a check on the oils, changing the oils, checking the electrical system, are some of the absolutely unavoidable things to keep your vehicle in good shape.

- A properly maintained vehicle will save fuel and money, reduce your long- term maintenance costs and minimize harmful

खराब करता है बल्कि इंजन की कुशलता तथा वाहन के माइलेज को भी कम करता है।

- वास्तविक तथ्य यह है कि यदि वाहन का उचित अनुरक्षण न किया जाए तो आपके वाहन की यांत्रिकी प्रणाली वाहन की ईंधन कुशलता को प्रभावित कर सकती है। इंजन की जांच करने, कूलिंग तथा इग्निशन प्रणाली, ब्रेकों तथा सस्पेंशन तथा उत्सर्जन–नियंत्रण प्रणाली की जांच व परीक्षण के लिए विनिर्माता द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन करें।
- वाहन को 8 पीएसआई फुलाव के अंतर्गत केवल एक टायर से चलाने के कारण टायर की आयु 15000 कि.मी. तक कम हो सकती है और वाहन की ईंधन खत 4 प्रतिशत बढ़ सकती है। उन्नत ईंधन कुशलता तथा संवर्धित सुरक्षा के लिए टायरों के अनुरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
- तीव्र गर्मी तथा तीव्र सर्दी के मौसम के दौरान आपके टायरों को विशेष रख–रखाव की आवश्यकता होती है। ठंडा तापमान टायरों में वायु के दबाव को कम करता है जिससे बर्फ तथा कीचड़ के कारण चल–प्रतिरक्षण को बढ़ा देता है, जबकि गर्मियों के मौसम में ताप टायर में दबाव को बढ़ा देता है। टायरों में वायु के दबाव की नियमित जांच की जानी चाहिए विशेष रूप से तापमान में तीव्र परिर्वतन के दौरान।
- खराब रूप से अनुरक्षित वाहनों में ईंधन की खपत 15 प्रतिशत तक बढ़ सकती है और इससे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी कई गुणा बढ़ जाता है।

exhaust emissions. A well-maintained vehicle is also more reliable and will worth more when you want to resell it.

- Read the owner's manual carefully to become familiar with your vehicle's maintenance schedule and requirements. Maintenance schedules vary widely from one vehicle to another - the manufacturer of your vehicle knows better.
- It is best to get servicing of your vehicle done by the trained automotive professionals. They have the knowledge and tools to diagnose and correct problems.
- Always purchase ISI or ISO marked motor oils. Saving money on oils can lead to long term problems and frequent break downs of the vehicle. Cheap oils not only spoil the machine but also reduces the efficiency of engine and mileage of the vehicle.
- Virtually all of your vehicle's mechanical systems can affect fuel efficiency if not properly maintained. Follow the manufacturer's recommendations for checking the engine, cooling and ignition system, brakes, suspension and emission-control system.
- Operating a vehicle with just one tyre under inflated by 8 psi can reduce the life of the tyre by 15,000 kilometers and increase the vehicle's fuel consumption by 4 percent. For improved fuel efficiency and enhanced safety, give your tyres the attention they need.
- Your tyres need special attention during extreme winter and extreme summers. Cold temperatures decrease the air pressure in tyres, which adds to the rolling resistance caused by snow and slush, while in summers heat increases the pressure in tyres. Measure tyre pressure regularly, especially after a sharp drop in temperature.
- A poorly maintained vehicle can increase fuel consumption by up to 15 percent and also increase polluting gas emissions manifold.

अध्याय/Chapter – 11

कठिन परिस्थितियों में ड्राइविंग
Driving Under Difficult Conditions

कोहरा

कोहरे के दौरान गाड़ी चलाते समय गति कम करें और हेडलाइट को ऑन रखें। हेडलाइट को हमेशा नीची (लो) बीम मोड में रखें ताकि आप सड़क को पूरी तरह से देख सकें। कोहरे के दौरान उच्च बीम सहायक नहीं होती है क्योंकि कोहरे के आर–पार देखा नहीं जा सकता। यदि आपके वाहन में फॉग लैम्प लगे हैं तो उन्हें ऑन रखें। कोहरे में न सिर्फ देखना महत्वपूर्ण है, बल्कि दूसरे को दिखाई देना भी महत्वपूर्ण है। हमेशा चौकस रहें और निम्नलिखित ऐहतियाती कदम उठाएं:

- कोहरे में हमेशा धीमी गति से गाड़ी को चलाएं।
- अपने वाहन की हेडलाइट को ऑन रखें और नीची (लो) बीम मोड में रखें।
- सुनिश्चित करें कि दूसरों को आप दिखाई दे रहे हैं। अपने वाहन के फॉग लैम्प और पार्किंग लाइट ऑन करें।
- डिफ्रोस्टर और विंडस्क्रीन वाइपर का इस्तेमाल करें।
- वाहनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- अगर गाड़ी चलाना असम्भव हो तो उसे किनारे पर खड़ी करें और सारे इंडीकेटर ऑन कर दें।

पहाड़ पर ड्राइविंग

पहाड़ों पर वाहन चलाना मुश्किल होता है और अनुभवी एवं निपुण ड्राइवर को ही यह करना चाहिए। जटिल भौगोलिक स्थिति होने के कारण पहाड़ों पर गाड़ी चलाना मैदानी इलाकों की तुलना में कठिन होता है। पहाड़ों में सड़कों का डिजाइन भिन्न प्रकार का होता है। असंख्य मोड़ होने के कारण ड्राइवर

Fog

While driving in fog, reduce speed and turn headlights on. Always keep headlight on low beam mode, so that you can see road properly. The high beam does not help in fog as one cannot see through fog. If your vehicle has fog lamps turn them on. While in fog, not only seeing is important, but also being seen is important. Always be attentive and take some precautions as follows:

- Always drive slow in fog
- Turn on your headlights and keep them in low beam mode
- Make sure that you are seen. Turn on your fog lamps and parking lights
- Use defroster and windscreen wipers
- Always keep safe distance between vehicles
- If it is really impossible to drive pull off completely and keep your blinkers on

Hill Driving

Hill driving is difficult task and should be undertaken by experienced and apt drivers. Hill driving is different from driving in plain areas due to complex topography. Roads are designed differently in hills. The view of driver is restricted due to innumerous turns and suffers more

की दृष्टि सीमित दायरे पर होती है। वाहन को इधर–उधर मोड़ते रहने से ड्राइवर अधिक थकता है।

पहाड़ों पर ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:

- यदि आप निपुण ड्राइवर नहीं हैं तो पहाड़ी सड़कों पर वाहन न चलाएं।
- गति सीमा का हमेशा पालन करें व मोड़ पर गति कम करें।
- हमेशा चौकस रहें और कार स्टीरियो आदि जैसी चीजों के कारण ध्यान भंग न होने दें।
- पहाड़ पर चढ़ने वाले यातायात को हमेशा रास्ता दें
- कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं।
- मोड़, घुमाव और पुल आदि पर ओवटेक न करें।
- वाहन पर क्षमता से अधिक लदान न करें।
- मोड़ और कैंची मोड़ पर क्लच पैडल के इस्तेमाल से बचें।
- पहाड़ से उतरते समय वाहन को न्यूट्रल में न चलाएं।
- मोड़ पर हमेशा हॉर्न बजाएं।
- पहाड़ पर यात्रा शुरू करने से पहले हमेशा वाहन, खासकर ब्रेक्स और टायर, की जांच कर लें।

रात में ड्राइविंग

रात में ड्राइविंग के दौरान दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं अधिक होती हैं। अंधेरे में ड्राइविंग खतरनाक भी होती है और चुनौतीपूर्ण भी। रात के समय ड्राइविंग अधिक खतरनाक हो जाती है क्योंकि रात में आपकी दृश्यता दूरी कम हो जाती है।

रात के दौरान ड्राइविंग को सुरक्षित बनाने के उपाय:

- यह सुनिश्चित कर लें कि आपके वाहन की सभी हेडलाइट, टेललाइट तथा दिशा संकेतक सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं।
- रात के समय वाहन को धीमी गति से चलाएं।

fatigue due to excessive maneuvering of vehicle.

While driving on hill, driver should take care about following points :

- If you are not apt driver, do not drive on hilly roads.
- Always follow the speed limits and reduce speed at turns.
- Always be attentive and avoid distractions like car stereos etc.
- Always give priority to uphill traffic by giving it way.
- Never drive in hills under the influence of alcohol.
- Do not overtake on turns, curves and bridges.
- Do not overload the vehicle.
- Avoid using clutch pedal at turns and hairpin bends.
- Do not run vehicle on neutral while driving down hill .
- Always blow horn on turns.
- Always check the vehicle specially brakes and tyres before starting hill Journey.

Night Driving

Crashes are more likely when driving at Night. Darkness can make driving a dangerous as well as challenging job. Night driving is more dangerous as your visibility space becomes limited at night.

Tips to make night driving safer:

- Make sure vehicle headlights, taillight and directional signals are operational.
- Drive slowly at night

- अपने वाहन तथा अन्य वाहनों के बीच अधिक दूरी बनाकर चलें।
- सुप्रकाशित मार्गों पर लो–बीम पर गाड़ी चलाएं अर्थात हेडलाइट को डिप डाउन पर रखें।
- धुंध के मौसम में सदैव लो–बीम पर गाड़ी चलाएं।
- रात के समय सड़क पर कभी भी वाहन को खड़ा न करें क्योंकि रात्रि में दूर से आने वाले वाहन को यह पता नहीं चल पाता है कि सामने वाला वाहन खड़ा है या चल रहा है तब तक काफी देर हो चुकी होती है।
- कभी भी नशे में में गाड़ी न चलाएं। शराब व्यक्ति के नेत्रों की क्षमता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।
- रात के समय जब रेट्रो रिफलेक्टिव टेप पर प्रकाश पड़ता है तो वह चमकती है। अब सड़क पर वाहन खराब होने पर उसके पीछे रेट्रो ट्राइएंगल रखना अनिवार्य है। रेट्रो रिफलेक्टिव टेप आपकी दृश्यता को सुनिश्चित करता है फिर चाहे वाहनों की टेल लाइट खराब ही क्यों न हो। अपनी व वाहन की सुरक्षा के लिए रात के समय इसका प्रयोग अवश्य करें।

वर्षा के दौरान ड्राइविंग

वर्षा के मौसम में ध्यान रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वर्षा के दौरान तथा बर्फ पड़ते समय वाहन की ब्रेकें अपनी क्षमता से कम काम करती हैं।

वर्षा के दौरान निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए:

1. वाहन को धीमी गति से चलाएं।
2. बार–बार ब्रेक पैडल को दबाते रहें ताकि पता चल सके कि ब्रेक सही कार्य कर रही है या नहीं।
3. अपने विंड–स्क्रीन वाइपरों तथा डैमिस्टरों का निरंतर प्रयोग करते रहें।

- Keep more space between your vehicle and other vehicles.
- Only use high beams in dark or remote areas where you can't see the road surface ahead.
- On well lit corridors, drive with low beam, i.e., head lights dipped down.
- Always use low beam when driving in fog.
- Never stop on any roadway at night, it is hard for an approaching driver to tell whether or not a stopped car is moving until it is too late.
- Never drink and drive. Alcohol can drastically slow the direct effect of eye's sensibility.
- Retro-reflective tapes reflect when light falls on it during night. Now it is also mandatory to keep Retro-reflective triangle behind the vehicle during breakdown. Retro-reflective tapes ensure your visibility even when vehicle taillights go off. Always use it to be safe at night .

Driving in rain

The most important thing to remember is that brakes perform below their capacity during rain and snowfall.

Following should be kept in mind during rain:

1 Drive slow.

2 Keep pedalling your brakes to check their performance.

3 Use your wind-screen wipers and demisters.

4. कई बार बारिश के पानी तथा तेल के कारण सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं। इस प्रकार की स्थिति में वाहनों के फिसलने की संभावना बढ़ जाती है। दुपहिया वाहन चालकों को ऐसी स्थिति में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।
5. अपने वाहन तथा अन्य वाहनों के बीच की दूरी बढ़ा लें ताकि आवश्यकता पड़ने पर आपको अपना वाहन रोकने के लिए समय व अंतर मिल सके।
6. तीखे मोड़ न काटें।
7. यदि तेज वर्षा हो रही हो तो अपने ब्लिंकर ऑन रखें।
8. पानी से भरी सड़कों पर वाहन सावधानीपूर्वक तथा धीमी गति से चलाएं क्योंकि सड़कों पर गड्ढे हो सकते हैं।
9. यदि आपके वाहन में पावर ब्रेक नहीं हैं तो अपने वाहन को अधिक सावधानी पूर्वक तथा अत्यंत धीमी गति से चलाएं।
10. जरूरी न हो तो ओवरटेकिंग न करें।
11. अगर आप कुशल चालक नहीं हैं तो पहाड़ी सड़क पर बारिश के दौरान गाड़ी न चलाएं।
12. सुनिश्चित कर लें कि आपके वाहन के टायर सही प्रकार से अनुरक्षित हों तथा उनका तला साफ व सही स्थिति में हो।
13. समझदारी से वाहन को चलाएं तथा पानी से भरी सड़कों पर तीव्र गति से न चलाएं अन्यथा उसके छीटें अन्य सड़क प्रयोक्ताओं पर पड़ सकते हैं।
14. अपने मड–फ्लेप को सही स्थिति में रखें।
15. मानसून के दौरान अपने वाहन में छाता अवश्य रखें।

4 Sometimes road becomes slippery because of the mixture of rain water and oil. Vehicle skids on such surfaces. So two wheeler drivers must take extra care.

5 Increase the distance between two vehicles, so that you get time to stop your vehicle.

6 Do not take sharp turns.

7 If rain is heavy, keep your blinkers on.

8 Drive carefully and slow through water inundated roads as there could be potholes.

9 If you do not have power brakes in your vehicle, drive more cautiously and dead slow.

10 Do not overtake unnecessarily.

11 If you are not apt driver do not drive on hills during heavy rains.

12 Ensure your tyres are properly maintained, with clean and visible treads.

13 Drive sensibly; do not speed up through collected water to splash it on others.

14 Keep your mud flaps in good condition.

15 Always keep umbrella in your vehicle during monsoon.

अध्याय/Chapter – 12

शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचें
Avoid Drinking & Driving

पार्टियां करना आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है किन्तु शराब व अन्य नशे की दवाओं के कारण ये मनोरंजक पार्टियां मातम में बदल जाती हैं। पार्टियां जीवन का उत्साह प्रदर्शित करती हैं जो हमे खुशियां देती हैं। हर रोज हम समाचार पत्रों में दुर्घटनाओं के बारे में पढ़ते हैं जिनमें युवा किशोर अपने जीवन से हाथ धो बैठते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने परिवार के संबंध में ऐसी खबर नहीं सुनना चाहता है और ना ही हम यह चाहते हैं कि बिना किसी बीमारी के किसी भी व्यक्ति की मृत्यु इस प्रकार सड़क पर हो। समाज को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए मनोरंजन करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

- देर रात तक चलने वाली पार्टियों से बचें।
- पार्टी में शराब आदि का सेवन न करें।
- जब कभी आपको लगे कि आपको आने में देरी हो सकती है तो अपने ड्राइवर को साथ रखें।
- रात की पार्टियों में जाते समय आपका एक ऐसा मित्र अवश्य ही साथ में होना चाहिए जो मदिरापान न करता हो और उसे ड्राइविंग भी आती हो।
- यदि कोई आपसे कहता है कि आप गाड़ी चलाने की स्थिति में नहीं है तो उसकी बात मान लें और ड्राइविंग न करें।
- अधिकतर दुर्घटनाएं रात्रि 2 बजे से सुबह 6 बजे के बीच में होती हैं।
- पार्टी के बाद ड्राइविंग रोमांचक हो सकती है किन्तु अपने जीवन को खतरे में मत डालें।
- सदैव अपने परिवार के संपर्क में रहें।
- इन सभी बिंदुओं के प्रति सावधान रहें तथा एक विवेकपूर्ण व सुरक्षित नागरिक बनें।

Partying is a way of life today but alcohol and drug abuse can turn it into mourning. Partying is cherishment of life which gives you happiness. Any impediment to this happiness is uncalled for. Every day we read news about crashes and young people losing their lives on road. Nobody wants such news to emanate from their family, nor do we want people loose life on road. To make society safe, following points should be kept in mind while celebrating.

- Avoid late night parties.
- Avoid alcohol in party.
- When you feel you will get late, consider taking a driver with you.
- Always have a friend who is teetotaler and knows driving when partying late during nights.
- If somebody tells you that you are not fine to drive, believe him and do not drive.
- Maximum crashes take place during wee hours i.e. 2 am to 6 am.
- Driving after party could be fun but don't put your life on stake.
- Always keep your family informed.
- Take heed to these points and be a wise and safe citizen.

अध्याय/Chapter – 13

लेन ड्राइविंग सुझाव
Lane Driving Tips

''लेन ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग है'' जो हमेशा सड़क प्रयोगकर्ताओं के लिए सही साबित होती है। भारत में यह कहावत पोस्टरों, पर्चों और होर्डिंगों में ही नजर आती है। हम बहुत कम देखते हैं कि वाहनों के ड्राइवर इस कहावत का किसी भी रूप में अनुसरण करते हैं।

- लेन ड्राइविंग तथा अपनी लेन में बने रहना, ड्राइविंग की सबसे आसान विधि है। लेन ड्राइविंग की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को तभी सफल बनाया जा सकता है जब अधिकतर ड्राइवर लेन ड्राइविंग की विधि का अनुसरण करें। कुछ लोग लेन ड्राइविंग का अनुसरण करें और अधिकतर अव्यवस्थित रूप से ड्राइविंग करें, ऐसे में इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।
- यदि लेन ड्राइविंग का सही ढ़ंग से अनुसरण किया जाए तो ओवरटेंकिंग भी सुगम हो जाएगी। पर्वतीय सड़कों पर लेन ड्राइविंग अत्यंत आवश्यक है। अधिकतर सड़कों पर मध्य रेखा चिन्हित होती है। तथापि, यदि जब किसी सड़क पर लेनों के लिए उचित मार्किंग न भी हो तो भी आपको पता होना चाहिए कि आपको किस लेन में चलना है।
- ड्राइवर को हमेशा रक्षात्मक छोर पर होना चाहिए। कभी दूसरे ड्राइवर पर भरोसा न करें। आपको दुर्घटना से बचने के लिए सबसे सुरक्षित माध्यम को ध्यान में रखना चाहिए और अपनी लेन में ही वाहन को चलाना सुरक्षित ड्राइविंग का सर्वोतम तरीका है।

LANE driving is sane driving; this adage has always proved good to the user. In India the saying remains on posters, pamphlets and hoardings only. We seldom see drivers following it in practice.

- Lane driving or sticking to your lane is one of the easiest ways to drive safely. The method of lane driving can only be made successful when most of the drivers follow it, few following lanes and most driving haphazardly would not solve the problem.
- If lanes are followed, overtaking also become smooth. Lane driving is an absolute necessity on a hill road. Most roads are demarcated by a centreline. However, sometimes when the road is not marked by proper lanes, you should still be able to tell which side of the road you should be on.
- A driver always has to be on the defensive and to make allowance for mistake by another driver. You have to take the safest way to avoid crash and the best way is to stick to your lane.

अध्याय/Chapter – 14

एक अच्छे वाहन चालक के गुण
Skills of a good Driver

एक अच्छा चालक होने के लिए केवल वाहन को नियंत्रित करना ही नहीं अपितु अच्छे पूर्वानुमान गुण, सड़क पर खतरों को भांपने व समझने की अभिरूचि तथा क्षमता भी होनी चाहिए।

सड़क दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की मृत्यु अनुभव की कमी, वाहन की तीव्र गति, मदिरापान या नशीले पदार्थों का सेवन या मात्र जल्दी पहुंचने की बेचैनी होती है।

जब कभी जहां–कहीं आप वाहन चलाएं:

- **अपनी गति का ध्यान रखे:** सड़क के प्रत्येक भाग के लिए गति सीमा निर्धारित होती है, जिसका निर्धारण वैज्ञानिक विधि द्वारा किया जाता है। इस गति सीमा के किसी प्रकार का उल्लंघन चालक को जोखिमपूर्ण स्थिति में पहुंचा सकता है। तीव्र गति से चलने वाले वाहन को धीमी गति से चलने वाले वाहनों की तुलना में अधिक ब्रेकिंग दूरी की आवश्यकता होती है। ऐसे में मस्तिष्क द्वारा दूरी का दृश्य परिकलन करने में गड़बड़ी हो सकती है। जब आप सीमा गति से अधिक तीव्रता से वाहन चलाते हैं तो ईंधन की खपत अधिक होती है और इससे आपके एवं अन्यों के जीवन को भी खतरा उत्पन्न होता है।
- **विभिन्न सड़क प्रयोक्ताओं का सामना करना:** जिस सड़क का आप प्रयोग कर रहे हैं उसे अपनी सम्पत्ति न समझें। आपको सड़क पर ऐसे अनेक सह–चालक या

Being a good driver is not just about the ability to control a vehicle but it is about having good reflexes, attitude, being able to spot and understand dangers on the road.

Many die as a consequence of inexperience, speeding, intoxication through drink or drugs or just plain recklessness.

Whenever and wherever you drive:

- **Watch your speed:** Every stretch of road has been designated with a speed limit, which has been arrived at by scientific methods. Any violation of speed limit on road could put driver into dangerous situations. A speeding vehicle needs more braking distance than a slower vehicle. Making judgment at high speed is very difficult. Visual calculation of distance by brain may not be accurate. You burn extra fuel while driving at speed more than the optimum and jeopardize your and others life.
- **Expect to encounter different road users:** Do not expect the road you are driving on to be perfect. You will encounter many fellow

प्रयोक्ता मिल जाएंगे जिनका स्वभाव, परिवेश तथा शिष्टाचार आदि आप जैसा न हो। आपको सड़क पर इन सभी प्रकार के सड़क प्रयोक्ताओं का सामना करना होता है। इस प्रकार, ड्राइविंग केवल सड़क पर वाहन चलाना ही नहीं है बल्कि धैर्य और दया की आदतों को विकसित करना भी है। सड़क पर आपका सामना झगड़ालू चालकों, बत्तमीजी करने वाले, परेशान करने वाले, शराबी चालकों से हो सकता है। आपको सड़क पर इन सभी का सामना करना पड़ेगा और तभी आप स्वयं को एक अच्छा चालक मान सकते हैं।

- **धैर्यपूर्ण रहें:** एक अच्छे चालक का सबसे महत्वपूर्ण गुण है धैर्यवान बने रहना। आतुर चालक प्रायः गलतियां करते हैं। ऐसे चालक लाल बत्ती को पार करते हैं, दूसरी गाड़ियों से चिपक कर चलते हैं और थोड़ा सा उकसाने से ही परेशान होने लगते हैं। इससे वे सड़क पर अत्यंत असुरक्षित बन जाते हैं।
- **दूसरे प्रयोक्ताओं को समय और स्थान दें:** क्या आप लाल बत्ती पर हॉर्न बजाते हैं, आपको अपनी आदत सुधारनी होगी। कई बार हम देखते हैं कि सड़क पर कुछ चालक धीमी गति पर चलते हैं और अन्य चालक हॉर्न बजा–बजाकर उन्हें परेशान करते हैं तथा उनसे आगे निकलने का प्रयास करते हैं। आप स्वयं को उनके स्थान पर रख कर देखें। वह नौसिखिया हो सकता है या उसने ड्राइविंग अभी हाल ही में आरंभ की हो या उसकी कार में कुछ समस्या भी हो सकती है। यदि आप निरंतर हॉर्न बजाते रहेंगे तो वह घबराकर सड़क पर कुछ गलती कर सकता है। हर कोई जन्म से ही चालक नहीं होता है, इसलिए ड्राइविंग सीखने में दूसरे की मदद करें और सड़क पर धैर्यपूर्वक बने रहें।
- **अन्यों की गलती के लिए तैयार रहें:** आप एक कुशल चालक हो सकते हैं किन्तु यह आशा न करें कि सड़क पर अन्य सभी कुशल चालक हों। वे गलती कर सकते हैं और आपको उसकी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। इसलिए आपको दूसरों की गलती का हर्जाना भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। किसी भी स्थिति में उत्तेजित न हों और शांतिपूर्ण ढंग से स्थिति से निपटें। क्रोध में लिया गया निर्णय सदैव ही गलत होता है।
- **अपनी ड्राइविंग पर ध्यान केन्द्रित करें:** आप सड़क पर 1000 कि.ग्रा. से अधिक की मशीन को चलाते हैं। संगीत, सेल फोन, बातूनी साथी या बड़े बिलबोर्डों व होर्डिंगों आदि से आपका ध्यान भंग न होने दें। वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। इनसे आप सड़क पर आसानी से अपना ध्यान खो सकते हैं।

drivers who may not have same temperament, upbringing, and etiquettes as you have. So driving is not only steering a vehicle on road, it also involves inculcating the habits of patience and compassion. You may face rowdy drivers, abusive ones, teasers, tipplers on road; you have to handle all these fellow drivers and then only one can be called an accomplished driver.

- **Be patient:** Patience is the most important trait of a good driver. Impatient drivers are sure to make mistakes. They will jump red lights, will tailgate and will get irritated upon slightest provocation. This makes him more vulnerable to crashes on road.
- **Give others time and room:** If you honk at red lights, you must mend your habit. Each driver has his own style of driving. Some times we find slow drivers on road who are bullied by other drivers by incessant honking, for room to overtake him. Tty to put yourself in his shoes. He may be a learner or had recently started driving or may be his car has developed some snag. Your continuous honking could scare him and he could make a mistake on road. Any mistake by him on road could lead to an crash. No one is a born driver, help others drive and be patient on road.
- **Be ready for mistakes by others:** You could be a perfect driver but do not expect all others to be perfect. They could make mistakes and you may be the one who pays for it. So one should make allowance and be prepared for somebody else's mistake also. Do not overreact, handle the situation calmly. Decision taken in anger is always wrong.
- **Concentrate on your driving:** You are handling a machine of more than 1000 kilos. Concentration is the most important aspect of driving. Do not get distracted by music, cell phones, talkative companion or big billboard, hoardings etc. Slightest of distractions have caused number of fatal crashes. Never drive and use a mobile phone - You can be easily distracted.-

अध्याय / Chapter – 15

खेल – खेल में सीखें हम सड़क सुरक्षा नियम

Learn Road Safety Rules with Fun

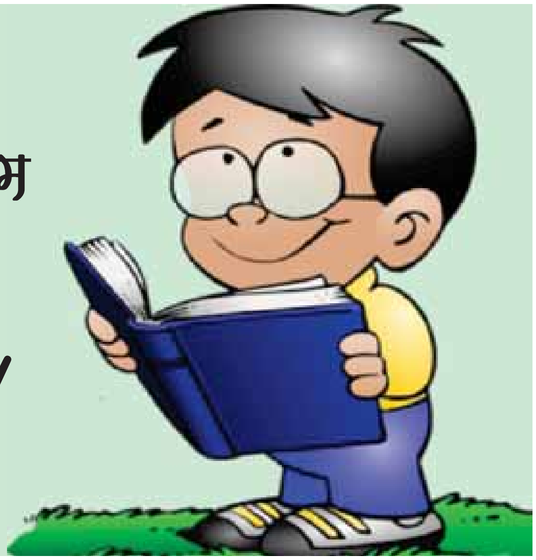

सड़क सुरक्षा की शिक्षा बच्चों के लिए जरूरी क्यों है?

यातायात में बच्चे की सीमितता

सभी मनुष्यों के लिए सड़क सुरक्षा उपाय एक समान नहीं बनाए जा सकते हैं। बच्चे छोटे आकार, कम समझ और इंद्रियों में कम विकसित होने के कारण सड़क पर भिन्न प्रकार से व्यवहार करते हैं। चूंकि बच्चे व्यस्कों का छोटा रूप नहीं होते हैं, इसलिए, सामान्य सड़क सुरक्षा नीतियों को उनके लिए सामान्य रूप से लागू करना उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है।

अनेक कारक यातायात में बच्चों को सुरक्षित रखने के कार्य को अधिक जटिल बना देते हैं। इसलिए, एक वयस्क के रूप में हमें बच्चों को यातायात के प्रति सजग बनाते समय अधिक सावधान रहना चाहिए।

कुछ कारक जो बच्चों को यातायात में असुरक्षित बनाते हैं:

सीमित आकार

- बच्चे को यातायात को देख पाने में कठिनाई होती है – उन्हें आसपास के यातायात को देखने के लिए लंबा होने की आवश्यकता है।
- चूंकि बच्चों का आकार छोटा होता है इसलिए अन्य यातायात प्रयोक्ता उन्हें आसानी से नहीं देख पाते हैं।
- बच्चे का ऊपरी भाग बड़ा होता है – व्यस्कों की तुलना में बच्चे के सिर का आकार शरीर के अनुपात में अधिक बड़ा होता है। इसलिए, बच्चे में गुरूत्व का केन्द्र वयस्क की तुलना में अधिक होता है जिसके कारण उसे सिर की चोटें लगने की संभावना अधिक होती है।

Why road safety education is necessary for Children?

Limitations of the child in traffic

Road Safety measure cannot be universally designed for all human beings. Children behave differently in traffic and are less visible due to their small size. Their understanding and senses are also less developed. As children are not small versions of adults, simply implementing common road safety strategies may not protect children sufficiently. These factors make the task of securing Children in traffic more complicated. As adults we have to be more cautious when introducing our children to the traffic.

Some of the factors which makes children vulnerable in traffic are detailed below :

Limitations of size

- Due to its small size, the child has difficulty seeing in traffic - they can not view the surrounding traffic easily.
- Due to their small size the children may not also be easily seen by other traffic users.
- A child is top-heavy- The size of the child's head in comparison to the rest of the body is greater than in adults. A child therefore has a higher centre of gravity than an adult, leading to a greater susceptibility to head injuries.

दृश्यता की सीमितता

- बच्चों में गहराई या दूरी का आकलन करने की क्षमता कम होती है और इसलिए उन्हें स्वयं तथा दूसरी वस्तुओं के बीच की दूरी का निर्धारण करने में कठिनाई होती है, विशेष रूप से चलती हुई वस्तु और स्वयं के बीच में।

श्रवण की सीमितता

- बच्चों को सामने से आने वाले वाहनों की ध्वनि सुनकर उनके आकार और गति का अनुमान लगाने में कठिनाई होती है
- बच्चों को यह पता लगाने में कठिनाई होती है कि ध्वनि किस ओर से आ रही है इसलिए, वे वाहन की सही दिशा और स्थान का निर्धारण करने में आसानी से भ्रमित हो जाते हैं।

ध्यान की सीमितता

- बच्चे अत्यंत आवेगी होते हैं। उनकी एकाग्रता की अवधि अति अल्प होती है और वे एक समय पर एक से अधिक समस्याओं का सामना नहीं कर पाते हैं।
- बच्चों का ध्यान आसानी से भंग हो सकता है इसलिए वे अचानक सड़क पर दौड़ने लगते हैं।

निर्णय लेने की सीमितता

- बच्चों को गति और दूरी का निर्धारण करने में कठिनाई होती है किन्तु सुरक्षित रूप से सड़क पार करने के लिए ये अनिवार्य कारक हैं।
- शरीर के संबंध में बायें और दायें की अवधारणा धीरे–धीरे ही विकसित होती है और सात वर्ष की आयु के पश्चात् ही इसे पूर्णत् प्राप्त किया जाता है।

Limitations of vision

- Children have a less developed perception of depth and thus have difficulty judging the distance between themselves and other objects, particularly when both are in motion.

Limitations of hearing

- Small children find it difficult to workout the size and speeds of vehicles from the sound of the vehicle as they approach.
- Children face difficulty in judging what direction a sound is coming from and hence they easily get confused in judging the exact location of the vehicle.

Limitations of attention

- Young children very impulsive. They have very short concentration span and cannot attend to more than one problem at a time.
- Children can be easily distracted which may lead them to suddenly run into the road.

Limitations of judgement

- Speed and distance to difficult for a child, but judgement of essential for safely crossing a road. The concept of left and right as positions in relation to the body develops slowly and are only well established after the age of about seven.

अध्याय/Chapter – 16

दृश्यता
Visibility

दृश्यता वह क्षमता और परिस्थिति है जहां एक सड़क प्रयोक्ता अन्य सड़क प्रयोक्ताओं को नजर आता है। देखना व दूसरों को दिखाई देना सभी सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा के लिए मूल आधार है। चालक द्वारा अन्य सड़क प्रयोक्ताओं को देर से देख पाना सड़क दुर्घटनाओं का एक सामान्य कारण है। वाहनों के चालकों और यात्रियों की तुलना में सड़क यातायात से लगने वाली चोटों का खतरा अधिक होता है।

रात्रि के समय सड़क यातायात में पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों को देख पाना कठिन होता है, विशेष रूप से धुंध तथा वर्षा की परिस्थितियों में। चूंकि बच्चों का शारीरिक आकार छोटा होता है इसलिए सड़क पर उनके दिखाई न देने का खतरा अधिक होता है। इसलिए, सड़क का प्रयोग करते समय सभी बच्चों को सतर्क और सुदृश्य रहना चाहिए।

साइकिल सवार उपयोग करें:

- अगला, पिछला तथा पहियों के रिफ्लैक्टर,
- साइकिल लैंप या लाइट
- रिट्रो–रिफ्लैक्टिव जैकेट या हल्के रंग / चमकदार वस्त्र

Visibility is the ability and situation where one of the road user can be seen by other road users. To see and be seen is the basic fundamental for the safety of all road users. Delayed detection of other road users by drivers is a common reason for road crashes. Pedestrians are at increased risk for road traffic injuries compared to drivers and passengers in vehicles.

Pedestrians and cyclists can be difficult to detect in road traffic, especially at night, fog, rainy conditions. Children has small stature and are less likely to be seen by drivers and hence are at increased risk of being undetected. In order to avoid crash due to non detection visibility of the road users and children should be increased. Hence all Children must be vigil and visible during using road.

Cyclists should use:

- Front, rear and wheel reflectors;

सुदृश्य बने रहने के लिए बच्चों व पैदल यात्रियों को सड़क का प्रयोग करते समय निम्नलिखित महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना चाहिए:

सुनिश्चित करें कि दूसरों को आप आसानी से नजर आएं, विशेष रूप से रात्रि और खराब मौसम के दौरान।

दिन के समय चमकदार या फ्लोरोसेंट वस्त्र सर्वोत्तम होते हैं, विशेष रूप से धुंध के मौसम के दौरान।

रात्रि के समय, रिफ्लैक्टिव (सामग्री) सर्वोतम होती है और यह कार की हेडलाइट की रौशनी को परावर्तित करती है।

रात्रि या अंधेरे में फ्लोरोसेंट वस्त्र प्रभावी नहीं होते हैं। कपड़ों, स्कूल बैगों और उपकरणों पर रिफ्लैक्टिव टेप का प्रयोग किया जा सकता है।

आगे की लाइट, पीछे की लाल लाइट और पीछे लाल रिफ्लैक्टर के बिना साइकिल चलाना अत्यंत खतरनाक है, इसलिए सुनिश्चित कर लें कि आपकी साइकिल में सभी आवश्यक उपकरण लगे हों और वह सुचारू रूप से कार्य कर रहे हों।

जहां तक हो सके सुरक्षित स्थान से ही सड़क पार करें जैसे जैब्रा या पैलिकन, सड़क ऊपरी पुल या अंडरपास।

ग्रीन क्रास कोड का ही प्रयोग करें: अर्थात रूकें, देखें, सुनें और चलें।

यदि आप रात्रि में बाहर निकले हैं तो उन मार्गों का प्रयोग करें जहां स्ट्रीटलाइट द्वारा व्यापक प्रकाश उपलब्ध हो और सुप्रकाशित स्थान से ही सड़क पार करें।

- bicycle lamps;
- retro-reflective jackets or light/bright cloths

Important points that children and pedestrian should remember while using roads for being visible

Make sure you are easily seen, especially at night and in bad weather.

Bright or fluorescent clothes are best for day time, especially during foggy and misty weather.

During night , reflective material is best and reflects the glare of car headlights – fluorescent clothing is not effective after dark. Reflective tape can be put on clothing, school bags and equipment.

It is very dangerous to use cycle at night without a front light, a red back light and a red reflector at the back, so make sure that bicycle is properly equipped and working.

Cross the road at the safest place possible. e.g. zebra or pelican, foot-over bridge or underpass.

Use the Green Cross Code: Stop, Look, Listen , Live.

If you are out at night, choose routes that are well lit by streetlights and cross at well-lit places.

दुपहिया वाहन पर अपने सर की सलामती के लिए हेलमेट पहनें।
Wear helmet to protect your head while riding a two wheeler.

अध्याय/Chapter –17

सड़क सुरक्षा के विषय में सरकारी नीतियां
Government Policies on Road Safety

वर्ष 2012 के दौरान भारत में लगभग 5.0 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, जिनमें 1.42 लाख लोगों की मृत्यु हुई और 5.27 लाख लोग घायल हुए। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत में प्रति एक मिनट में एक सड़क दुर्घटना होती है और सड़क दुर्घटना में प्रति चार मिनट में एक मृत्यु होती है। हालांकि ये आंकड़े अनेक विकसित और विकासशील देशों की तुलना में कम हैं, किन्तु यह तथ्य आत्मसंतोष का विषय नहीं हो सकता। सड़क दुर्घटना में हुई प्रत्येक मृत्यु उसके परिवार तथा राष्ट्र के लिए भारी हानि है।

चालक की गलती सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण होती है। जानकारी का अभाव तथा लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग के कारण सड़क पर गलतियां होती हैं, जिसके कारण सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। नीचे दुर्घटनाओं का कारणवार ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है :

क्र. सं.	कारण	प्रतिशत
1.	चालक की गलती	78.0%
2.	पैदल चलने वाले की गलती	2.7%
3.	साइकिल चालक की गलती	1.2%
4.	सड़क की खराब स्थिति	1.2%
5.	मोटर वाहन की खराब स्थिति	1.7%
6.	मौसम संबंधी परिस्थितियां	1.0%
7.	अन्य	14.2%

दुर्घटनाओं को कम करने के उपाय

विश्वभर में दुर्घटनाओं के निवारण व नियंत्रण के मुख्य उपाय निम्नलिखित हैं :

i. शिक्षा

ii. प्रवर्तन

iii. इंजीनियरिंग

iv. पर्यावरण तथा आपातकालीन देख–रेख

दो और उपायों की पहचान की गई है यथा इंजीनियरिंग (वाहन) तथा विधिकरण।

भारत सरकार द्वारा छोटे स्तर पर की गई पहलें

- ब्लैक स्पॉटों की पहचान करना तथा उनका उपचार करना।

There were around 5.0 lakh road crashes which resulted in death of 1.42 lakh people and injured more than 5.27 lakh in India during 2012. This means there is one road crash every minute and one road death every four minutes in India. Though these figures are low as compared to many developed and developing countries, there should not be any complacency in this regard. Even one life lost on road is great loss to family and to the nation.

Major cause of road crashes are mainly due to fault of driver. Less informed and casual driving results in faults on road which lead to crashes. Following is the cause-wise break-up of the crash:

S.N.	Cause	Percentage
1.	Fault of driver	78.0%
2.	Fault of pedestrian	2.7%
3.	Fault of cyclist	1.2%
4.	Defect in road conditions	1.2%
5.	Defect in condition of motor vehicle	1.7%
6.	Weather condition	1.0%
7.	Other	14.2%

Measure of Minimize crashes

The main thrust of crash prevention and control across the world has been on 4 Es

i. Education

ii. Enforcement

iii. Engineering

iv. Environment and Emergency care

Two more Es viz Engineering (vehicle) and Enactment have been identified.

Micro level initiatives of Government of India

- Identification of black spots and treatment thereof.

- राज्य सड़क सुरक्षा परिषदों तथा जिला समितियों की स्थापना करना।
- क्षमता से अधिक भार लादने (ओवर–लोडिंग) तथा शराब पीकर वाहन चलाने के विरूद्ध कार्रवाई करना तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानों को हटाना।
- चौपहिया वाहनों में सीटबेल्टों के प्रयोग तथा दुपहिया वाहन के चालकों द्वारा आईएसआई मार्क के हेलमेटों के प्रयोग के नियम को कड़ाई से लागू करना।
- एम्बुलेंस सहित एक समर्पित सामान्य टेलीफोन नंबर वाले 24x7 के कॉल सेंटरों की सहायता से आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं विकसित करना। इस समय टोल फ्री नंबर 102, 108 तथा 1073 के माध्यम से उपलब्ध एम्बुलेंस सेवा सुविधा को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्घटना राहत सेवा योजना (एनएचएआरएसएस) के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही एम्बुलेंस सेवा के साथ एकीकृत करने का प्रस्ताव है। यह नेटवर्क राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रत्येक 50 कि.मी. पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से 8–10 मिनट में प्राथमिक दुर्घटना प्रतिक्रिया उपलब्ध कराएगी।
- राष्ट्रीय स्तर पर सड़क सुरक्षा निधि की स्थापना और सड़क नियमों के उल्लंघन पर एकत्र दंड राशि की 50 प्रतिशत राशि को इस निधि में डाला जाएगा।
- सड़क दुर्घटना की जांच।
- वाणिज्यिक वाहनों के लिए स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पूर्व अनिवार्य प्रशिक्षण।
- पैतृत्व संपत्ति संबंधी आंकड़ों को अपलोड करने तथा बारबार होने वाले सड़क उल्लंघनों को रिकार्ड करने,

- Setting up of State Road Safety Councils and District Committees.
- Action against over-loading, action against drunken driving and removal of liquor shops on Naitonal Highways.
- Enforcement of use of seat belt by four wheelers and use of ISI helmets by two wheelers.
- Developing emergency medical services by having a 24 x 7 call centers with a dedicated common telephone number backed by ambulances. The ambulances facilities presently available through Toll free numbers 102, 108 and 1073 is proposed to be integrated with the ambulances being provided by NHAI and ambulances provided by Ministry under NHARSS. The networks will ensure a primary crash response time of 8-10minutes through emergency care facilities at every 50km along National Highways.
- Setting up of Road Safety fund a State level including mechanism of diverting 50% penalties collected towards violations in this fund.
- Road crash crash investigation.
- Compulsory training before issuances of permanent driving licence for commercial vehicles.
- Improvement of Vahan & Sarthi software for computerization of all the RTOs including uploading of legacy data, improvement in the

जाली ड्राइविंग लाइसेंसों का पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर में सुधार करने सहित सभी आरटीओ के कंप्यूटरीकरण के लिए "वाहन तथा सारथी" साफ्टवेयर में सुधार करना।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति

भारत सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति को स्वीकार किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति देश में सभी स्तरों पर सड़क सुरक्षा संबंधी गतिविधियों में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली नीतिगत पहलों की रूपरेखा तैयार करेगी। इस नीति के मुख्य उद्देश्य हैं :

- ✓ एक सड़क सुरक्षा सूचना डाटाबेस तैयार करना।
- ✓ सुरक्षित सड़कों के निर्माण, विवेकपूर्ण परिवहन प्रणाली को लागू करके, आदि के माध्यम से सुरक्षित अवसंरचना सुनिश्चित करना।
- ✓ अभिकल्पन, विनिर्माण, प्रयोग, प्रचालन तथा अनुरक्षण के स्तर पर वाहनों में सुरक्षा विशेषताओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।
- ✓ ड्राइवरों की सक्षमताओं में सुधार करने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की प्रणाली तथा प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना।
- ✓ मूल्यवान सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना।
- ✓ सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।
- ✓ सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास तथा अनुसंधान व विकास (आर एंड डी) को प्रोत्साहित करना।
- ✓ देश में सड़क सुरक्षा वातावरण के संवर्धन के लिए कानूनी, संस्थागत तथा वित्तीय वातावरण को सुदृढ़ बनाना।

software for recording repeated traffic violations, detection of fraudulent driving licences etc.

National Road Safety Policy

Government of India has approved the proposal of adopting the National Road Safety Policy. The National Road Safety Policy outlines the policy initiatives to be framed by the Government at all levels to improve the road safety activities in the country. The policy broadly aims at :

- ✓ To establish a road safety information database.
- ✓ To ensure safer road infrastructure by way of designing safer roads encourage application of Intelligent Transport system etc.
- ✓ To ensure fitment of safety features in the vehicles at the stage of designing, manufacture, usage, operation and maintenance.
- ✓ To strengthen the system of driver licensing and training to improve competence of drivers.
- ✓ To take measure to ensure safety of vulnerable road users.
- ✓ To ensure emergency medical attention for road crash victims.
- ✓ To encourage human resource development and R&D for road safety.

भारत सरकार की पहल

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के उपचार के लिए कैशलेस उपचार के प्रस्ताव की पहल की है। इन आरंभिक परियोजनाओं को चार से पांच राज्यों में लागू करने की योजना है। यद्यपि, यह योजना जुलाई 2013 में राष्ट्रीय राजमार्ग–8 के गुड़गांव–जयपुर खंड पर आरंभ कर दी गई है।

इस पायलट परियोजना के मुख्य विशेषताएं हैं:

1. मंत्रालय इन पायलट परियोजनाओं को प्रचालित करने के लिए मंत्रालय को मौजूदा बजट आवंटन में से एक संग्रह निधि का सृजन करेगा।
2. एम्बुलेंस सेवाओं के लिए एकल टोल–फ्री नंबर 1033.
3. दुर्घटना पीड़ितों को यथा संभव न्यूनतम समय में समीपवर्ती अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस तथा दुर्घटना के पीड़ितों को वाहनों से निकालने के लिए तथा दुर्घटना स्थल को साफ करने के लिए बचाव वाहन (क्रेनें) और हाइड्रॉलिक कटर।
4. एम्बुलेंस के लिए टेलीफोन कॉलों को प्राप्त करने हेतु 24 घंटे आधार पर कॉल सेंटर की व्यवस्था।
5. राज्य सरकार द्वारा चयनित भागों पर मोबाइल पुलिस पोस्ट प्रदान किए जाएंगे।
6. दुर्घटना के पीड़ितों को प्रथम 48 घंटे के लिए कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के लिए पैनलयुक्त अस्पतालों का एक नेटवर्क।
7. सीजीएचएस दरों पर भुगतान, इसकी अनुपस्थिति में एआईआईएमएस की दें बशर्तें यह यह प्रत्येक मामले में कुल व्यय पर 30,000 रूपए की समय मौद्रिक सीमा पर पूर्व निर्धारित होंगी।

Government of India Initiative

The Ministry of Road Transport & highways has initiated a proposal for cashless treatment of victims of road crashes on the National Highways. These Pilot Projects are planned in four to five states of the country. In fact the scheme has been launched on Gurgaon – Jaipur stretch of NH-8 in July 2013.

Salient features of the Pilot Project would be:

1. Ministry will create a corpus fund from within the existing budget allocation of the Ministry to operate the Pilot Projects.
2. A single toll-free number 1033 for ambulance services.
3. Ambulances to shift crash victims to the nearest hospital in the shortest possible time and rescue vehicle (cranes) and hydraulic cutters for extricating crash victims trapped inside a crashed vehicle and clearing the crash site.
4. A 24x7 call centre to receive calls for ambulances.
5. State Governments to provide mobile police posts on selected stretches.
6. A network of empanelled hospitals to provide cashless medical treatment to the crash victims for the first 48 hours
7. Payment at C.G.H.S. rates, failing which AIIMS rates subject to pre-determined overall monetary ceiling of Rs.30,000/- total expenditure in each case.

8. दुर्घटना पीड़ितों की व्यवस्था के लिए मानक प्रचालन नयाचार।
9. बीमा कंपनी/तीसरा पक्ष प्रशासक पायलट परियोजनाओं को प्रचालित व मॉनीटर करेगा।
10. सड़क दुर्घटना स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचारक के रूप में प्रथम उपचार में प्रशिक्षण।
11. नेहरू युवा केन्द्र द्वारा सड़क स्वयंसेवक उपलब्ध कराए जाएंगे।
12. एनआईसी दुर्घटनाओं की रिपोर्टों को रिकार्ड करने, कुछ चुनिंदा भागों में होने वाली दुर्घटनाओं को विश्लेषण करने और दुर्घटना के पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने की मॉनीटरिंग व प्रथम 48 घंटे के दौरान तथा उसके पश्चात् उपचार तथा बिलों के निपटान की व्यवस्था के लिए साफ्टवेयर विकसित करेगा।
13. सड़क वाहन अधिनियम तथा केन्द्रीय मोटर वाहन नियमों जैसे गति सीमा, हेलमेट अपनाना आदि के सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधानों को लागू करने के लिए संबंधित राज्य सरकार का प्रवर्तन एजेंसियां विशेष अभियान चलाएंगी।

8. Standard operating protocols to handle crash victims.
9. An Insurance Company/Third Party Administrator to operate and monitor the pilot projects
10. Training in First Aid for first responders to Road Safety Volunteers
11. Road Safety Volunteers to be provided by Nehru Yuva Kendra Sangathan
12. NIC to create a software for recording reports of crashes, plotting the crashes taking place on the selected stretch, monitoring movement of the crash victims to hospital, treatment during and after the first 48 hours, settling of bills
13. Special drive by the enforcement agencies of the States concerned to enforce road safety-related provisions of Motor Vehicles Act and Central Motor Vehicles Rules e.g. speed limits, wearing helmets and seat belts, compulsory third party insurance, prohibition on drunken driving etc. and treatment of crash prone spots.

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये यातायात नियमों और चिन्हों का पालन करें

Obey traffic rules and signs to prevent road crashes

अध्याय/Chapter – 18

कॉर्पोरेट जगत से सड़क सुरक्षा के लिए अपेक्षित योगदान
Contribution Solicited from Corporate World for Road Safety

कॉर्पोरेट जगत ने सड़क दुर्घटनाओं की समस्या से निपटने के लिए बहुत कम प्रयास किए हैं। हमें इस समस्या पर गंभीरतापूर्वक देखना होगा और इसका समाधान स्वयं तथा कर्मचारियों के प्रति कल्याण उपायों के रूप में करना होगा। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के कल्याणकारी उपाय के रूप में संगठनात्क कंपनियां कुछ उपाय कर सकती हैं:

- कम से कम वर्ष में एक बार विशेष संवादात्मक संगोष्ठियों/विशेषज्ञों के भाषणों के आयोजन द्वारा सड़क सुरक्षा के संबंध में अपने कर्मचारियों में जागरूकता उत्पन्न कर सकती है।
- अपने प्रत्येक कर्मचारी की दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने की विधि का ज्ञान उपलब्ध करा सकती है। यद्यपि, दुर्घटना पीड़ितों की सहायता की भावना को विकसित करने के लिए पुरस्कारों की घोषणा करके प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है और उस दिन के लिए विशेष अवकाश प्रदान कर सकती है जिस दिन कर्मचारी ने किसी दुर्घटना पीड़ित की सहायता की हो।
- कार्यालय के वाहन चालकों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करें तथा उनके आचरण को प्रोत्साहित करने के लिए योग्यता ग्रेड प्रदान कर सकते हैं।
- कार्यालय समय में लचीलापन रखें ताकि सभी कर्मचारी एक ही समय पर कार्यालय पहुंचने के लिए आतुर न रहें जिसके परिणामस्वरूप सड़कों पर भीड़–भाड़ कम होगी।

Very little has been done by the corporate world to address the menace of Road crashes. We should look at this problem seriously and address it as one of the welfare measures towards self and employees. There are some measures which an organization company can undertake as an welfare measure to curb or reduce road fatalities.

- Increase awareness among their employees about road safety by organizing special interactive seminars/expert speeches at least once a year.
- Teach every employee about first aid to an crash victim. In fact the sense of helping an crash victim should be encouraged by announcing award to such employees and also granting them special leave on the day they help any road victim.
- Give proper training to the official drivers and issue them competency grades to boost their moral.
- Keep office timings flexible so that all employees do not rush to office at the same time, which will eventually reduce the rush on roads also.

- कर्मचारियों को घर से कार्यालय और कार्यालय से घर ले जाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि हर कोई कार्यालय आने के लिए अपने वाहन का प्रयोग न करें।
- शराब पीकर देर रात तक पार्टियां न करें और यदि ऐसा करना जरूरी है तो रात्रि के समय पार्टी के स्थान पर ही रूक जाएं अन्यथा घर जाने के लिए टैक्सी का प्रयोग करें।
- कर्मचारियों को आसपास के शहरों की यात्रा करने के लिए रेलगाड़ी या बस का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें न कि कार का प्रयोग करने के लिए।
- कर्मचारियों में कार पूलिंग की व्यवस्था को प्रोत्साहित करें।
- यदि संभव हो तो कर्मचारियों को कार्यालय परिसर में ही आवास सुविधा उपलब्ध कराएं।
- कर्मचारियों/चालकों को प्रोत्साहित करने के लिए टोकन स्वरूप सर्वोतम वाहन अनुरक्षण का पुरस्कार प्रदान करें।
- कार्यालय और कर्मचारियों के वाहनों को पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराएं ताकि वे सड़क पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न करें।
- कार्यालय में देर तक रूकने की प्रथा को प्रोत्साहित न करें।

- Provide pick and drop facility to the employees so that everybody does not drive their vehicle to office.
- Avoid partying late night with alcoholic drinks, if necessary ask people who have consumed alcohol to stay overnight or take taxi.
- Encourage employees to travel by train or bus to near by cities and towns and not by cars.
- Encourage car pools among employees.
- If possible provide accommodations to the employee near office premises.
- Institute awards for best-maintained vehicle as small token of encouragement to employees/drivers.
- Provide ample parking space so the vehicles of office or employees do not cause chaos on roads.
- Discourage late sittings in the office.

आपकी और अन्य सड़क प्रयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाहन कभी असुरक्षित ढ़ंग से न चलायें।

Never drive dangerously to ensure your own safety and that of other road users

अध्याय/Chapter – 19

सड़क सुरक्षा के दस तथ्य
Ten Road Safety Facts

- वर्ष 2030 तक सड़क यातायात के कारण लगने वाली चोटें वैश्विक रूप से मृत्यु का पांचवा सबसे बड़ा कारण बन जाएंगी।
- सड़क पर होने वाली अधिकतर मौतें सिर पर चोटें लगने के कारण होती हैं। एक अच्छी गुणवत्ता वाला हेलमेट सिर की गंभीर चोटों की संभावनाओं को 70 प्रतिशत तक कम कर देता है।
- 50 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से होने वाली टक्कर पांचवी मंजिल से गिरने पर होने वाले प्रभाव के बराबर होती है।
- गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट पहनने से टक्कर का प्रभाव 80 प्रतिशत तक घट जाता है और चालक की दुर्घटना के दौरान मृत्यु की संभावना 60 प्रतिशत तक कम हो जाती है।
- चालक को वाहन चलाते समय सड़क पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है और वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग चाल की इंद्रियों को व्यस्त कर देता है।
- सड़क प्रयोक्ताओं के साथ दुर्घटनाओं की संभावनाएं रात्रि के समय बढ़ जाती हैं।
- औसत यातायात गति में प्रत्येक 1 प्रतिशत की कमी के परिणामस्वरूप दुर्घटनाओं की संख्या 2 प्रतिशत की कमी होती हैं।
- सामान्यतः अच्छे टायरों का मूल्य वाहन के मूल्य का केवल 2 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक होता है। टायरों के मूल्य में समझौता करने से वाहन को धन की दृष्टि से तथा अन्यथा भी काफी क्षति पहुंच सकती है।
- भारत में चालक की गलती के कारण सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की कुल संख्या में से 10 प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाएं शराब/नशीले पदार्थों का सेवन करने के कारण होती हैं।
- एक जागरूक तथा सचेत चाल अनहोनी की संभावनाओं को कम कर सकता है।

- Road Traffic injuries are expected to become the fifth leading cause of death globally by 2030.
- Most deaths on road are due to head injuries. A good quality helmet reduces chances of severe head injury by over 70% .
- Collision at 50 kmph is like falling from the fifth floor.
- Use of Seat belt while driving reduces impact of crash by 80% and the risk of death of an occupant during an crash by over 60%.
- Driving requires full attention, using mobile phone while driving diverts our senses.
- Vulnerability of road users to crash increases at night .
- For every 1% reduction in average traffic speed, there is a 2% reduction in the number of crashes.
- Normally cost of good tyres is only 2-4% of the price of a vehicle. Compromise on the cost of tyres can result in huge damages both monetary and otherwise.
- Out of the total number of death in road crash in India due to driver's fault, more than 10% was due to intake of alcohol/drugs.
- An aware and conscious driver reduces the chances of mishaps.

"सड़क सुरक्षा का यह दशक अधिक सुरक्षित भविष्य के निर्माण के पथ पर चलने वाले सभी राष्ट्रों को सहयोग प्रदान कर सकता है... आज, विश्वभर में सभी साझेदार राष्ट्र दशक के लिए राष्ट्रीय या शहरवार योजनाएं तैयार कर रहे हैं। नीतिगत चर्चाएं आयोजित कर रहे हैं और सड़क दुर्घटना के पीड़ितों द्वारा अपनी कहानियों के व्यापक प्रचार को सुलभ बना रहे हैं। अब हमें इस अभियान को उच्च स्तर पर ले जाने और अपने विश्व को आगे सुरक्षित सड़कें प्रदान करने की आवश्यकता है।

यूएन सचिव – जनरल बेन कि–मून
सड़क सुरक्षा पर गतिविधि का दशक पर संदेश, 11 मई 2011

"The Decade of Action for Road Safety can help all countries drive along the path to a more secure future...Today, partners around the world are releasing national or citywide plans for the Decade, hosting policy discussions and enabling people affected by road crashes to share their stories widely. Now we need to move this campaign into high gear and steer our world to safer roads ahead. Together, we can save millions of lives."

UN Secretary-General Ban Ki-moon
Message on the launch of the Decade of Action for Road Safety, 11 May 2011.

अध्याय/Chapter – 20

भ्रम तोड़ें और तथ्यों को जानें
Myth Breaker & FACT Finder

भ्रम/ Myths	सत्य / Facts
आपको लगा कि आपके घर के सामने बनी हुई गली आपके खेलने के लिए है ?	**ऐसा निश्चित रूप से नहीं है, क्योंकि इससे दुर्घटना हो सकती है और चोट लग सकती है। यह केवल यातायात के लिए है।**
बच्चों को कॉलोनी के अंदर सड़कों पर हल्के स्कूटर पर सवारी की अनुमति होती है।	**ऐसा नहीं है। किसी भी सड़क पर यह गैर–कानूनी है, जहां यातायात चल रहा है।**
क्या यह ठीक है कि एक दुपहिया वाहन पर दो बड़े और एक बच्चा सवारी करें ?	**निश्चित रूप से नहीं। एक दुपहिया वाहन पर केवल दो बड़े लोग हैल्मेट पहन कर सवारी कर सकते हैं।**
क्या फुटपाथ पर चलते समय मोबाइल पर जरूरी कॉल सुननी चाहिए ?	**नहीं, सड़क पर मोबाइल फोन के इस्तेमाल से दुर्घटना हो सकती है।**
निकट दूरी (आस–पास की दुकानें, बच्चों को नजदीकी स्कूल छोड़ना, इत्यादि) के लिए दुपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने की जरूरत नहीं होती।	**हेलमेट पहनना दुपहिया वाहन पर हर समय अनिवार्य है चाहे कितनी ही नजदीकी दूरी क्यूं न हो। काफी दुर्घटनाएं इन नजदीकी दूरियों के सफर के दौरान ही हो जाती है।**

You thought the lane in front of your home is meant for you to play?	**It is definitely not, as it can lead to crashes and injury. It is only meant for traffic.**
Children are allowed to ride a light scooter on the roads inside a colony	**Not so. It is illegal on any road where traffic is plying.**
Is it alright for 2 adults and a child to ride a two wheeler?	**Definitely not. Only 2 persons can ride a two wheeler, both wearing helmets.**
Can one answer an urgent call on the mobile when driving a vehicle?	**No, use of mobile phone while driving can lead to accidents and is a punishable offence.**
It is not necessary to wear helmet while riding two wheelers for shot distance (going to local market, dropping children to nearby school, etc.)	**Helmet are to be always worn while riding two wheelers, even for shorter distance. Many a times crashes occur during these short rides.**

अध्याय/Chapter – 2

क्या आप जानते हैं... Do You Know...

अधिक गति अत्याधिक खतरा लाती है जिसका घातक परिणाम होता है।

विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा किलो मीटर में निर्धारित कर दी गई है। वाहन सुरक्षा के साथ गति सीमा में ही चलायें। अधिकतम गति सीमा जानने के लिए नीचे दिए गए तालिका को देखें:

Over speeding brings maximum danger and cause deadly result.

Maximum speed per hour in Kms. have been fixed for various types of vehicles. Drive safely within prescribed speed limits. Refer following table for Maximum Permissible Speed Limits :

क्र. सं. Sl. No.	मोटर वाहनों के वर्ग Class of Motor Vehicles	किमी में प्रति घण्टा अधि गति Max. speed per hour in KM
1.	ड्राइवर की सीट के अलावा 9 या अधिक यात्रियों को ले जाने में प्रयुक्त मोटर वाहन Motor vehicles used for carriage of passengers comprising nine or more seats in addition to the driver's seat.	80
2.	ड्राइवर की सीट के अलावा अधिकतम 8 यात्रियों को ले जाने में प्रयुक्त मोटर वाहन Motor vehicles used for carriage of passengers comprising not more than eight seats in addition to the driver's seat	100
3.	माल ले जाने में प्रयुक्त मोटर वाहन Motor vehicles used for carriage of goods	80
4.	क्वाड्रीसाइकिल / Quadricycle	70
5.	तिपहिया वाहन / Three wheeled vehicles	60
6.	मोटर साइकिल / Motor cycles	80

नाबालिगों का वाहन चलाना उनके व अन्य लोगों के जान लेवा हो सकता है। उनकों वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित ना करें।

आपके नाबालिग बच्चे केवल वही बैटरी द्वारा चलने वाले दुपहिया वाहन चला सकते हैं जो कि सी.एम.वी.आर. 2014 के अंतर्गत मोटर वाहन की श्रेणी में न आते हों। जानकारी के लिए नीचे दिए हुए तथ्यों की जाँच करने के बाद ही बैटरी द्वारा चलने वाले दुपहिया वाहन खरीदें:

Driving by minors can be very risky for their and other road users. Don't encourage them to drive.

Your underage kid can only ride an electric 2-wheeler which is NOT a motor vehicle under CMVR 2014. For more information ensure the following before you buy :

◆ वाहन में 0.25 किलोवॉट से कम की 30 मिनट की बिजली वाली बिजली की मोटर लगी है।	◆ Vehicle is equipped with an electric motor having thirty minute power less than 0.25 kW.
◆ वाहन की अधिकतम गति 25 कि.मी. / घंटा से कम है।	◆ Maximum speed of the vehicle is less than 25 km/hr.
◆ वाहन में उचित ब्रेक और रेट्रो रिफ्रेक्टिव डिवाइस लगी है, अर्थात् सामने एक सफेद रिफ्लेक्टर और पीछे एक लाल रिफ्लेक्टर।	◆ Vehicle is fitted with suitable brakes and retro-reflective devices, i.e. one white reflector in the front and one red reflector at the rear.
◆ वाहन का अपना वज़न (बैटरी के वज़न के अलावा) 60 कि. ग्रा. से अधिक नहीं है।	◆ Unladen weight (excluding battery weight) of the vehicle is not more than 60 kg.
◆ पैडल वाले वाहन के मामले में उपरोक्त के अलावा एक ऑक्सीलरी बिजली की मोटर, 0.25 किलोवॉट से कम 30 मिनट बिजली वाली मोटर लगी है, जिसका आउटपुट लगातार कम होता है और जब वाहन 25 किलो मीटर / घण्टा की गति पर पहुंचता है या इसके पहले ही यह पूरी तरह कम हो जाता है, यदि वाहनचालक पैडल चलाना रोक देता है।	◆ In case of pedal assisted vehicle equipped with an auxiliary electric motor, in addition to above, the thirty minute power of the motor is less than 0.25 kW, whose output is progressively reduced and finally cut off as the vehicle reaches a speed of 25 km/hr, or sooner, if the cyclist stops pedaling.

वाहन की प्रदूषण जांच कराना अनिवार्य है, अपने वाहन की नियमित प्रदूषण जांच करवाएं।

Pollution check is mandatory for all vehicles, get pollution check done regularly of your vehicle.

पारित किए गए विभिन्न वाहनों के लिए नवीनतम प्रदूषण मानक। अपने वाहन का प्रदूषण जाँच इसके अनुसार तुरंत कराएं। नीचे दिए गए पेट्रोल/सी.एन.जी./एल.पी.जी. से चलने वाले वाहनों के लिए प्रदूषण मानक को देखें:

Latest emission norms that are approved for various vehicles. Get your vehicle pollution check done accordingly, immediately. Emission Norms for Petrol/CNG/LPG Driven Vehicles are as under:

क्र. सं. Sl. No.	वाहन के प्रकार और अनुप्रयोज्यता Vehicle Type and Applicability	कार्बन मोनोऑक्साइड % CO%	एचसी (एन–हेक्से समकक्ष) पीपीएम *HC (n-hexane equivalent) ppm
1.	दुपहिया (2/4-स्ट्रोक) (31 मार्च, 2000 को और उससे पहले विनिर्मित वाहन) Two Wheelers (2/4-Stroke) (Vehicles manufactured on and before 31st March, 2000)	4.5	9,000
2.	दुपहिया (2-स्ट्रोक) (31 मार्च, 2000 और 31 मार्च 2010 के बीच विनिर्मित वाहन Two Wheelers (2 - Stroke) (Vehicles manufactured between 31st March, 2000 and 31st March, 2010)	3.5	6,000
3.	दुपहिया (4-स्ट्रोक) (31 मार्च, 2000 और 31 मार्च 2010 के बीच विनिर्मित वाहन) Two Wheelers (4 - Stroke) (Vehicles manufactured between 31" March, 2000 and 31st March, 2010)	3.5	4,500
4.	दुपहिया (2 – स्ट्रोक) (31 मार्च 2010 के बाद विनिर्मित वाहन) Two Wheelers (2 - Stroke) (Vehicles manufactured after 31st March, 2010)	3.0	4000

क्र. सं. Sl. No.	वाहन के प्रकार और अनुप्रयोज्यता Vehicle Type and Applicability	कार्बन मोनोऑक्साइड % CO%	एचसी (एन–हेक्से समकक्ष) पीपीएम *HC (n-hexane equivalent) ppm
5.	दुपहिया (4-स्ट्रोक) (31 मार्च 2010 के बाद विनिर्मित वाहन) Two Wheelers (4 - Stroke) (Vehicles manufactured after 31st March, 2010)	3.0	3,000
6.	तिपहिया (2/4-स्ट्रोक) (31 मार्च, 2000 को और उससे पहले विनिर्मित वाहन) Three Wheelers (2/4 - Stroke) (Vehicles manufactured on and before 31st March, 2000)	4.5	9,000
7.	तिपहिया (2-स्ट्रोक) (31 मार्च 2000 के बाद विनिर्मित वाहन) Three Wheelers (2 - Stroke) (Vehicles manufactured after 31st March, 2000)	3.5	6,000
8.	तिपहिया (4 – स्ट्रोक) (31 मार्च 2000 के बाद विनिर्मित वाहन) Three Wheelers (4 - Stroke) (Vehicles manufactured after 31st March, 2000)	3.5	4,500
9.	भारत स्तर II उत्सर्जन मानकों के अनुसार विनिर्मित चौपहिया Four Wheelers manufactured as per pre-Bharat Stage II emission norms	3.0	1,500
10.	भारत स्तर-II या भारत स्तर -III उत्सर्जन मानकों के अनुसार विनिर्मित चौपहिया Four Wheelers manufactured as per Bharat Stage-II or Bharat Stage-III Emission norms	0.5	750"